अधिकतम : 19° C
न्यूनतम : 08° C

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

मेरठ, मंगलवार 23 दिसम्बर 2025 मेरठ संस्करण: वर्ष 19 अंक 203 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com पौष शुक्ल पक्ष 3 विक्रमी सम्वत् 2082 2 रजब 1447 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

डाक्टर लड़की का हिजाब खींचे जाने पर मोदी क्यों मौन : कांग्रेस पेज 2

स्मृति मंधाना 4,000 टी-20 रन बनाने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर बनीं खेल टाइम्स

रोजगार के लिए गारंटी मिशन

सम्पादकीय

भारत से संघर्ष में अल्लाह की मदद मिली: आसिम मुनीर पेज 12

जम्मू-कश्मीर तथा केंद्र शासित प्रदेशों के एनसीसी कैडेट गणतंत्र दिवस समारोह से पहले जम्मू के बाहरी इलाके नागरोटा स्थित एनसीसी शिविर में पूर्ण पोशाक पूर्वाभ्यास में भाग लेते हुए।

मनरेगा का खत्म होना सबकी नैतिक नाकामी: सोनिया गांधी

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया है कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) और दूसरे कानूनों में बदलावों के जरिये वह जनता के अधिकारों पर आधारित कानूनी ढांचे को खत्म कर रही है।

श्रीमती गांधी ने एक अंग्रेजी दैनिक में सोमवार को अपने लेख में सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि मनरेगा का कमजोर होना 'सबकी नैतिक नाकामी' है। इससे देशभर के करोड़ों लोगों को वित्तीय नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष ने कहा: देशभर के करोड़ों लोगों को वित्तीय नुकसान होगा

मनरेगा पर बुलडोजर शीर्षक से छपा सोनिया गांधी का लेख पढ़ें: राहुल-प्रियंका गांधी

मनरेगा सिर्फ एक कल्याण की पहल नहीं थी, बल्कि यह अधिकारों पर आधारित कार्यक्रम था, जो गांव के परिवारों को रोजी-रोटी की सुरक्षा और सम्मान देता था। मनरेगा ने महात्मा गांधी के सभी के कल्याण के सपने को पूरा किया और काम करने

का संवैधानिक अधिकार दिया था। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष ने सभी से एकजुट होने का आह्वान किया और कहा कि अब पहले से कहीं ज्यादा जरूरी है कि हम एकजुट हों और उन अधिकारों की रक्षा करें, -शेष पृष्ठ दो पर

संसदीय समिति वीबी-जी राम जी से मनरेगा पर प्रभाव की करेगी समीक्षा

नई दिल्ली। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज पर संसद की स्थायी समिति ने मनरेगा और वीबी - जी राम जी अधिनियम की समीक्षा करने के लिए 29 दिसम्बर की प्रस्तावित बैठक में ग्रामीण विकास विभाग (ग्रामीण विकास मंत्रालय) के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया है।

इस बैठक में वीबी - जी राम जी अधिनियम पर विस्तृत जानकारी दी जाएगी और पुरानी एवं नई योजना की तुलना की जाएगी। यह बैठक वीबी-जी राम जी विधेयक को संसद के हाल ही में समाप्त हुए शीतकालीन सत्र के दौरान संसद की मंजूरी मिलने के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के मंजूरी देने के पश्चात हो रही है। इस नए कानून का मकसद ग्रामीण रोजगार और आजीविका गारंटी के लिए एक नया ढांचा देना है। इसे दो मुख्य आधारों पर विपक्ष की आलोचना का सामना करना पड़ा है। पहला यह कि यह प्रभावी रूप से महात्मा गांधी के नाम पर चल रहे प्रमुख ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम की जगह लेता है।

संक्षिप्त समाचार

कश्मीर में एक फीट तक बर्फबारी, मुगल रोड बंद

नई दिल्ली। कश्मीर घाटी में 40 दिन के चिल्लई कलां की शुरुआत रविवार से हो गई। पहले ही दिन गुलमर्ग-सोनमर्ग में 1 फीट तक बर्फबारी रिकॉर्ड की गई। मौसम विभाग का कहना है कि अगले 48 घंटे बर्फबारी जारी रह सकती है। कश्मीर को जोड़ने वाले दो रास्ते मुगल रोड और सिंथन टॉप रोड बर्फबारी के कारण बंद किए गए हैं। श्रीनगर में खराब मौसम के कारण इंटरनेशनल एयरपोर्ट से 15 फ्लाइट रद्द की गईं।

जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में बर्फबारी के बाद बर्फीली हवाएं मैदानी राज्यों तक पहुंच रही हैं। इसके चलते दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड, राजस्थान, पंजाब और हरियाणा में तापमान लगातार गिरता जा रहा है। मध्य प्रदेश के 16, यूपी के 40, राजस्थान के 10, बिहार के 24, हरियाणा के 12 और उत्तराखंड के 6 जिले कोहरे की चपेट में हैं। यूपी और झारखंड में सर्दी के कारण 4 लोगों की मौत हो चुकी है।

इंजन में खराबी के कारण दिल्ली लौटा एआई का विमान

नई दिल्ली। एयर इंडिया का दिल्ली से मुंबई जा रहा एक विमान सोमवार सुबह इंजन में खराबी के कारण उड़ान भरने के तुरंत बाद दिल्ली हवाई अड्डे पर लौट आया। एयर इंडिया के एक प्रवक्ता ने बताया कि उड़ान संख्या एआई 887 दिल्ली से मुंबई जा रही थी। रास्ते में तकनीकी समस्या के कारण चालक दल के सदस्यों ने विमान को वापस दिल्ली हवाई अड्डे पर उतारने का फैसला किया। विमान की दिल्ली में सकुशल लैंडिंग हुई और सभी यात्रियों को विमान से सुरक्षित उतारा गया। उन्हें पूरी सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं। उन्होंने बताया कि विमान की जांच की जा रही है।

आज श्रीलंका जाएंगे जयशंकर, शीर्ष नेतृत्व संग करेंगे वार्ता

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डा. एस. जयशंकर मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विशेष दूत के रूप में चक्रवाती तूफान दितवा से प्रभावित श्रीलंका का दौरा करेंगे और श्रीलंका के शीर्ष नेतृत्व के साथ बातचीत करेंगे। विदेश मंत्रालय ने सोमवार को यहां बताया कि विदेश मंत्री की यह यात्रा ऑपरेशन सागर बंधु की पृष्ठभूमि में हो रही है और यह भारत की पड़ोसी प्रथम की नीति को प्रदर्शित करती है।

सुप्रीम कोर्ट ने लिया उत्तराखंड में वन भूमि अतिक्रमण पर स्वत: संज्ञान

शीर्ष अदालत ने वन भूमि पर सभी निर्माण कार्यों पर तत्काल लगाई रोक

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड में वन भूमि पर बड़े पैमाने पर हो रहे अतिक्रमण और अवैध कब्जे के आरोपों को लेकर सोमवार को स्वत: संज्ञान लेते हुए कार्यवाही शुरू की।

पहाड़ी जिलों में संरक्षित वन भूमि पर अनधिकृत कब्जे से जुड़ा यह मामला अदालत की अवकाशकालीन पीठ के समक्ष आया, जिसमें मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची शामिल थे। पीठ ने आरोपों को गंभीरता से लेते हुए वन भूमि पर सभी निर्माण कार्यों पर तत्काल रोक लगा दी। साथ ही वन विभाग को निर्देश दिया कि जहां पहले से रिहायशी मकान मौजूद नहीं हैं, वहां की सारी खाली वन भूमि अपने कब्जे में ली जाए। मुख्य न्यायाधीश ने सुनवाई के दौरान राज्य

वन विभाग को दिया निर्देश, जहां पहले से रिहायशी मकान मौजूद नहीं, खाली जमीन को अपने कब्जे में लें

सरकार की कथित निष्क्रियता पर चिंता जताई और कहा कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए न्यायिक हस्तक्षेप जरूरी हो गया है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि हमें यह देखकर हैरानी हो रही है कि उत्तराखंड राज्य और उसके अधिकारी आंखों के सामने वन भूमि पर कब्जा होते देख भी मूक दर्शक बने हुए हैं। इसलिए हम इस मामले में स्वत: संज्ञान ले रहे हैं। न्यायालय ने उत्तराखंड के मुख्य -शेष पृष्ठ दो पर

माणिकराव कोकाटे की दोषसिद्धि पर रोक, बची रहेगी विधायकी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अजित पवार गुट के वरिष्ठ नेता माणिकराव कोकाटे की 1995 के धोखाधड़ी मामले में दोषसिद्धि पर रोक लगा दी।

उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा सीमित समय के लिए दोषसिद्धि पर रोक लगाने के आदेश से श्री कोकाटे फिलहाल विधानसभा की अयोग्यता से बच जाएंगे, जो उनके लिए एक बड़ी राहत है। भारत के मुख्य

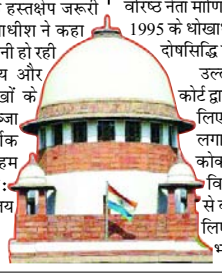

न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने श्री कोकाटे की ओर से बॉम्बे उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर यह आदेश पारित किया। बॉम्बे उच्च न्यायालय ने उनकी सजा तो निलंबित कर दी थी, लेकिन दोषसिद्धि पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया था।

सोनिया गांधी व राहुल गांधी को नोटिस जारी

नेशनल हेराल्ड मामला

दिल्ली हाईकोर्ट में ईडी की ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर हुई सुनवाई

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट में नेशनल हेराल्ड मामले में राहुल गांधी, सोनिया गांधी और अन्य के खिलाफ मनी-लॉन्ड्रिंग शिकायत पर ट्रायल कोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने वाली प्रवर्तन निदेशालय की याचिका पर सुनवाई हुई, जिसमें कोर्ट ने शिकायत का संज्ञान लेने से इन्कार कर दिया था।

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी सहित और लोगों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। सुनवाई के दौरान ईडी की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पक्ष रखा, जबकि सोनिया गांधी और राहुल गांधी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी और आरएस चीमा ने अदालत में दलीलें दीं। दिल्ली हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के आदेश पर रोक लगाने की ईडी की याचिका पर सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य से जवाब मांगा है। मामले की अगली सुनवाई 12 मार्च 2026 को होगी। हाईकोर्ट में ईडी ने 16 दिसम्बर के ट्रायल कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें कहा गया था कि एजेंसी की शिकायत पर संज्ञान लेना कानूनन अस्वीकार्य है, क्योंकि यह किसी एफआईआर पर आधारित नहीं है। विशेष जज विशाल गोगने ने मजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश को खारिज करते हुए कहा था कि गांधी परिवार पुलिस की एफआईआर पाने का हकदार नहीं। दरअसल मजिस्ट्रेट कोर्ट ने गांधी परिवार को नेशनल हेराल्ड मामले में एफआईआर की प्रति देने का निर्देश दिया था। विशेष जज ने मजिस्ट्रेट कोर्ट के फैसले को चुनौती वाली दिल्ली पुलिस की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश सुनाया। जज ने हालांकि कि कहा कि नेशनल हेराल्ड मामले में आरोपियों को यह सूचना दी जा सकती है कि एफआईआर दर्ज की है। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में 3 अक्टूबर को कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी।

धुंध की मोटी चादर में लिपटी दिल्ली

नई दिल्ली। दिल्ली सोमवार सुबह ज़हरीली धुंध की मोटी चादर में लिपटी रही और कम दृश्यता होने की वजह से लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

सीपीसीबी के डेटा के अनुसार सुबह 6.05 बजे दिल्ली का एक्यूआई 366 था, जो एक दिन पहले दर्ज किए गए 24 घंटे के औसत 377 से थोड़ा बेहतर था। सीपीसीबी के अनुसार एक्यूआई 101 और 200 के बीच मध्यम स्तर का होता है। इसके बाद 201 और 300 के बीच खराब और 301 और 400 के बीच 'बहुत खराब' होता है। वहीं, 400 से

दृश्यता कम होने के चलते लोगों को करना पड़ा परेशानियों का सामना

ऊपर का एक्यूआई 'गंभीर' श्रेणी में आता है।बहुत खराब हवा में लंबे समय तक रहने से सांस की समस्या हो सकती है। यह उन लोगों के लिए खतरनाक है, जिन्हें पहले से कोई बीमारी नहीं है। दिल्ली में रविवार को दक्षिण-पूर्वी हवाएं चल रही थीं और पिछले 24 घंटों में हवा की गति 12 किमी प्रति घंटे तक पहुंच गई थी, जिससे हवा की गुणवत्ता में थोड़ा सुधार हुआ।

मां-बेटी से गैंगरेप के पांच दोषियों को उम्रकैद

शाह टाइम्स ब्यूरो

बुलंदशहर। बुलंदशहर के नेशनल हाईवे-91 पर 28 जुलाई 2016 की रात गाजियाबाद निवासी कार सवार परिवार को बंधक बनाकर मां-बेटी के साथ सामूहिक दुष्कर्म और सभी परिजनों से लूटपाट करने वाले पांच आरोपियों की सजा का ऐलान हो गया।

विशेष पॉक्सो न्यायाधीश ओपी वर्मा ने सभी दोषियों को उम्रकैद और 1.81 लाख रुपये प्रत्येक को अर्थदंड सुनाया। अर्थदंड की राशि का आधा हिस्सा पीड़ित बेटी और उसकी मां को

प्रत्येक को 1.81 लाख रुपये अर्थदंड भी सुनाया, एक दोषी की हो चुकी है मौत, दो एनकाउंटर में हुए ढेर

दिया जाएगा। मामले में पीड़ित परिवार ने दरिंदों को फांसी की सजा देने की मांग की थी। सजा सुनाते हुए एडीजीसी वरुण कौशिक ने कहा कि ऐसे राक्षसों को सभ्य समाज से दूर रखा जाए। वहीं सजा सुनने के बाद आरोपियों ने कहा कि हम बेकसूर हैं, निर्दोषों को सजा सुनाई गई है। इस प्रकरण में छह आरोपियों के खिलाफ सीबीआई ने चार्जशीट न्यायालय में दाखिल की थी। जिनमें से एक आरोपी की पूर्व में ही जिला कारागार में बीमारी के चलते मृत्यु हो चुकी है। जबकि, दो आरोपियों को अलग-अलग मामलों में नोएडा व हरियाणा पुलिस एनकाउंटर में -शेष पृष्ठ दो पर

उप्र विधानसभा में 24,496.98 करोड़ का अनुपूरक बजट पेश

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा में सोमवार को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 24,496.98 करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट प्रस्तुत किया गया। संसदीय कार्य एवं वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने सदन में बजट पेश करते हुए बताया कि वर्ष 2025-26 का मूल बजट आठ लाख आठ हजार करोड़ रुपये का था, जिसके सापेक्ष अनुपूरक बजट का आकार 3.03 प्रतिशत है।

वित्त मंत्री ने बताया कि अनुपूरक बजट में राजस्व लेखा के तहत 18,369.30 करोड़ रुपये और पूंजी लेखा के तहत 6,127.68 करोड़ रुपये के व्यय का प्रावधान किया गया है। श्री खन्ना ने कहा कि इस बजट में औद्योगिक विकास, ऊर्जा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, नगर विकास, तकनीकी शिक्षा, महिला एवं बाल विकास,

बजट का आकार मूल बजट (आठ लाख, आठ हजार करोड़ रुपये) का लगभग 3.03 प्रतिशत

मेडिकल शिक्षा तथा गन्ना एवं चीनी मिल क्षेत्रों पर विशेष फोकस किया गया है। अनुपूरक बजट में औद्योगिक विकास के लिए 4,874 करोड़ रुपये, ऊर्जा क्षेत्र के लिए 4,521 करोड़ रुपये और स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 3,500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। नगर विकास के लिए 1,758.56 करोड़ रुपये प्रस्तावित किए गए हैं। इसके अलावा तकनीकी शिक्षा के लिए 639.96 करोड़ रुपये, महिला एवं बाल विकास के लिए 535 करोड़ रुपये, नेडा के लिए 500 करोड़ रुपये और मेडिकल शिक्षा के लिए 423 करोड़ रुपये रखे गए हैं।

भारत-न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौता संपन्न

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सरकार ने वैश्विक बाजार में भारतीय इकाइयों के लिए अवसर बढ़ाने की दिशा में निरंतर किए जा रहे प्रयासों के बीच सोमवार को न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) सम्पन्न होने की घोषणा की, जो इस साल ब्रिटेन और ओमान के साथ हुए व्यापक आर्थिक सहयोग के समझौतों के बाद भारत का तीसरा समझौता है।

इसके तहत न्यूज़ीलैंड अपने यहां आयात की जाने वाली सभी तरह की वस्तुओं (अपनी शत-प्रतिशत प्रशुल्क सूचियों) पर शुल्क समाप्त करेगा। इससे वहां भारत से जाने वाले सभी प्रकार के माल को शुल्क मुक्त प्रवेश मिल गया है। इस कदम से वहां

मोदी-लक्सन की टेलीफोन वार्ता के बाद हुई घोषणा

भारतीय माल को शुल्क मुक्त प्रवेश मिलेगा

के बाजार भारत के कपड़ा, परिधान, चमड़ा, फुटवियर, समुद्री उत्पाद, रत्न एवं आभूषण, हस्तशिल्प, इंजीनियरिंग वस्तुएं और ऑटोमोबाइल जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों की प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी। यह समझौता सेवाओं के क्षेत्र में न्यूजीलैंड का अब तक का सबसे महत्वाकांक्षी प्रस्ताव है, जिससे सूचना प्रौद्योगिकी, पेशेवर सेवाएं, शिक्षा, वित्तीय सेवाएं, पर्यटन, निर्माण और अन्य व्यावसायिक सेवाओं में भारतीय सेवा प्रदाताओं के लिए नए अवसर खुलेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की न्यूजीलैंड और प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन के बीच सोमवार को टेलीफोन पर बातचीत के बाद भारत-न्यूजीलैंड एफटीए की संयुक्त रूप से घोषणा की गई। दोनों प्रधानमंत्रियों की इसी वर्ष मार्च में हुई बातचीत के बाद दोनों देशों ने व्यापार समझौते की बातचीत शुरू की थी। दोनों नेताओं ने कहा कि नौ महीने के रिकॉर्ड कम समय में समझौता वार्ता का पूरा होना साझा महत्वाकांक्षा और राजनीतिक इच्छाशक्ति को दिखाता है। दोनों पक्षों ने कहा है कि यह समझौता दोनों देशों के बीच रणनीतिक सहयोग को मजबूत करेगा। उन्होंने कहा है कि इस एफटीए से दोनों देशों के बीच संबंधों का और विस्तार होगा और द्विपक्षीय आर्थिक संबंध मजबूत होंगे। इससे व्यापार में वृद्धि के साथ एक दूसरे के यहां निवेश को भी प्रोत्साहन मिलेगा। इस समझौते की व्यवस्थाओं से दोनों देशों में नवाचार में लगे लोगों, उद्यमियों, किसानों, लघु और मध्यम उद्यमों, छात्रों और युवाओं के लिए विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के नए मौके भी पैदा होंगे।

संक्षिप्त समाचार

बहराइच में मासूम को सोते से दबोच ले गया भेड़िया

बहराइच। नेपाल सीमा से सटे पूर्वी उत्तर प्रदेश के बहराइच में भेड़ियों को आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार को जिले के फखरपुर ब्लॉक स्थित रसूलपुर बरेटा गांव में भेड़िया एक तीन साल के मासूम बच्चे को जबड़े में दबाकर जंगल की ओर भाग गया। काफी तलाश के बाद बच्चे का क्षत विक्षत शव मिला। गांव के निवासी राम मनो. हर, जो पंजाब में मजदूरी करते हैं, की पत्नी ननकई अपने दो बच्चों के साथ घर पर रहती हैं। सोमवार की सुबह ननकई बरामदे में अपने तीन साल के बेटे अंशु को दूध पिलाने के बाद चारपाई में बच्चे को सुला कर अन्य काम में लग गई। इस बीवएक भेड़िया ने हमला कर दिया और मासूम को जबड़े में दबाकर भाग निकला। मां ननकई चीख-पुकार करते हुए भेड़िए के पीछे दौड़ी और करीब सौ मीटर तक उसका पीछा किया, लेकिन घने कोहरे के कारण भेड़िया गायब हो गया। ग्रामीणों ने तुरंत स्थानीय पुलिस और वन विभाग को घटना की जानकारी दी।

धर्मांतरण के आरोप में ईसाई मिशनरी के चार लोग गिरफ्तार

शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश में शाहजहांपुर जिले के थाना रोजा क्षेत्र में कथित रूप से प्रार्थना सभा के नाम पर धर्म परिवर्तन करने वाले ईसाई मिशनरी के एक महिला समेत चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक (एसपी) राज. श द्विवेदी ने सोमवार को बताया कि थाना रोजा क्षेत्र के एक कॉलोनी में रविवार को धर्मांतरण की सूचना पर पुलिस पहुंची तो वहां एक बड़े कमरे में सभा चल रही थी। सभा स्थल पर ईसाई धर्म का प्रतीक चिन्ह भी लगा हुआ था और वहां दर्जनों महिलाएं मौजूद थीं, जिनमें इसाई के अलावा हिंदू महिलाएं एवं बच्चे शामिल थे।

डाक्टर लड़की का हिजाब खींचे जाने पर मोदी क्यों मौन:कांग्रेस

नई दिल्ली, वार्ता

कांग्रेस ने कहा है कि पटना में एक डॉक्टर को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा उसका हिजाब खींचने की घटना की पूरी देश-दुनिया में थू-थू हो रही है, लेकिन आश्चर्य की बात है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस पर चुप्पी साधे हैं।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने सोमवार को यहां सोशल मीडिया एक्स पर एक बयान में कहा कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का नारा देने वाले ही पढ़ी लिखी बेटी का हिजाब खींचते हैं, तो उन्हें यह भी बताना चाहिए, जब बेटी पढ़ लिख कर बाहर निकले, तो उसे कौन से कपड़े पहनने चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस पर चुप्पी साधने की बजाय बताना चाहिए कि बेटियां क्या पहनकर बाहर निकलें। उन्होंने कहा कि बेटियां छोटे कपड़े पहनें तो दिक्कत। हिजाब पहनें, तो दिक्कत, लेकिन असल में दिक्कत बेटियां नहीं, दिक्कत खुद आप हैं। बेटी बचाओ, बेटी

■ बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का नारा देने वाले ही पढ़ी लिखी बेटी का हिजाब खींच रहे

पढ़ाओ नारा अच्छा है, लेकिन जब बेटी पढ़ लिख कर बाहर निकले, तो वह क्या कपड़े पहने हैं, ये सवाल बहुत गंभीर हो गया है। टाइट कपड़े पहने थे, तो गलती उसकी थी। अब कहा जा रहा है साब उसने हिजाब पहना था, गलती उसकी है। नीतीश कुमार प्रदेश के मुख्यमंत्री है और उन्होंने डॉक्टर नुसरत परवीन का हिजाब कैमरे के सामने खींचने की बार बार कोशिश की है। इस दृश्य को देखकर कितने मां बाप हिम्मत दिखाएंगे कि वे अपनी बेटियों को पढ़ाने के लिए भेजें। कांग्रेस नेता ने कहा कि पढ़ लिखकर, मेहनत करके गरीबी से निकल. कर डाक्टर बनी नुसरत परवीन में सोचा था कि अच्छी नौकरी करेगी, लेकिन प्रदेश के मुख्यमंत्री ही इस तरह की हरकत करते हैं। इस हरकत के बाद कोई हिम्मत दिखाएगा कि वह अपनी बेटी को पढ़ने के लिए भेजे। यहां सवाल हिजाब का नहीं, डाक्टर नुसरत परवीन का नहीं, बात मुसलमान की भी नहीं है, बात पल्लू की नहीं और घूंघट की भी नहीं है, सिखों की पगड़ी, धोती और लूंगी की भी नहीं है, बात है आपकी और मेरी मर्जी की, बात है मेरी और आपके सम्मान की, बात ये है कि अगर बच्ची पढ़ के बाहर निकलेगी, सार्वजनिक स्थान पर जाएगी तो फिर उसके लिए माहौल और वातावरण कितना सुरक्षित है, वह कितना महफूज महसूस करती है, इस आजादी को हम खत्म करते जा रहे हैं।

हमारी सरकार ने ग्रामीण रोजगार गारंटी 70 के दशक में कर दी थी शुरू: जयराम रमेश

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि ग्रामीण आबादी के लिए रोजगार की गारंटी की वह शुरू से ही समर्थक रही है और यही वजह है कि उसके नेतृत्व वाली सरकार ने 1970 में महाराष्ट्र में ग्रामीणों को सूखे के संकट से उबारने के लिए रोजगार गारंटी योजना शुरू कर दी थी। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने सोमवार को यहां एक बयान में कहा कि 1970 के दशक में भीषण सूखे के बाद, महाराष्ट्र में वीपी नाइक के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने ग्रामीण संकट से निपटने के लिए अग्रणी रोजगार गारंटी योजना की शुरुआत की थी। उन्होंने कहा कि यह तो शुरुआत भर थी, इसके बाद 1980 के दशक के आरंभ में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने दो नई योजनाओं राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम (एनआरईपी) और ग्रामीण भूमिहीन रोजगार गारंटी कार्यक्रम शुरू कर दी थी।

विधान परिषद में सपा सदस्यों ने उठाया पुरानी पेंशन बहाली का मुद्दा

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उप्र विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के दौरान सोमवार को राज्य विधान परिषद में समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) की बहाली का मुद्दा जोर-शोर से उठाया। सपा के विधान परिषद सदस्य डॉ. मानसिंह ने सरकार से सवाल किया कि प्रदेश में पुरानी पेंशन बहाल करने को लेकर क्या कोई निर्णय लिया गया है।

सरकार की ओर से जवाब देते हुए नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश में एक अप्रैल 2005 से नई पेंशन योजना (एनपीएस) लागू है। उन्होंने स्पष्ट किया कि नई पेंशन प्रणाली को राज्य के राजकोषीय संतुलन को

■ प्रदेश में पुरानी पेंशन बहाल करने को लेकर क्या कोई निर्णय लिया

बनाए रखने के साथ-साथ न केवल सरकारी कर्मचारियों, बल्कि संगठित एवं असंगठित क्षेत्र के कार्मिकों तथा सामान्य जन के लिए बेहतर, राष्ट्रव्यापी वृद्धावस्था सुरक्षा व्यवस्था विकसित करने के उद्देश्य से लागू किया गया है। मंत्री ने यह भी कहा कि एनपीएस दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता को ध्यान में रखकर तैयार की गई है, जिससे भविष्य में पेंशन दायित्वों का प्रबंधन सुचारु रूप से किया जा सके। इस पर सपा सदस्यों ने आपत्ति जताते हुए कहा कि पेंशन बुढ़ापे की लाठी होती है और कर्मचारियों को सामाजिक सुरक्षा का भरोसा देती है।

आपदा प्रबन्धन के लिए प्रशिक्षित प्रतिक्रिया प्रणाली जरूरी: डीजीपी

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ/प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्णा ने कहा कि अब आपदा प्रबंधन केवल घटना के बाद प्रतिक्रिया तक सीमित नहीं रह सकता। इसके लिए पूर्वानुमान आधारित, योजनाबद्ध और प्रशिक्षित प्रतिक्रिया प्रणाली विकसित करना अनिवार्य है।

उन्होंने कहा कि विभिन्न विभाग अपनी-अपनी तैयारियां करते हैं, लेकिन आपात स्थिति में इन सभी को एकीकृत, समन्वित और समयबद्ध प्रतिक्रिया में बदलना सबसे अहम है। सोमवार को आगामी माघ मेला की तैयारियों के दृष्टिगत उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (यूपीएसडीएमए) द्वारा प्रयागराज में एक महत्वपूर्ण संगोष्ठी एवं टेबल-टॉप एक्सरसाइज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राजीव कृष्ण, पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सहभागिता की। संगोष्ठी का शुभारंभ उत्तर प्रदेश स्टेट डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी के वाइस चेयरमैन योगेन्द्र डिमरी, लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) के संबोधन से हुआ। इस अवसर पर माघ मेला के दौरान भीड़ के प्रभावी व्यवस्थापन, डूबने की घटनाओं की रोकथाम, शीत लहर तथा अग्नि दुर्घटनाओं से निपटने की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। श्री कृष्ण ने प्रमुख वक्ता के रूप में अपने संबोधन में कहा कि कुंभ और माघ मेला विश्व के सबसे बड़े पब्लिक गैदरिंग इवेंट में शामिल हैं।

सपा विधायक अतुल प्रधान के सवाल पर सीएम का तीखा जवाब

समय आने दीजिए जरूर चलेगा बुलडोजर:योगी

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन सोमवार को कफ सिरप मामले में समाजवादी पार्टी विधायक अतुल प्रधान के एक सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पूरे प्रदेश में कफ सिरप से एक भी मौत नहीं हुई है। जांच होने दीजिए समय आने पर बुलडोजर भी चलेगा। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि उत्तर प्रदेश में कोडीन युक्त कफ सिरप या नकली दवा से किसी भी व्यक्ति की मौत की कोई जानकारी शासन के संज्ञान में नहीं आई है और इस संबंध में फैलाए जा रहे भ्रम का कोई आधार नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्य में हाल ही में पकड़े गए सबसे बड़े थोक विक्रेता को वर्ष 2016 में समाजवादी पार्टी सरकार के दौरान लाइसेंस दिया गया था।

■ विधानसभा में कहा: पूरे प्रदेश में कफ सिरप से एक भी मौत नहीं हुई है, जांच होने दीजिए

■ वंदेमातरम भारत के स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा और क्रांतिकारियों की सच्ची भावना का प्रतीक

वर्तमान सरकार ने इस मामले में कड़ी कार्रवाई करते हुए जांच तेज कर दी है। योगी ने कहा कि एसटीएफ प्रदेश के अलग-अलग स्थानों पर लगातार छापेमारी कर रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उत्तर प्रदेश के भीतर कोडीन कफ सिरप का उत्पादन नहीं होता है। मुख्यमंत्री के अनुसार कोडीन कफ सिरप का उत्पादन मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और अन्य राज्यों में होता है। जिन मौतों के मामले सामने आए हैं, वे अन्य राज्यों से संबंधित हैं, न कि उत्तर प्रदेश से। उन्होंने दोहराया कि प्रदेश सरकार जनस्वास्थ्य से कोई समझौता नहीं करेगी और नकली दवा के कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। समाजवादी पार्टी के नेता और विधायक अतुल प्रधान ने आरोप लगाया कि सरकार कफ सिरप मामले के आरोपियों को बचाने का काम कर रही है। इससे पहले सपा विधायक संग्राम सिंह ने कहा कि कोडीन माफिया को सरकार बचा रही है। सरकार का पूरा संरक्षण कोडीन माफिया के साथ है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव कह चुके हैं कि इस मामले में संलिप्त लोगों के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई की जाए, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। इससे स्पष्ट है कि सरकार कोडीन माफिया के साथ है। विधानसभा में राष्ट्रगीत वंदेमातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य पर चर्चा की शुरुआत करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वंदेमात. रम स्वतंत्रता संग्राम की चेतना का उद्घोष है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वंदेमातरम केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा और क्रांतिकारियों की सच्ची भावना का प्रतीक है।

विधानसभा में कफ सिरप मामले को लेकर सपा का हंगामा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसंभा के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन सोमवार को समाजवादी पार्टी के विधायकों ने विधानसभा परिसर में प्रतीकात्मक विरोध प्रदर्शन किया। सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले सपा विधायक अतुल प्रधान हाथों में पोस्टर और होर्डिंग लेकर विधानसभा पहुंचे। हंगामे को विधानसभा अध्यक्ष ने शांत कराया, जिसके बाद प्रश्नकाल की कार्यवाही शुरू हो गई। अतुल प्रधान के पोस्टर में कफ सिरप की तस्वीर के साथ सिपाही आलोक सिंह के घर की फोटो लगी थी। उन्होंने सवाल उठाया कि संबंधित मामले में बुलडोजर कार्रवाई कब की जाएगी। वहीं एक अन्य पोस्टर में लैंड क्रूजर वाहन की तस्वीर दिखाते हुए उन्होंने पूछा कि कथित तौर पर माफिया से जुड़ी इस गाड़ी को कब जब्त किया जाएगा। इस पोस्टर के जरिए उन्होंने धनंजय सिंह पर निशाना साधा। अतुल प्रधान अपने साथ सीटियां भी लेकर आए और लगातार सीटियां बजाईं।

अर्थ व्यापार

सेंसेक्स 85567.48
निफ्टी 26172.40

सोना रु. 132394
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

चांदी रु. 200336
प्रति किलो

शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन चढ़े

मुंबई, वार्ता

विदेशों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में सोमवार को लगातार दूसरे दिन तेजी देखी गई और प्रमुख सूचक. इंक ढाई सप्ताह के उच्चतम स्तर पर बंद हुए।

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 638.12 अंक (0.75 प्रतिशत) की बढ़त में 85,567.48 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी.50 सूचक. इंक भी 206 अंक यानी 0.79 फीसदी उछलकर 26,172.40 अंक पर पहुंच गया। यह दोनों सूचकांकों का 5 दिसम्बर के बाद का उच्चतम स्तर है। मझौली और छोटी कंपनियों में भी निवेशकों ने खूब पैसा लगाया। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.76 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100

सूचकांक 1.17 प्रतिशत मजबूत हुआ। टिकाऊ उपभोक्ता उत्पादों को छोड़कर सभी सेक्टरों के सूचकांकों में तेजी रही। आईटी और धातु सेक्टरों में सबसे अधिक तेजी रही। रसायन, ऑटो, फार्मा, स्वास्थ्य और तेल एवं गैस समूहों में भी अच्छी मजबूती देखी गई। एनएसई में कुल 3,283 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें 2,252 के शेयर हरे निशान में और 923 के लाल निशान में बंद हुए। अन्य 108 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित रहे। सेसेक्स में ट्रेंट का शेयर सबसे अधिक 3.56 फीसदी और इंफोसिस का 3.06 फीसदी चढ़ा। भारती एयरटेल में 2.43 फीसदी, टेक महिंद्रा में 2.09, प्रतिशत से अधिक तेजी रही। एचसीएल टेक्नोलॉजीज में 1.67 प्रतिशत, बीईएल में 1.57, सनफार्मा में 1.50, मारुति सुजुकी में 1.32, टीसीएस में 1.28 और आईसीआईसीआई बैंक में 1.05 प्रतिशत की मजबूती दर्ज की गई। अडानी पोर्ट्स, रिलायंस इंडस्ट्रीज और पावर ग्रिड के शेयर भी बढ़त में बंद हुए। भारतीय स्टेट बैंक का शेयर 0.60 प्रतिशत टूट गया। कोटक महिंद्रा बैंक और इंडिगो के शेयर लाल निशान में रहे। वैश्विक स्तर पर एशिया में जापान का निक्केई 1.81 प्रतिशत, चीन का शंघाई कंपोजिट 0. 69 प्रतिशत और हांगकांग का हैंगसेंग 0.43 प्रतिशत चढ़ गया। यूरोपीय बाजारों में शुरुआती कारोबार में जर्मनी का डैक्स 0.04 फीसदी ऊपर था, जबकि ब्रिटेन के एफटीएसई में 0.42 फीसदी की गिरावट रही।

न्यूजीलैंड के साथ एफटीए से द्विपक्षीय व्यापार को मिलेगा बढ़ावा: उद्योग जगत

नई दिल्ली। उद्योग जगत ने न्यूजीलैंड के साथ भारत की मुक्त व्यापार संधि (एफटीए) का स्वागत करते हुए सोमवार को कहा कि इससे दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। उद्योग मंडल फिक्की के अध्यक्ष अनंत गोयंका ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में वैश्विक व्यापार में भारत की पैठ बढ़ती जा रही है। उन्होंने कहा कि फिक्की भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार संधि का स्वागत करता है। यह हिंद-प्रशांत क्षेत्र के साथ आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में उठाया गया कदम है। इस समझौते से द्विपक्षीय व्यापार, निवेश प्रवाह और परस्पर सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही दोनों देशों के लिए व्यवसाय के नए अवसर बनेंगे। पीएचडी चैंबर के अध्यक्ष राजीव जुनेजा ने न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार संधि का स्वागत करते हुए इसे विकसित भारत 2047 के भारत के विजन के अनुरूप बताया। उन्होंने कहा कि इस समझौते के तहत भारतीय निर्यात के लिए शत-प्रतिशत शून्य-शुल्क पर पहुंच उपलब्ध होगी। इससे छात्रों, पेशेवरों, छोटे तथा मझौले उद्यमों और श्रम-प्रधान सेक्टरों को मदद मिलेगी। निवेश, नियामक सहयोग और शुल्क-मुक्त निर्यात से प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, वैश्विक मूल्य श्रृंखला के साथ भारतीय उद्योग के सभी सेक्टर जुड़ सकेंगे।

चावल, चीनी, दालें मजबूत, गेहूं नरम, खाद्य तेलों में रही घट-बढ़

नई दिल्ली, वार्ता

घरेलू थोक जिंस बाजारों में सोमवार को चावल के औसत भाव बढ़ गए, जबकि गेहूं में गिरावट रही। चीनी और दालों की कीमतों में भी तेजी रही। वहीं खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख देखा गया।

औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 113 रुपये बढ़कर 3,853 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई। गेहूं 14 रुपये टूटकर 2,856 रुपये प्रति क्विंटल के भाव पर आ गई। आटे की कीमत 13 रुपये घट गई। दाल-दलहनों में तेजी रही। तुअर दाल की कीमत औसतन 207 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। मसूर दाल 156 रुपये और चना दाल 148 रुपये महंगी हुई। मूंग दाल 122 रुपये और उड़द दाल 94 रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुई। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मार्च वायदा 82 रिगिट चढ़कर 3,987 रिगिट प्रति टन पर पहुंच गया। वहीं मार्च का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.56 प्रतिशत की बढ़त के साथ 48.71 डॉलर के भाव बोला गया। स्थानीय बाजारों में सूरजमुखी तेल औसतन 71 रुपये और पाम ऑयल 56 रुपये प्रति क्विंटल फिसल गया। सरसों तेल 48 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। वनस्पति का भाव 142 रुपये और मूंगफली तेल का 45 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ा। सोया तेल में 24 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी रही। मीठे के बाजार में आज गुड़ की औसत कीमत 103 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। चीनी भी 25 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के दिन के औसत थोक भाव इस प्रकार रहे: दाल-दलहन: दाल चना 7856.18 रुपये, मसूर काली 8161. 56 रुपये, मूंग दाल 10095.27 रुपये, उड़द दाल 10374.80 रुपये, तुअर दाल 10601.18 रुपये प्रति क्विंटल। अनाज: (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2856.18 रुपये और चावल 3852.72 रुपये प्रति क्विंटल। आटा (गेहूं) 3299.42 रुपये प्रति क्विंटल। चीनी-गुड़: चीनी एस 4312.81 रुपये और गुड़ 4975.84 रुपये प्रति क्विंटल बोले गए। खाद्य तेल: सरसों तेल 17616.64 रुपये, मूंगफली तेल 17862.47 रुपये, सूरजमुखी तेल 15772.78 रुपये, सोया तेल 13792. 47 रुपये, पाम ऑयल 12448.27 रुपये और वनस्पति 14468.87 रुपये प्रति क्विंटल के स्तर पर रहा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

मनरेगा का.. जो हम सभी की रक्षा करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार कई बुनियादी अधिकारों को एक-एक कर खत्म कर रही है। खेती कानूनों में सुधार का जिक्र करते हुए श्रीमती गांधी ने कहा कि कृषि से संबंधित तीन काले कानूनों के जरिये सरकार ने किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य के अधिकार से वंचित करने की कोशिश की थी। उन्होंने आगाह किया कि सरकार भविष्य में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 को खत्म कर सकती है। वहीं कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने मोदी सरकार पर आरोप लगाया है कि मनरेगा को खत्म कर उसने देश के लोकतंत्र और मनरेगा पर बुलडोजर चला दिया है। श्रीमती वाड्रा और श्री गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर सोमवार को अपनी मां तथा कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी के एक अंग्रेजी अखबार में छपे लेख के समर्थन में यह टिप्पणी की है, जिसमें श्रीमती गांधी ने कहा कि मोदी सरकार ने मनरेगा को खत्म कर करोड़ों मनरेगा श्रमिकों के अधिकारों पर बुलडोजर चलाया है। श्री गांधी ने अपनी पोस्ट में कहा कि न जनसंवाद, न संसद में चर्चा, न राज्यों की सहमति - मोदी सरकार ने मनरेगा और लोकतंत्र दोनों पर बुलडोज़र चला दिया है। यह विकास नहीं, विनाश है-जिसकी कीमत करोड़ों मेहनतकश भारतीय अपनी रोज़ी रोटी गंवा कर चुकाएंगे। श्रीमती गांधी जी का इस गंभीर मुद्दे के हर पहलू का पर्दाफाश करता हुआ लेख ज़रूर पढ़ें। श्रीमती वाड्रा ने कहा कि मनरेगा ने महात्मा गांधी के सर्वोदय 'सभी का कल्याण' के दृष्टिकोण को साकार किया और काम करने के संवैधानिक अधिकार को लागू किया। इसका अंत हमारी सामूहिक नैतिक विफलता है, जिसके वित्तीय और मानवीय परिणाम भारत के करोड़ों मेहनतकश लोगों के लिए आने वाले वर्षों तक गंभीर रहेंगे। अब पहले से कहीं अधिक यह अनिवार्य है कि हम एकजुट होकर उन अधिकारों की रक्षा करें, जो हम सभी की रक्षा करते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने... सचिव और प्रधान मुख्य वन संरक्षक को निर्देश दिया कि वे एक तथ्य-जांच समिति गठित करें, जो जमीनी हालात का आकलन कर अतिक्रमण की सीमा और राज्य प्रशासन की कार्रवाई पर एक विस्तृत रिपोर्ट पेश करे। स्थिति में कोई और बदलाव न हो, इसके लिए पीठ ने निजी पक्षों को वन भूमि पर किसी भी प्रकार के तीसरे पक्ष के अधिकार बनाने से रोक दिया और स्पष्ट किया कि अगले आदेश तक कोई निर्माण नहीं होगा। अदालत ने दोहराया कि रिहायशी मकानों को छोड़कर सारी खाली वन भूमि वन विभाग के कब्जे में ली जाएगी। इस मामले की अगली सुनवाई पांच जनवरी को न्यायालय के पुन: खुलने के बाद होगी। न्यायालय में 19 दिसम्बर से 5 जनवरी तक सर्दियों की छुट्टियां हैं। उत्तराखंड में वन भूमि पर अवैध कब्जे का मुद्दा कई रिपोर्टों में सामने आता रहा है, खासकर संवेदनशील पहाड़ी इलाकों में, जहां तेजी से शहरी विस्तार हो रहा है।

मां-बेटी से... ढेर कर दिया है। 28 जुलाई की रात नोएडा निवासी एक परिवार के छह सदस्य शाहजहांपुर अपने पैतृक गांव में एक तेरहवीं में शामिल होने के लिए जा रहे थे। देहात कोतवाली क्षेत्र में दोस्तपुर फ्लाईओवर के निकट अज्ञात बदमाशों ने उनकी कार पर कुछ लोहे की वस्तु फेंक कर रुकवा लिया था। इसके बाद आरोपियों ने कार सवार किशोरी, उसके पिता, मां, ताई, ताऊ व तहेरे भाई को बंधक बनाया और कार समेत सड़क के दूसरी तरफ एक खेत में ले गए। जहां, आरोपियों ने तीनों पुरुषों के हाथ पैर बांध दिए और वादी मुकदमा की 14 वर्षीय किशोरी व पत्नी के साथ आरोपियों ने खेत में ले जाकर सामूहिक दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। इसके बाद आरोपी वहां से लूटपाट कर भाग निकले थे।

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में युवा अफसरों की ऊर्जा व नई सोच महत्वपूर्ण: राधाकृष्णन

नई दिल्ली, वार्ता

उप राष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा है कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के सपने को साकार करने में युवा अधिकारियों की ऊर्जा और नया करने की सोच महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

राधाकृष्णन ने सोमवार को यहां उपराष्ट्रपति भवन में भारतीय रक्षा लेखा सेवा के वर्ष 2023 और 2024 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित किया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि रक्षा लेखा विभाग की 275 वर्षों से अधिक पुरानी समृद्ध तथा गौरवशाली विरासत है, जो इसे सरकार के सबसे पुराने विभागों में से एक बनाती है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि राष्ट्र 2047 तक विकसित भारत बनने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है इसे हासिल करने में सिविल सेवकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में इस बात पर जोर दिया जाना चाहिए कि ये समावेशी हों और इनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवा अधिकारियों की ऊर्जा और नई सोच राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने अधिक. रियों से आग्रह किया कि उन्हें सेवा भाव और कर्तव्य बोध को अपना मार्गदर्शक मंत्र बनाना चाहिए। भारतीय रक्षा लेखा सेवा के महत्व को रेखांकित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह सेवा भारतीय सशस्त्र बलों और संबद्ध संगठनों के वित्तीय संसाधनों के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। रक्षा सेवाओं की लेखा एवं वित्तीय प्राधिकरण के रूप में कार्य करते हुए अधिकारियों को अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते समय सशस्त्र बलों द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों को समझना और आत्मसात करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सशस्त्र बलों की परिच. लन तत्परता सुनिश्चित करने के लिए विवेकपूर्ण वित्तीय प्रबंधन अत्यंत आवश्यक है। राधाकृष्णन ने जोर देकर कहा कि ईमानदारी, पारदर्शिता, सतर्कता और जवाबदे. ही के उच्चतम मानकों को बनाए रखना आवश्यक है, क्योंकि सार्वजनिक धन करदाताओं की कड़ी मेहनत की कमाई का होता है। उपराष्ट्रपति ने तेजी से बदल रहे प्रौद्योगिकी और वैज्ञानिक विकास के युग में निरंतर क्षमता निर्माण के महत्व पर भी जोर दिया।

अजय कुमार ने रेल सुरक्षा सुधारों की मांग की

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता अजय कुमार ने सोमवार को यात्रियों की सुरक्षा के लिए देश की सभी रेलवे लाइनों पर सुरक्षा कवच लगाने तथा रेलवे में वरिष्ठ नागरिकों के लिए रियायतें बहाल करने की मांग की।

कुमार ने यहां संवाददाता सम्मेलन में किराया वृद्धि की हालिया घोषणाओं को आम आदमी के लिए 'नए साल का एक घटिया तोहफा' बताया। उन्होंने सरकार की कड़ी आला. ेचना करते हुए उस पर रेलवे को जनसेवा के बजाय 'वसूली का जरिया' बनाने का आरोप लगाया और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को भारतीय रेलवे की बिगड़ती स्थिति के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए उनसे इस्तीफे की मांग की। उन्होंने 2024 के चुनावों के बाद से सरकार द्वारा बार-बार किराया बढ़ाने पर प्रकाश डाला और

■ घोषणाओं को आम आदमी के लिए 'नए साल का एक घटिया तोहफा' बताया

बताया कि प्रति किलोमीटर किराया 2014 में 32 पैसे से बढ़कर आज 67 पैसे हो गया है, जो दोगुने से भी अधिक है। उन्होंने सरकार के संचार के तरीके की आलोचना करते हुए कहा कि रेल मंत्री वैष्णव ने आधिकारिक घोषणा के बजाय परिपत्र के माध्यम से पत्रकारों को सूचित करना चुना। कुमार ने यात्रियों के खराब अनुभवों की ओर ध्यान दिलाया और नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की एक रिपोर्ट का हवाला दिया जिसमें रेलवे के भोजन को 'मानव उपभोग के लिए अनुपयुक्त' बताया गया है, जबकि 2014 से भोजन की कीमतें 30 रुपये से बढ़कर 120 रुपये हो गई हैं।

मुस्लिम लीग और हिंदू संगठन आमने-सामने

कलक्ट्रेट पर अलग-अलग घटनाओं पर ज्ञापन देने पंहुचे थे दोनों संगठन

बांग्लादेश का विरोध करते हिंदू स्वाभिमान परिषद के लोग।

बिहार के मुख्यमंत्री का विरोध करते मुस्लिम लीग कार्यकर्ता।

कलक्ट्रेट में शहर का माहौल बिगाड़ने का प्रयास, न प्रशासन का डर और न शहर के माहौल की चिंता

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के कार्यकर्ता सोमवार को कलेक्ट्रेट पहुंचे उन्होंने वहां देश में बढ़ते हुए नफरत के माहौल और अल्पसंख्यक और महिलाओं के खिलाफ किये जा रहे अत्याचारों का विरोध किया। इसके अलावा उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा एक महिला आयुष डाक्टर को नियुक्ति देते समय उसका हिजाब खींचकर की गई घटिया हरकत का विरोध किया। इसी दौरान वहां बांग्लादेश में हिंदू युवक की मौत के विरोध में पहुंचे हिंदू स्वाभिमान दल के कार्यकर्ता पहुंच गये जिन्होने मुस्लिम लीग के कार्यकर्ताओं से बदसलूकी कर दी।

दोनों दल के कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे के सामने जमकर नारेबाजी करनी शुरू कर दी। इस दौरान कलेक्ट्रेट का माहौल गर्म हो गया पुलिस प्रशासन के हाथ पांव फूल गए। उन्होंने दोनों संगठन के लोगों को अलग-अलग किया। मुस्लिम लीग के कार्यकर्ताओं का आरोप है कि हिंदू स्वाभिमान के कार्यकर्ता ने मुस्लिम लीग के बैनर को खींचने का भी प्रयास किया लेकिन पुलिस के बीच में आ जाने के बाद ही वह पीछे हट गये। कलक्ट्रेट पर मामला गर्मा गया कुछ ही देर में भारी पुलिसबल मौके पर पहुंच गया लेकिन तब तक मामला शांत हो गया था। अधिकारियों ने दोनों पार्टियों का ज्ञापन लेकर वापस भेज दिया। लोगों का कहना था कि मुस्लिम लीग के कार्यकर्ताओं की जनसंख्या काफी कम थी अगर यह लोग भी हिंदू संगठन के बराबर होते तो कलेक्ट्रेट में माहौल खराब हो सकता था।

जब डीएम ऑफिस पर हुआ शंखनाद

सोमवार के दिन हिंदू स्वाभिमान संगठन द्वारा किए गए हंगामे के दौरान जहां हिंदू संगठन के लोगों ने मुस्लिम लीग के लोगों को कलेक्ट्रेट से भगाने का प्रयास किया। वहीं इस दोराल हिंदू स्वाभिमान संगठन से जुड़े एक व्यक्ति ने डीएम कार्यालय के सामने ही शंख बजाएं अक्सर यह शंक शौर्य का प्रतीक माना जाता है और यह अधिकतर धार्मिक स्थलों पर बजाया जाता है। जिस समय हिंदू संगठन के लोग डीएम ऑफिस पर शंख बजा रहे थे तब ऐसा लग रहा था जैसे वह डीएम ऑफिस नहीं बल्कि कोई धार्मिक स्थल है और यह सब पुलिस प्रशासन के सामने हो रहा था और पुलिस प्रशासन बेचारा यह सब देखकर भी लाचार दिखा। मुस्लिम लीग के लोग पीछे हटे लेकिन हिंदू संगठन के लोग उनसे झगड़ने के लिए आगे आ रहे थे देखते ही देखते माहौल ऐसा हो गया था कि शायद आज डीएम कार्यालय हिंदू और मुसलमान के जंग का अखाड़ा बनेगा और यह सब पुलिस प्रशासन के लचर व्यवहार की वजह से हुआ है, अगर प्रशासन ने इस और ध्यान नहीं दिया तो शायद अगली बार यह लोग डीएम की कुर्सी पर बैठकर भी शंख बजा देंगे और डीएम साहब भी बस देखते ही रहेंगे क्योंकि जब तक गलत कार्य करने वालों को रोका नहीं जाता तब तक लोगों की अकल ठिकाने नहीं आती। अब देखना है कि डीएम साहब इस मामले को हल्के में लेते हैं या फिर इसकी गंभीरता को समझते हुए ऐसी नजीर पेश करेंगे कि आगे से डीएम ऑफिस पर ऐसी हरकत करने की किसी की हिम्मत न हो।

सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ने हाई कोर्ट बैंच की रखी मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हाई कोर्ट बेंच की मांग रखी है इसी को लेकर उन्होंने राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा जिसमें उनका कहना था कि हाई कोर्ट बैंच प्रयागराज में है और लोगों को इंसाफ के लिए इतनी दूर जाना पड़ता है। लोगों को आने जाने में तो दिक्कत होती ही है साथ ही उनका पैसा भी अधिक मात्रा में लगता है। जिससे लोगों को परेशानी हो रही है अधिवक्ता कई वर्षों से इस मांग को लेकर प्रदर्शन करते चले आ रहे हैं कई बार मेरठ को बंद करके विरोध दर्ज कराया गया है अधिवक्ता ही नहीं जनता ने भी बंद का पूरा समर्थन किया और 17 दिसंबर को कामकाज बंद किया है। कई माह इसी मांग को लेकर कचहरी भी बंद की गई लेकिन सरकारों ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया। लेकिन अब जनता और अधिवक्ता आरपार की लड़ाई लड़ने को मजबूर हो गये है। उन्होंने जल्द से जल्द पश्चिमी यूपी में हाई कोर्ट बेंच की मांग की मांग की है।

एसआईआर के नाम पर गरीब पिछड़े अल्पसंख्यकों की वोट काटने का हो रहा है काम

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। समाजवादी पार्टी के नेता अभिषेक भाटी ने राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर देश में चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया में हो रही गंभीर गड़बड़ियों का आरोप लगाया है। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति को लेकर 2023 में बदले गए कानून पर काला विरोध दर्ज किया। उनका कहना था कि एसआईआर के नाम पर गरीब पिछड़े अल्पसंख्यक मजदूर और प्रवासी नागरिकों की वोट काटने का प्रयास किया जा रहा है। बिना घर-घर भौतिक सत्यापन के मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं। बीएलओ पर असहनीय दबाव डाला जा रहा है और इसी दबाव के कारण कई बीएलओ की मौत हो चुकी है जो यह दर्शाती है की बीएलओ पर सरकार का कितना दबाव है।

उन्होंने कहा कि एसआईआर फॉर्म में मामूली गलती होने पर मतदाता को एफआईआर और कानूनी कार्रवाई की धमकी दी जा रही है जिससे जनता में भय का माहौल व्याप्त है। सीधे-सीधे संविधान के अनुच्छेद 326 और लोकतांत्रिक मूल्यों पर हमला किया जा रहा है। कहा कि 2023 से पहले सर्वोच्च न्यायालय द्वारा सुझाई गई व्यवस्था में प्रधानमंत्री नेता प्रतिपक्ष और भारत के मुख्य न्यायाधीश शामिल थे जिससे संत. ुलन और निष्पक्षता बनी रहती थी लेकिन वर्तमान समय में 2023 का कानून लाकर मुख्य न्यायाधीश को बाहर कर दिया और नियुक्ति प्रक्रिया पर अपना नियंत्रण बना लिया। यह चुनाव आयोग की स्वतंत्रता को कमजोर करने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि अगर एसआईआर में हुई गड़बड़ियों को ठीक नहीं किया गया तो पार्टी जल्द ही इसके लिए जन आंदोलन करेगी।

मेला उर्स में शानदार हुआ मुशायरे का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

फलावदा। कुतुब शाह जमालुद्दीन साहब रहमतुल्ला अ. की याद में चल रहे मेला उर्स में एक शानदार ऑल इंडिया मुशायरा का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता उस्ताद शायर अनवर उल हक शादां ने की तथा संचालन मास्टर आशिक महल कवि और गुलजार जिगर देवबंदी ने किया। मुशायरे का उद्घाटन मेला सरपरस्तान नय्यर आलम कुरैशी पूर्व चेयरमैन, शफीकुद्दीन मिर्जा पूर्व चेयरमैन, सैयद मोहम्मद ईसा पूर्व चेयरमैन पुत्र, अब्दुस समद पूर्व चेयरमैन व कांग्रेस नेता सैयद रेहानुद्दीन, मेला सदर नवाबुद्दीन सैफी, नायब सदर नफीस राजा अंसारी, सरदार आलम कुरैशी, आस मोहम्मद मलिक ने मिलकर फीता काटकर व शमा रोशन कर किया। मुशायरा आरंभ होने से पहले मास्टर फैयाज अली नादिर की किताब गुल गश्त का विमोचन भी किया गया। यह एक गजल व कविताओं का शेअरी संग्रह है जिसमें फैयाज नादिर ने समाजी, सियासी और जिंदगी के सभी सुख और दुखों की तर्जुमानी की है।

मुशायरा नफीस देवबंदी की नाते पाक से आरंभ हुआ कविताओं के दौर में कवियों ने भी अपनी कविताओं से श्रोताओं का मन मोह लिया। कवियों द्वारा मुशायरा में पढ़ी गई पंक्तियां निम्नलिखित है। उम्र भर दोस्तों का नाम न लूं। गर करीने का इक उदू दे दे।। डाक्टर माजिद देवबंदी अजीम लोग थे टूटे तो इक वकार के साथ। किसी से कुछ ना कहा बस उदास रहने लगे।। इकबाल अशहर खानदानी आदमी धोखा नहीं देता कभी। दोस्ती करते हुए औकात भी देखा करो।। बिलाल सहारनपुरी हम भी रसम ए मोहब्बत निभा न सके।। यार तू भी तो बेवफा निकला।। अनवर अमा न अकबराबादी मैं तिरे सामने हूं तू मेरे। ये नजारा भी क्या नजारा है।। दानिश गजल तुम्हारे शहर में लाएगा फिर जुनूं हमको।। हमारे नाम के पत्थर संभाल कर रखना।। अनवार उल हक शादा रंजो व गम ने कर दिया पत्थर सिफत इंसान को।। कोई आमदा नहीं है मुस्कुराने के लिए।। मिर्जा हसीमुद्दीन हमदम उंगलियां उठने लगी उनकी तरफ भी अफसोस।। जिनकी तहजीब के कायल थे जमाने वाले।। फैयाज अली नादिर क्या इसी सूरत करोगे अमन कायम दोस्तो।। अमन की बातें हैं लब पर और खंजर हाथ में।। खलील अहमद खलील हमारे दौर का बेबाक सूरज।। समंदर को सुखाना चाहता है।। हाफिज महफूज उर रहमान माहिर दोस्तों ओस के कतरों को गनीमत जानो।। तसना कामी को समंदर नहीं आने वाला।। अब्दुस समद साहिर जब से बेटे की आई है छम्मो, बाप से बस जुबान बोलता है। मां से बोले है तू तड़ाक के साथ।। सास को अम्मा जान बोलता है।। निसार अहकर फरीदी मुशायरा में अबूजर नवेद, अमजद आतिश, आशिक महलकवि, नफीस देवबंदी, नईम अख्तर देवबंदी, डाक्टर सलीम, चांद रिजवी, जफर अब्बास, अल्तमश इरफान, मुरसलीन माहिर, जहाज देवबंदी आदि ने भी अपनी कविताओं से श्रोताओं का मन मोह कर खूब वाह वाही बटोरी। इस मौके पर सैयद रझाऊद्दीन, जमील उस्मानी माउस रिजवी, डाक्टर अरशद कुरैशी, शहजाद कुरैशी, अनवर मंसूरी, फिरोज आलम, सरदार आलम कुरेशी, नायाब मिर्जा इरफान कुरैशी इमला कुरैशी, जावेद आलम कुरैशी, शाहजमा मिर्जा, आशु मेंबर इमरान सैफी कांग्रेस नगर अध्यक्ष, सुहैल अहमद, शराफत अली, मोहसिन अल्वी, तहसील अल्वी, मोबिन मंस. ूरी, मास्टर सिराज, जमील उस्मानी, हाफिज करीमुद्दीन सैफी, आसिफ सैफी मोइनुद्दीन सैफी, सैयद इनाम मुस्तफा कामिल कुरैशी आदि लोग आखिर तक मौजूद रहे। मुशायरा रात्रि 9 बजे शुरू होकर देर रात 3 बजे समाप्त हुआ। अंत में मुशायरा सदर अनवार उल हक शादा ने सभी शायर और श्रोताओं का धन्यवाद किया।

मोहल्ला कुरैशियान से निकाला पंखा जुलूस

शाह टाइम्स संवाददाता

फलावदा। कुतुब शाह जमालुद्दीन की याद में चल रहे मेला उर्स शबाब पर है। शनिवार को पंखा मोहल्ला कुरैशियान से निकाला गया पंखे का उद्घाटन पूर्व चेयरमैन सैयद मोहम्मद ईसा व थाना प्रभारी निरीक्षक ब्रह्म कुमार ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।

पंखा जुलूस मोहल्ला कुरैशियान से शुरू होकर पुराना बाजार पेठ बाजार होते हुए कुतुब शाह जमालुद्दीन के मजार पर जाकर संपन्न हुआ। पंखा जुलूस में कई बैंड बाजो के साथ तथा अखाड़ों में लोगों ने अपने करतब दिखाए। पंखा जुलूस के आयोजक माजू कुरैशी ने बताया कि लगभग 579 साल से मेला उर्स चालू हुआ है तभी से मोहल्ला कुरैशियान व कस्बे के कई मोहल्लों से कुतुब शाह जमालुद्दीन की शान में पंखा जुलूस लेकर उनके मजार पर जायरीन जाते हैं। जुलूस में पुलिस का बंदोबस्त काफी सराहनीय रहा। मुख्य रूप से मेला सदर नवाब सैफी उबैदुलगनी, नफीस राजा, नईम अनवर, शहजाद कुरैशी, इमलाक कुरैशी, कादिर मेम्बर, अल्लू कुरैशी, अबरार अब्बासी सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

वी ने नीयो जीरो फॉरेक्स मार्कअप कार्ड के साथ की साझेदारी

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। जाने-माने दूरसंचार सेवा प्रदाता वी ने छुट्टियों के इस सीजन विदेश यात्रा करने वाले वी के उपभोक्ताओं को जीरो मॉर्कअप फॉरेक्स कार्ड डिलीवरी उपलब्ध कराने के लिए ट्रैवल बैंकिंग फिनटेक नीयो के साथ साझेदारी की है। यह एक दूरसंचार कंपनी द्वारा की गई अपनी तरह की पहली साझेदारी हैं। जिसके तहत छुट्टी, काम या शिक्षा के लिए विदेश जाने वाली वी के उपभोक्ताओं को 24 घंटे के भीतर नीयो जीरो फॉरेक्स मार्कअप कार्ड की होम डिलीवरी मिल सकेगी। नीयो के साथ साझेदारी में वी ने यात्रा प्रणाली में अतिरिक्त फाइनैंशियल सुविधा शामिल की है। वी के उपभोक्ता वी ऐप पर जीरो मार्कअप नीयो फॉरेक्स कार्ड के लिए अनुरोध कर सकते हैं। जिसके बाद नीयो के अधिकारी वी के यूजर को केवायसी वैरिफिकेशन, कार्ड सेटअप और ट्रायल ट्रांजैक्शन में मदद करेंगे। उपभोक्ता अपना नाम और पिन कोड देकर देख सकेंगे कि नीयो एक्सप्रेस उनकी लोकेशन पर सर्विस देता है या नहीं।

गणित क्विज ने बढ़ाई विद्यार्थियों की तार्किक क्षमता

शाह टाइम्स संवाददाता

बहसूमा। डी मोनफोर अकादमी में कक्षा 9 से 12 तक अंतर-कक्षा गणित क्विज प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। इस शैक्षिक कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में गणित विषय के प्रति रुचि एवं बौद्धिक विकास को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को प्रोजेक्टर की सहायता से महान भारतीय गणितज्ञ श्री निवास रामानु. जन की प्रेरणादायक जीवनी दिखाई गई। उनके संघर्षपूर्ण जीवन और गणित के क्षेत्र में दिये गये। अतुलनीय योगदान की जानकारी पाकर विद्यार्थी अत्यंत प्रेरित हुऐ। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. समीर वर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि श्रीनिवास रामानुजन का जीवन यह सिखाता है कि कठिन परिस्थितियों में भी परिश्रम समर्पण और आत्मविश्वास के बल पर महान उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर प्रयास करते रहने की प्रेरणा दी। विद्यालय उप-प्रधानाचार्या रितु चिक. ारा ने कहा कि गणित को केवल अंक और सूत्रों का विषय नहीं है। बल्कि यह तार्किक सोच और समस्या समाधान की क्षमता को विकसित करता है। उन्होंने इस प्रकार की प्रतियोगिताओं को विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत उपयोगी बताया। कार्यक्रम में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता रही। विद्यालय प्रबंधन द्वारा इस आयोजन को सफल बनाने वाले सभी शिक्षकों और छात्रों की सराहना की।

डीजेटी माइक्रोफाइनेंस ने पोर्टफोलियो का विस्तार के लिए 130 करोड़ रुपये की फंडिंग

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। भारत के तेजी से बढ़ते माइक्रोफाइनंस संस्थानों में से एक और वित्तीय समावेशन को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध डीजेटी माइक्रोफाइनेंस ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और अग्रणी गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों एनबीएफसी से 130 करोड़ रुपये की फंडिंग हासिल की है। इस रणनीतिक फंडिंग से कंपनी की विस्तार योजनाओं में मदद मिलेगी और वह बैंकिंग सेवाओं से वंचित क्षेत्रों और उन समुदायों को किफायती ऋण उपलब्ध कराने की अपनी क्षमता बढ़ाएगी जिनके बीच बैंकिंग सेवाएं बहुत कम उपलब्ध हैं। डीजेटी माइक्रोफाइनेंस के सीओओ अविनाश कुमार ने कहा, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और अग्रणी एनबीएफसी की ओर से हमारी कंपनी में नई ऊर्जा के साथ भरोसा जताना, वंचित समुदायों को सेवाएं देने की हमारी प्रतिबद्धता और हमारी मजबूत बुनियाद को परिलक्षित करता है। इस फंडिंग से जमीनी स्तर पर हमारी क्षमता उल्लेखनीय रूप से बढ़ेगी जिससे हम अधिक से अधिक ग्राहकों तक पहुंच सकेंगे।

साधन समिति बी पैक्स के नये कार्यालय का उद्घाटन

शाह टाइम्स संवाददाता

परीक्षितगढ़। नगर की साधन समिति बी पैक्स के नये कार्यालय का उद्घाटन समिति के सभापति विक्की त्यागी ने फीता काटकर किया। नगर में नगर पंचायत कार्यालय के सामने नये साधन सहकारी समिति बी पैक्स का उद्घाटन सभापति विक्की त्यागी ने फीता काटकर करते हुए कहा कि समिति में किसानो की समस्याओ को वरीयता के आधार पर निदान किया जायेगा तथा खाद व बीज की समस्या पैदा नही होने दी जायेगी। वहीं समिति की वार्षिक सामान्य बैठक का भी आयोजन किया गया। जिसमें अधिकतर किसानो ने समिति द्वारा 7 प्रतिशत ब्याज लेने का विरोध करते हुए कहा कि पहले समिति मात्र तीन प्रतिशत ही ब्याज लेती थी मगर इस बार सात प्रतिशत ब्याज लिया जा रहा है, बताया कि चार प्रतिशत वापस खाते में आ जायेगा जो अभी तक नही आया है। सभापति विक्की त्यागी ने कहा कि सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव एआर को भेजा जा रहा है जिससे ब्याज वापस की प्रकिया लागू हो सके तथा समिति का लाभांश भी किसानो को वितरित किया जाये वहीं दो स्थायी कर्मचारी भी समिति पर तैनात करने की मांग की गई है। समिति के एमडी दिनेश मलिक ने किसानो का आभार व्यक्त करते हुए समिति के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सहकारी बैंक के प्रबंधक आलोक बर्मन रहे व संचालन भाजपा नेता रामगोपाल त्यागी ने किया। इस मौके पर छिददा त्यागी, प्रदीप त्यागी, अनिरुद्ध त्यागी, लीलू त्यागी, गगन त्यागी, नीटू त्यागी, लीलू त्यागी, मोहित, अंकुर त्यागी, प्रशांत त्यागी सहित अनेक किसान व गणमान्य लोग मौजूद रहे।

ब्लेंडर्स प्राइड फैशन टूर फैशन की नई क्रांति

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। ब्लेंडर्स प्राइड फैशन टूर ने इस साल के संस्करण का समापन एक ऐसी नई और क्रांतिकारी फैशन कहानी के साथ किया, जिसने पारंपरिक फैशन शिल्प की सीमाओं को तोड़ दिया। प्रतिष्ठित हावड़ा ब्रिज की भव्य पृष्ठभूमि में, और शहर की ऐतिहासिक हुगली नदी को एक शानदार रनवे में बदलते हुए, फिनाले एडिशन में डिजाइनर अनामिका खन्ना एके। ओके का प्रयोगधर्मी कलेक्शन प्रस्तुत किया गया। शोस्टॉपर के रूप में करिश्माई ईशान खट्टर की मौजूदगी ने इस प्रस्तुति को और खास बना दिया, जिसने परंपरा से आगे बढ़ते हुए फैशन को नए युग में प्रवेश कराया। पर्नोड रिकार्ड इंडिया की सीएमओ देबश्री दासगुप्ता ने कहा ब्लेंडर्स प्राइड फैशन टूर हमेशा से फैशन और सांस्कृतिक संवाद को नई दिशा देने में अग्रणी रहा है। इस संस्करण के अंतिम अध्याय के रूप में कोलकाता ने वही सार पेश किया, जो फैशन को सचमुच परिवर्तनकारी बनाता है। फ्यूचर इज क्राफ्टेड सिर्फ एक शोकेस नहीं था, बल्कि यह इस बात का सशक्त बयान था कि विरासत और नवाचार कैसे मिलकर कुछ असाधारण रचते हैं।

सलावा खेल विश्वविद्यालय प्रकरण

पुलिस ने दोनों पक्ष की तरफ से किया सात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

सरधना। थाना क्षेत्र में गांव सलावा स्थित निर्माणाधीन खेल विश्वविद्यालय परिसर में रविवार को हुए हिंसक झगड़े के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों पक्षों के कुल सात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। सामान उठाने को लेकर शुरू हुआ यह विवाद कुछ ही देर में गंभीर संघर्ष में बदल गया था, जिसमें लाठी-डंडे और लोहे के सरिए चले थे। इस घटना में आठ लोग घायल हुए थे, जिनमें तीन की हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया था। गौरतलब है कि रविवार सुबह विश्वविद्यालय परिसर में कार्य के दौरान दो पक्षों के बीच कहासुनी हो गई थी। देखते-ही-देखते दोनों ओर से अन्य कर्मचारी और मजदूर भी एकत्र हो गए और मामला हिंसक झड़प में तब्दील हो गया। झगड़े के दौरान जमकर मारपीट हुई, जिससे परिसर में अफरा-तफरी मच गई और निर्माण कार्य ठप हो गया था। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित कर घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया था। प्राथमिक उपचार के बाद तीन घायलों को जिला अस्पताल भेजा गया, जबकि अन्य का उपचार सीएचसी में कराया गया। इस प्रकरण में पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया है। नासिर पुत्र अलीहसन की तहरीर पर पुलिस ने मोंटी, उसके भाई सुंदर पुत्र किरणपाल सहित दो अन्य के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। वहीं दूसरी ओर विरेन्द्र पुत्र श्रीपाल की तहरीर पर रितेश शर्मा, नफीस, गुलबहार और जुलफिकार के खिलाफ मुकदमा कायम किया गया है।

पेपर मिल की चिमनियों से उगलता काला धुआं, प्रदूषण विभाग की चुप्पी पर सवाल

ग्रामीणों के स्वास्थ्य व फसलों पर मंडरा रहा खतरा, कार्रवाई न होने से आक्रोश

शाह टाइम्स संवाददाता

सरधना। एक ओर जहां दिल्ली-एनसीआर सहित पश्चिमी उत्तर प्रदेश में वायु प्रदूषण को लेकर सरकार और प्रशासन गंभीरता दिखाने के दावे कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सरधना क्षेत्र में प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों पर कार्रवाई के नाम पर प्रदूषण नियंत्रण विभाग पूरी तरह मौन दिखाई दे रहा है। सरधना के मेरठ रोड स्थित गांव मढियाई के सामने संचा. लित पेपर मिल की चिमनियों से लगातार निकल रहा घना काला धुआं क्षेत्रवासियों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बना हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पेपर मिल से निकलने वाला धुआं सुबह से देर रात तक वातावरण में फैलता रहता है, जिससे हवा जहरीली होती जा रही है। धुएं के कारण गांव और आसपास के इलाकों

में आंखों में जलन, सिर दर्द, सांस लेने में तकलीफ, खांसी और एलर्जी जैसी बीमारियां आम होती जा रही हैं। ग्रामीणों के अनुसार, बच्चों और बुजुर्गों पर इसका असर सबसे ज्यादा पड़ रहा है, जिससे लोगों में दहशत का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि मिल प्रबंधन केवल हवा ही नहीं, बल्कि पानी को भी प्रदूषित कर रहा है। पेपर मिल से निकलने वाला रासायनिक युक्त गंदा पानी सीधे नालों में छोड़ा जा रहा है, जो आगे चलकर खेतों और जलस्रोतों में मिल जाता है। किसानों का कहना है कि इस प्रदूषित पानी के कारण फसलों की पैदावार घट रही है, कई जगह फसलें सूख रही हैं और जमीन की उर्वरता पर भी बुरा असर पड़ रहा है। इससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, इस गंभीर समस्या को लेकर वह कई बार प्रदूषण नियंत्रण विभाग, तहसील प्रशासन और अन्य संबंधित अधिकारियों से लिखित व मौखिक शिकायतें कर चुके हैं। इसके बावजूद आज तक न तो मिल की प्रभावी जांच की गई और न ही किसी तरह की ठोस कार्रवाई सामने आई। इससे ग्रामीणों में यह चर्चा तेज हो गई है कि कहीं न कहीं विभागीय मिलीभगत के चलते मिल प्रबंधन खुलेआम नियमों की अनदेखी कर रहा है। ग्रामीणों का यह भी कहना है कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के नियमों के अनुसार मिलों में उचित फिल्टर और प्रदूषण नियंत्रण उपकरण लगाए जाने अनिवार्य हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इससे अलग दिखाई दे रही है। यदि समय रहते इस पर रोक नहीं लगाई गई, तो आने वाले समय में क्षेत्र में गंभीर स्वास्थ्य संकट पैदा हो सकता है। ग्रामीणों और किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि पेपर मिल की तत्काल उच्चस्तरीय जांच कराई जाए, चिमनियों से निकलने वाले धुएं और अपशिष्ट जल की वैज्ञानिक जांच कराई जाए। यदि मिल प्रदूषण मानकों पर खरी नहीं उतरती है तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करते हुए मिल को सील किया जाए। साथ ही प्रभावित लोगों के स्वास्थ्य परीक्षण कैंप लगाए जाएं और किसानों को हुए नुकसान का उचित मुआवजा दिया जाए। इस संबंध जिला प्रदूषण अधिकारी राजेन्द्र कुमार ने कहा कि मामले की जानक. ारी करके कार्यवाही की जायेगी।

मुंहपका-खुरपका वैक्सीनेशन पर बड़ा सवाल, भाकियू अराजनैतिक ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

- कागजों में पूरा, जमीनी हकीकत में फेल
- गांव-गांव फैल रही बीमारी से किसान परेशान

शाह टाइम्स संवाददाता

सरधना। क्षेत्र में पशुओं में तेजी से फैल रही मुंहपका-खुरपका (एफएमडी) बीमारी को लेकर किसानों में भारी रोष देखने को मिल रहा है। इसी को लेकर सोमवार को भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के बैनर तले किसानों ने उप जिलाधिकारी सरधना के माध्यम से जिलाधिकारी मेरठ को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन जिला संगठन मंत्री मेरठ अमित चौधरी छबड़िया के नेतृत्व में दिया गया।

सोमवार को तहसील पहुंचे किसानों ने ज्ञापन एसडीएम उदित नारायण सेंगर को सौंपते हुए ज्ञापन के माध्यम से पशुपालन विभाग द्वारा कराए गए वैक्सीनेशन अभियान की सच्चाई पर गंभीर सवाल खड़े किए। किसानों का कहना है कि सरकारी

सरधना एसडीएम को ज्ञापन सौंपते किसान यूनियन के पदाधिकारी।

अभिलेखों में जहां शत-प्रतिशत वैक्सीनेशन दर्शाया गया है, वहीं जमीनी स्तर पर स्थिति इसके बिल्कुल उलट है। कई गांवों में आज भी पशु मुंहपका-खुरपका से पीड़ित हैं, जिससे साफ होता है कि टीकाकरण या तो हुआ ही नहीं या केवल कागजों में दिखाया गया। किसानों ने बताया कि बीमारी की चपेट में आकर दुधारू पशु दर्द से तड़प रहे हैं, उनके मुंह व खुरों में घाव हो गए हैं, जिससे न तो वे ठीक से चल पा रहे हैं और न ही चारा खा पा रहे हैं। इसका सीधा असर दूध उत्पादन पर पड़ा है, जिससे छोटे और मध्यम किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। इस मौके पर संगठन के कई पदाधिकारी व किसान मौजूद रहे, जिनमें श्रीपाल , जानी त्यागी, डॉ. इदरीश, राजेंद्र कुमार, राजन, जगमाल पाल, आशीष त्यागी, मोंटी त्यागी, ज्ञानेंद्र, अंबुज त्यागी, विनीत त्यागी सहित बड़ी संख्या में किसान शामिल रहे।

ग्रामीण अंचलीय पत्रकार एसोसिएशन की मेहनत लाई रंग, प्रेस क्लब का होगा जिर्णोद्धार

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। ग्रामीण अंचलीय पत्रकार एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष संजीव तोमर वर्षों से अकेले ही मेरठ प्रेस क्लब की जिर्णोद्धार की आवाज उठाते चले आ रहे थे फिर ग्रामीण अंचलीय पत्रकार एसोसिएशन से जुड़ने के बाद संजीव तोमर की लड़ाई को ग्रामीण अंचलीय पत्रकार एसोसिएशन का साथ मिला। ग्रामीण अंचलीय पत्रकार एसोसिएशन प्रेस क्लब की लड़ाई लड़ने वालों के साथ भी निरंतर खड़ा रहा और स्वयं भी इस चिंगारी को बुझाने नहीं दिया। पिछले दिनों संगठन का प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी मेरठ से भी मिला था और प्रेस क्लब के जिर्णोद्धार की बात पुरजोर पटल पर रखी थी। संगठन ने इस चिंगारी को कभी भी बुझने नहीं दिया। इसका परिणाम यह निकला कि लंबी लड़ाई के बाद सोमवार का दिन ग्रामीण अंचलीय पत्रकार एसोसिएशन के लिए खुशियां लेकर आया। जब शासन के द्वारा मेरठ क्लब की जर्जर इमारत के जिर्णोद्धार के एस्टीमेट तैयार करने की बात आई और इसी बात ने पत्रकार संगठन में जान डाल दी है। सभी लोग ग्रामीण अंचलीय पत्रकार एसोसिएशन के कार्य की सराहना कर रहे हैं।

आशा कार्यकर्ता से छेड़छाड़ का आरोप, थाना सरधना में शिकायत

शाह टाइम्स संवाददाता

सरधना। थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली आशा कार्यकर्ता ने दो युवकों पर पीछा करने, अश्लील टिप्पणियां करने, जबरदस्ती पकड़ने का प्रयास करने और जान से मारने की धमकी देने के गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़िता ने थाना सरधना में तहरीर देकर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पीड़िता के अनुसार, 18 दिसंबर को दो युवक उसे लगातार परेशान कर रहे थे। आरोप है कि दोनों उसका पीछा करते हुए अभद्र भाषा का प्रयोग कर रहे थे और अश्लील कमेंट कर रहे थे। विरोध करने पर आरोपियों ने धमकी भी दी, जिससे पीड़िता भयभीत है। पीड़िता का कहना है कि आरोपियों की दबंगई के कारण उसका घर से बाहर निकलकर काम करना मुश्किल हो गया है। उसने बताया कि इससे पहले भी वह इस मामले में शिकायत कर चुकी है, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। पीड़िता ने पुलिस से अपनी जान-माल व इज्जत की सुरक्षा की मांग की है। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

आईजीआरएस शिकायत निस्तारण में करें सुधार: डॉ. वी.के. सिंह

जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री डैशबोर्ड जिला अनुश्रवण पुस्तिका, निर्माण कार्यो की प्रगति तथा आईजीआरएस समीक्षा हेतु की बैठक

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। सोमवार को विकास भवन सभागार में जिलाधिकारी डॉ. वी.के. सिंह की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड जिला अनुश्रवण पुस्तिका तथा निर्माण कार्यों की प्रगति तथा आईजीआरएस की समीक्षा हेतु बैठक आहूत की गई। बैठक में विकास कार्यों की समीक्षा करते हुये जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि समस्त कार्यदायी संस्था निर्माण कार्यों में प्रगति लाये तथा लक्ष्य के अनुरूप कार्यों को पूरा करें। निर्माण कार्यों के लिए नामित किये गये नोडल/जांच अधिकारी द्वारा प्रस्तुत की गई रिपोर्ट में जो भी कमियां है उनको तत्काल ठीक कराया जाये। उन्होंने कहा कि जो कार्य पूर्ण हो गये है उनको संबंधित विभाग को हैण्डओवर किया जाये। समस्त विभागीय अधिकारी एवं कार्यदायी संस्था यह सुनिश्चित करें कि जो भी श्रमिक कार्य कर रहे है उनका पंजीकरण श्रम विभाग में अवश्य हो। इस संबंध में श्रम विभाग को निर्देशित किया गया कि गूगल शीट पर समस्त विभाग कार्यदायी

संस्थाओ से श्रमिको का डाटा प्राप्त कर पंजीकरण कराना सुनिश्चित करें जिससे कि श्रमिको के कल्याणार्थ चलाई जा रही सरकार की योजनाओ का लाभ उनको प्राप्त हो सके। कोहरे के दृष्टिगत सड़क दुर्घटना रोकथाम हेतु लोक निर्माण विभाग एवं संबंधित समस्त विभागो को सख्त निर्देश देते हुये कहा गया कि अपने-अपने विभाग की सडक मार्ग पर रिफ्लेक्टर, साईड मार्किंग, साईनेज, डिवाईडर नोज ठीक करने, मरम्मत आदि कार्य युद्ध स्तर पर किये जाये।

सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा करते हुये निर्देशित योजनाओं में लक्ष्य को पूर्ण करने के निर्देश दिये गये। उन्होंने खराब प्रदर्शन करने वाले विभागो को चेतावनी देते हुये कहा कि अपनी कार्यप्रणाली में सुधार लाये और विभिन्न विभागीय योजनाओ में लक्ष्य को पूर्ण करें जिससे जनपद की रैंक खराब न हो। आगे अगर सुधार नहीं किया गया तो अनुशासनात्मक कार्यवाही हेतु शासन को लिखा जायेगा। आईजीआरएस शिकायतो में असंतुष्टि फीडबैक की रिपोर्ट का अवलोकन करते हुये खराब प्रदर्शन करने वाले विभागों को चेतावनी दी गई। उन्होंने कहा कि इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। यह मुख्यमंत्री की प्राथमिकताओं में से एक है इसको गंभीरता से लिया जाये। समस्त अधिकारी ये सुनिश्चित करें कि शिकायतकर्ता से वार्ता, स्थलीय निरीक्षण, फीडबैक प्राप्त करते हुये गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। उन्होने कहा कि सीएम डैशबोर्ड हो या आईजीआरएस जिस विभाग के खराब प्रदर्शन के कारण जनपद की रैंक खराब होती है तो उसके विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जायेगी तथा लापरवाही अधिकारी के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी। इस अवसर पर सीएमओ डा. अशोक कटारिया, जिला विकास अधिकारी श्वेतांक सिंह, पीडीडीआरडीए सुनील कुमार सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश कुमार, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी अतुल सक्सैना, जिला सूचना अधिक. ारी सुमित कुमार, डीपीआरओ वीरेन्द्र सिंह, अधिशासी अभियंता प्रांतीय खंड, लो.नि.वि. सतेन्द्र सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी सुनील कुमार सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी व कार्यदायीं संस्था के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

नाली का कूड़ा सड़क पर डाले जाने से हालात बदतर, बदबू से लोग त्रस्त

शाह टाइम्स संवाददाता

सरधना। सरधना नगर क्षेत्र में सफाई व्यवस्था की गंभीर अनदेखी सामने आ रही है। सरदार नगर की नालियों से निकाला गया कूड़ा निस्तारण के लिए तय स्थान पर ले जाने के बजाय सड़ना मार्ग स्थित मेरठ रोड पर ही डाल दिया जा रहा है। नालों के गंदे पानी में मिला यह कूड़ा सड़क पर पड़े-पड़े सड़ रहा है, जिससे पूरे इलाके में असहनीय दुर्गंध फैल गई है। हालात ऐसे हो गए हैं कि राहगीरों के साथ-साथ दुकानदारों का भी यहां बैठना दूभर हो गया है।

मेरठ रोड सरधना नगर का प्रमुख मार्ग होने के कारण यहां दिनभर वाहनों की आवाजाही बनी रहती है। सड़क पर कूड़ा और कीचड़ जमा होने से पैदल चलने वालों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर फिसलन बढ़ गई है, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। वहीं गंदगी

के कारण सड़क की सूरत भी बिगड़ गई है। स्थानीय दुकानदार फिरोज उर्फ सोनू, चाँद खान, मोहसीन खान, अफजल खान, साजिद समेत अन्य व्यापारियों ने बताया कि नालियों से निकाला गया कूड़ा उनकी दुकानों के सामने ही डाल दिया जाता है। बदबू इतनी तेज होती है कि दुकानों पर ग्राहक रुकने से कतराने लगे हैं। दुकानदारों का कहना है कि गंदगी और दुर्गंध के चलते उनका कारोबार भी प्रभावित हो रहा है।

क्षेत्रीय लोगों ने बताया कि सड़क पर पड़े कूड़े और गंदे पानी के कारण मच्छर-मक्खियों का प्रकोप बढ़ गया है। इससे डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों का खतरा बना हुआ है। बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे अधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों और दुक. ानदारों ने नगर पालिका प्रशासन से मांग की है कि नालियों की सफाई के दौरान निकले कूड़े को सड़क पर डालने के बजाय तुरंत डंपिंग ग्राउंड तक पहुंचाया जाए। साथ ही मेरठ रोड पर फैली गंदगी को तत्काल हटाकर नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। लोगों का कहना है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे संबंधित उच्च अधिकारियों से शिकायत करने को मजबूर होंगे।

संस्कृति विवि में आयोजित हुई दो दिवसीय 'मिक्स-कॉन 2025'

मथुरा। संस्कृति विवि के संतोष मैमोरियल आडिटोरियम में संस्कृति आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल द्वारा कुलाधिपति डॉ. सचिन गुप्ता और सीईओ डॉ. मीनाक्षी शर्मा के मार्गदर्शन में ''एनो-रेक्टल बीमा. रियों के लिए मिनिमल इनवेसिव टेकनीक'' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार 'मिक्स-कॉन 2025' का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया । राष्ट्रीय संगोष्ठी में विद्वानों ने आयुर्वेद के विद्यार्थियों के क्लीनिकल ज्ञान की वृद्धि और प्रैक्टिशनर्स को आयुर्वेद में नई थेराप्यूटिक, पैरा सर्जिकल तकनिकियों से अवगत कराया। उद्घाटन सत्र की शुरुआत सरस्वती वंदना और धन्वंतरि वंदना और गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर हुई। मुख्य अतिथि डॉ. एम बी चेट्टी ने समक. ालीन समाज में आयुर्वेदिक डॉक्टरों के कर्तव्यों, जिम्मेदारियों व नैतिक भूमिका को बताया।

कर वूसली, राजस्व प्राप्ति एवं वाद निस्तारण में लाई जाए प्रगतिः आयुक्त

आयुक्त सभागार में मंडलीय समीक्षा बैठक का हुआ आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। सोमवार को आयुक्त सभागार में आयुक्त मेरठ मंडल मेरठ भानु चन्द्र गोस्वामी की अध्यक्षता में कर-करेत्तर, आईजीआरएस, राजस्व वाद, मुख्यमंत्री डैशबोर्ड के माध्यम से विभिन्न विभागों की योजनाओ/ परियोजनाओं की मंडलीय समीक्षा, सीएमआईएस के माध्यम से एक करोड़ से अधिक लागत की परियोजनाओं एवं अन्य विकास कार्यों से संबंधित प्रमुख बिन्दुओं की समीक्षा बैठक आहूत की गई। बैठक में विकास कार्यों की बिन्दुवार समीक्षा करते हुये आयुक्त द्वारा निर्देशित किया गया कि कर-करेत्तर में प्रगति लाते हुये कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। कैटेगरी निर्धारित कर राजस्व वाद निस्तारण में प्रगति लाई जाये। बेवजह एक वर्ष, तीन वर्ष पुराने वाद लॉबित न रहे नियमित समीक्षा कर कार्यवाही की जाये। आर.सी. वसूली में जनपद स्तर पर समीक्षा कर वसूली में बढ़ोत्तरी की जाये। ऐसे वाहन जिनका अधि. कतम 50 बार चालान हो चुका है उनका रजिस्ट्रेशन कैंसिल करने की कार्यवाही की जाये।

आईजीआरएस की समीक्षा करते हुये निर्देशित किया गया कि यह मुख्यमंत्री की प्राथमिकताओं में से एक है। समस्त अधिकारी आईजीआरएस शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण सुनिश्चित करें। जनपद स्तर पर समस्त विभागीय अधिकारी कार्यालय समय से बैठ रहे है यह सुनिश्चित किया जाये। कूड़ा प्रबंधन और आरटीई के तहत दाखिले के संबंध में प्रस्तुत की गई प्रजेंटेशन पर चर्चा करते हुये निर्देशित किया गया कि जनपद स्तर पर समस्त मुख्य विकास अधिकारी सडक मार्गो के किनारे गिरने वाले कूडे के हॉट स्पॉट का चिन्हिकरण करें तथा उनके निस्तारण हेतु प्लान तैयार कर कार्यवाही करें और ऐसी व्यवस्था बनाये जिससे कि कूडे का निस्तारण ठीक प्रकार से हो सके, ऐसे स्थानो का भी चिन्हांकन किया जाये जहां से अधिक मात्रा में कूडा निकल रहा है उनको कूडा निस्तारण से लिंक करते हुये फूलप्रूफ कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। ग्राम पंचायतो में भी कूडा प्रबंधन पर फोकस करते हुये कार्यवाही सुनिश्चित की

जाये। आरटीई योजना के अंतर्गत स्कूलों में मानक के अनुरूप गरीब बच्चों के दाखिला हेतु सक्रियता से कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। सभी स्कूलो की पोर्टल पर मैपिंग कर ली जाये तथा इस पर आवेदन हेतु अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाये जिससे गरीब बच्चो का दाखिला निकट के स्कूलो में हो सके। उन्होंने कहा कि आरटीई के अंतर्गत स्कूलो में नामांकन, साफ-सफाई, कूड़ा प्रबंधन मुख्य प्राथमिकताओ में है इस पर सभी जनपद सक्रिय होकर कार्यवाही करें। श्रमिक पंजीकरण की समीक्षा करते हुये निर्देशित किया गया कि जनपद के सभी विभागो में बड़ी संख्या में श्रमिक मजदूर विभिन्न परियोजनाओ में कार्यरत है।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजडू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 77/3 गर्ग कॉम्प्लेक्स ई.के. रोड निकट एन.ए.एस. कालिज, मेरठ (उप्र) से प्रकाशित।

सम्पादकः
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
☎0121-4005303, 4007303
मुख्यालयः
मोबाइल-9720007290
UPHIN/2007/20661
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

प्रबंध निदेशक ने की बिजली बिल राहत योजना के प्रचार-प्रसार की समीक्षा

स्कूलों में बच्चों को दी गई योजना की जानकारी, योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

मेरठ। एलएमवी घरेलू अधिकतम 2 कि. वा., एलएमवी 2 वाणिज्यिक 1 कि.वा. श्रेणी एवं भार के नेवर पेड व लॉन्ग अनपेड विद्युत उपभोक्ताओं के लिए 'बिजली बिल राहत योजना 2025-26' 01 दिसम्बर 2025 से लागू की गई है योजना के माध्यम से उपभोक्ताओं को बिजली बिल सें संबंधित बिजली बिल मे छूट प्रदान की जा रही है। योजना के अन्तर्गत अब 169205 बकायेदार बिजली उपभोक्ताओं के पंजीकरण के सापेक्ष 165.94 करोड़ रुपये के बिजली बिल की धनराशि उपभोक्ताओं द्वारा जमा की जा चुकी है तथा 132.29 करोड़ रुपये की छूट का लाभ विभाग द्वारा उपभोक्ताओं को प्रदान किया जा चुका है।

प्रबंध निदेशक रवीश गुप्ता (आईएएस) द्वारा बिजली बिल राहत योजना के कैम्पों का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार करने तथा योजना का लाभ अधिक से अधिक उपभोक्ताओं तक पहुंचाने हेतु आवश्यक

दिशा-निर्देश दिए है उन्होंने कहा कि 'बिजली बिल राहत योजना 2025-26' पात्र उपभोक्ताओं के लिए महत्वपूर्ण योजना है जिसका अधिकतम लाभ, उपभोक्ताओं को दिलाया जाना आवश्यक है। प्रबंध निदेशक द्वारा कैम्पों में पंजीकरण से संबंधित समस्याओं का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं ताकि उपभोक्ताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। प्रबंध निदेशक ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि समस्त इलेजिबिल कन्ज्यूमर को योजना के अन्तर्गत पंजीकरण कराकर, बिल जमा कराने हेतु प्रोत्साहित किया जाए साथ ही उपखण्ड अधिकारी, अवर अभियन्ता एवं समस्त अधिनस्त कार्मिकों को शत-प्रतिशत पंजीकरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु डुग्गी-मुनादी, घर-घर संपर्क, सार्वजनिक स्थलों पर पोस्टर चस्पा करने तथा मंदिर-मस्जिद से घोषणा कराये जाने के निर्देश भी दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त विद्युत विभाग द्वारा विभिन्न विद्यालयों में जाकर, स्कूली बच्चों को बिजली बिल राहत योजना की जानकारी दी जा रही है जिससे की वे अपने अभिभावकों को भी योजना के लाभों से अवगत करा सकें। योजना को लेकर, उपभोक्ताओं में विशेष उत्साह देखा गया उपभोक्ताओं द्वारा बिजली बिल राहत योजना की सराहना की जा रही है। उपभोक्ताओं ने बताया कि योजना में बिजली बिल के मूलधन मे पहली बार 25 प्रतिशत तक की भारी छूट से उन्हें बिजली बिल जमा करने मे बडी राहत मिली है। पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लि. द्वारा समस्त पात्र उपभोक्ताओं से अपील की जाती हैं कि उपभोक्ता इस योजना का अधिकतम लाभ उठाने के लिए, समय-सीमा के भीतर पंजीकरण करायें और निर्धारित अवधि में भुगतान सुनिश्चित करें।

अदालती सूचना
न्यायालय एफ.टी.सी. कोर्ट संख्या-1
मुजफ्फरनगर

श्रीमति नौहा हसन पत्नी युसुफ हुसैन उर्फ जावेद आलम पुत्री हसन काजिम हाल निवासी वहलना, थाना, खालापार जिला मुजफ्फरनगर।
बनाम .....प्रार्थिया वादिया। 1. युसुफ हसैन उर्फ जावेद आलम पुत्र बाबू (पति) हाल निवासी मकान नं. 283 मौ. मन्जूरनगर जैदी फार्म (सीमा क्लीनिक के सामने वाली गली), थाना नौचन्दी जिला मेरठ 2. श्रीमति जौहरा पत्नी आसिम (ननंद) 3.आसिम उर्फ अली जौहर पुत्र अली कौसर (नन्दोई) निवासी मकान नं0 283 मौ. मन्जूरनगर जैदी फार्म (सीमाक्लीनिक के सामने वाली गली), थाना नौचन्दी जिला मेरठ 4-राजा पुत्र लाल मियां (नन्दीता) 5-वासीम पुत्र लाल मियां (नन्दीता) निवासी मकान नं0 284 मौ. मन्जूरनगर जैदी फार्म (सीमा क्लीनिक के सामने वाली गली), थाना नौचन्दी जिला मेरठ .....विपक्षीगण। आपको इस समन द्वारा सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी / वादी में आपके विरूद्ध धारा 13 डी.वी. एक्ट के अन्तर्गत वाद न्यायालय में योजित किया है। आपको इस न्यायालय में उक्त वाद का उत्तर पत्र आदि प्रस्तुत करने के लिये उपसंजात होने के लिये दिनांक 24.12.2025 को प्रातः में 10:00 नियुक्त करके यह समन प्रेषित किया जाता है। आप नियत दिनांक को न्यायालय में स्वयं या आने अधिकृत पैरोकार, अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद से सम्बन्धित सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सकें। न्यायालय में आपकी उपसंजाती के तलिये जो उक्त तिथि नियत की गयी है वह इस वाद के अन्तिम निस्तारण के लिए भी नियत है। इसलिये आपको उसी दिन अपने उन सभी साक्षियों को या उनसे सम्बन्धित सभी सारवान प्रपत्रों साक्ष्यों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिए जिस पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हो आपको यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर वर्णित तिथि को इस न्यायालय में उक्त वाद में निस्तारण के समय उपसंजात उपस्थिति नहीं होगें तो इस दशा में उक्त वाद का निस्तारण आपकी अनुपस्थिति में गुण दोष पर किया जायेगा।आज दिनांक 22 माह 12 सन् 2025 को यह समन मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित विधिवत न्यायालय द्वारा जारी किया गया।
आज्ञा से-सिविल जज जूनियर
डिवीजन एफ.टी.सी.-प्रथम मुजफ्फरनगर

घनश्याम दास मार्ग पर क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत का कार्य शुरू

यूनाइटेड मेडिकेयर एसोसिएशन के कार्यकर्ताओं ने की थी शिकायत, ईओ ने समस्याओं का संज्ञान ले की त्वरित कार्रवाई

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। शहर में घनश्याम दास मार्ग पर क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत का कार्य शुरू हो गया है। जल निगम द्वारा पाइपों के नवीनीकरण और मरम्मत के कारण यह मार्ग खराब हो गया था, जिससे स्थानीय निवासियों को काफी परेशानी हो रही थी। यह कार्रवाई स्थानीय लोगों और यूनाइटेड मेडिकेयर एसोसिएशन की शिकायत के बाद की गई है।

दरअसल, शहर में जल निगम द्वारा पाइपलाइन बिछाने और मरम्मत का काम चल रहा है। इस कार्य के चलते कई मार्गों की हालत खराब हो गई थी। मरम्मत न होने के कारण इन मार्गों पर आवागमन मुश्किल हो गया था, जिससे स्थानीय लोगों को दैनिक जीवन में समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। इन समस्याओं को लेकर यूनाइटेड मेडिकेयर एसोसिएशन के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से स्थानीय लोगों ने शिकायत की थी। इसके बाद एसोसिएशन के अध्यक्ष डा.रियासत अली, स्थानीय निवा. सियों और अपने कार्यकर्ताओं के साथ अधिशासी अधिकारी कृष्ण कुमार भड़ाना से मिलने पहुंचे। उन्होंने अधिकारियों से मार्गों को जल्द से जल्द ठीक कराने की मांग की। नगर पालिका ने इन सभी समस्याओं का संज्ञान लेते हुए मात्र 10 घंटे के भीतर घनश्याम दास मार्ग पर नवीनीकरण और मरम्मत का कार्य शुरू कर दिया। इस त्वरित कार्रवाई से प्रभावित आबादी को तेजी से राहत मिलेगी। कार्य का निरीक्षण करने के लिए स्थानीय लोग और डा.रियासत अली मौके पर पहुंचे। डा.रियासत अली ने कहा कि नगर पालिका कर्मचारियों द्वारा लोगों की समस्या को ध्यान में रखते हुए तेजी से कार्य कराया जा रहा है, जिससे हजारों लोगों को सुविधा मिलेगी। इस त्वरित कार्रवाई को लेकर यूनाइटेड मेडिकेयर एसोसिएशन के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने बागपत ईओ केके भड़ाना का आभार/धन्यवाद व्यक्त किया। इस संबंध में अधिशासी अधिकारी कृष्ण कुमार भड़ाना ने बताया कि संगठन और स्थानीय लोगों की शिकायत के बाद मार्ग की मरम्मत का कार्य तेजी से कराया जा रहा है। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि नगर पालिका क्षेत्र में जहां भी कोई समस्या है, उसका संज्ञान लेकर त्वरित कार्रवाई की जा रही है। इस मौके पर डॉ.इमरान , आमीर, आदिल, अनस, मुस्तकिम, सुहैल आदि स्थानीय लोग मौजूद रहे।

सड़क हादसे में स्कूटी सवार तीन युवक घायल, अज्ञात वाहन की तलाश जारी

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। टटीरी कस्बे में एक सड़क हादसे में स्कूटी सवार तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना टटीरी स्थित सीएनजी पंप के सामने हाइवे पर हुई, जब एक अज्ञात वाहन ने स्कूटी को टक्कर मार दी।

टटीरी निवासी अरुण ने बताया कि तीनों युवक एक ही स्कूटी पर सवार होकर टटीरी से बागपत की ओर जा रहे थे। जैसे ही वे सीएनजी पंप के सामने हाइवे पर पहुंचे, तभी सामने से आ रहे एक अज्ञात वाहन ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे में निशांत, प्रिंस सहित तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने तुरंत एम्बुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुंची एम्बुलेंस ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बागपत में भर्ती कराया। साम. ुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उनका उपचार चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार, घायलों की स्थिति फिलहाल गंभीर बनी हुई है, हालांकि उन्हें खतरे से बाहर बताया जा रहा है। घटना की सूचना मिलने पर टटीरी पुलिस चौकी से पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी जुटाई। पुलिस ने क्षतिग्रस्त स्कूटी को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से अज्ञात वाहन की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। इस संबंध में टटीरी पुलिस चौकी प्रभारी विपिन कुमार यादव ने बताया कि अभी तक पीड़ित पक्ष की ओर से तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने के बाद अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कांग्रेसियों ने किया भाजपा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। सोमवार को कांग्रेस अध्यक्ष रामहरि पंवार के नेतृत्व मे कांग्रेसियों ने कलेक्ट्रेट पहुचकर महात्मा गाँधीजी की तस्वीरों के साथ भाजपा सरकार की निरंतर गलत नीतियों के विरोध में केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

अध्यक्ष रामहरि पंवार ने कहा केंद्र सरकार ने महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनायेगा) को निरस्त कर जो विधेयक पेश किया गया अत्यन्त चिंताजनक सुनियोजित कदम है जो देश के करोड़ों लोगों के साथ विश्वासघात है। भाजपा सरकार कांग्रेस की जनहित मे सुलभ लाभकारी लागू योजनाओं को पचा नहीं पा रही है। भाजपा बिना सोचे समझे जनता का शोषण उत्पीड़न करने मे लगी है। यह घोर निन्दनीय कदम है। कांग्रेस अन्यायपूर्ण फैसलो का विरोध करती है जिसे कांग्रेस पार्टी बर्दाश्त नही करेगी न ही जनहित मे चौन से बैठेगी। इस मोके पर बिजेन्द्र शर्मा औमबीर दुहण शोकेन्द्र तोमर डा सुभाष शर्मा रविन्द्र तोमर प्रवेज प्रदीप शर्मा पंकज शर्मा आदि उपस्थित रहे।

आरटीओ व टीआई ने की स्कूली वाहनों की जांच

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। जिलाधिकारी अस्मिता लाल के निर्देशन में स्कूली बच्चों की सुरक्षा के दृष्टिगत आज पुन: परिवहन विभाग एवं ट्रैफिक पुलिस द्वारा संयुक्त अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान निजी वाहनों द्वारा स्कूली बच्चों के परिवहन की जांच की गई।

इस दौरान 5 निजी इको वैन एवं 2 मैजिक वाहन, जिनके वैध प्रपत्र समाप्त पाए गए, को निरुद्ध किया गया। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी राघवेंद्र सिंह ने बताया इन वाहनों के माध्यम से क्रिस्टू ज्योति, वनस्थली, रेड रोज एवं ऑक्सफोर्ड स्कूल के बच्चों का परिवहन किया जा रहा था। 5 निजी वाहनों को क्रिस्टू ज्योति स्कूल परिसर में ही निरुद्ध किया गया तथा विद्यालय प्रबंधन को निर्देशित किया गया कि वे अपने स्कूल के बच्चों के परिवहन में लगे सभी निजी वाहनों की सूची 3 दिवस के भीतर उपलब्ध कराएं, ताकि वाहनों को वैध रूप से संचालित कराया जा सके। साथ ही पुन: सभी विद्यालय प्रबंधन से अपील की जाती है कि बिना वैध प्रपत्रों के संचालित किसी भी निजी वाहन को स्कूली बच्चों के परिवहन में न लगाया जाए।

एक नजर

पर्यावरणविद संजय राणा जेपी इंटरनेशनल अवॉर्ड 2025 से सम्मानित

शाह टाइम्स संवाददाता

बडौत। पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में युवाओं के बीच व्यवहार परिवर्तन हेतु सतत एवं प्रभावशाली कार्य करने वाले पर्यावरणविद एवं सामाजिक कार्यकर्ता संजय राणा को जेपी इंटरनेशनल अवॉर्ड 2025 से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित सम्मान लोकनायक जयप्रकाश इंटरनेशनल स्टडीज़ एंड डेवलपमेंट सेंटर द्वारा आयोजित भव्य समारोह में प्रदान किया गया। यह आयोजन 21 दिसंबर 2025 को ऐतिहासिक सत्याग्रह मंडप, गांधी स्मृति, राजघाट, नई दिल्ली में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी रहे। विशिष्ट अतिथियों में विजय गोयल, चक्रपाणि महाराज, लोकेश मुनि, पद्मश्री उमा शंकर पांडे सहित देश के अनेक प्रतिष्ठित व्यक्तित्व उपस्थित रहे। जेपी इंटरनेशनल अवॉर्ड देशभर से चयनित 23 विशिष्ट व्यक्तियों को प्रदान किया जाता है, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्रों में उल्लेखनीय, नवाचारी और समाजोपयोगी कार्य किए हैं। यह सम्मान 12 विभिन्न श्रेणियों-पर्यावरण, कला, नृत्य, साहित्य, पत्रकारिता, चिकित्सा, महिला उत्थान एवं सामाजिक सेवा आदि-में प्रदान किया जाता है। वर्ष 2025 में पर्यावरण श्रेणी के अंतर्गत संजय राणा का चयन किया जाना उनके दीर्घकालिक जन-जागरूकता कार्यों की राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृति है। उल्लेखनीय है कि संजय राणा एक पूर्व दिल्ली पुलिस अधिकारी हैं, जिन्होंने वर्ष 2019 में स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेकर अपना जीवन पूर्णत: सामाजिक एवं पर्यावरणीय कार्यों को समर्पित कर दिया। वे 'व्यवहार परिवर्तन यात्रा' जैसे अभियानों के माध्यम से जलवायु परिवर्तन, स्वच्छता, सड़क सुरक्षा, नदियों की रक्षा, नैतिक शिक्षा और युवाओं में जिम्मेदार नागरिकता के विकास हेतु निरंतर कार्य कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश के बागपत जनपद से जुड़े संजय राणा के प्रयासों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भी सराहना मिल चुकी है। सम्मान ग्रहण करते हुए संजय राणा ने कहा कि यह पुरस्कार किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि उन सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों, स्वयंसेवकों और सहयोगियों का है, जिन्होंने वर्षों से पर्यावरण संरक्षण और सकारात्मक व्यवहार परिवर्तन के इस अभियान को जन-आंदोलन का रूप दिया है। उन्होंने युवाओं से प्रकृति के प्रति संवेदनशील एवं जिम्मेदार दृष्टिकोण अपनाने का आहवान किया। यह सम्मान न केवल संजय राणा के कार्यों को नई पहचान देता है, बल्कि देशभर में पर्यावरण संरक्षण और सामा. जिक चेतना के लिए कार्यरत युवाओं एवं संगठनों को भी प्रेरित करेगा।

पुलिस स्टेशन पर सुनी जाए महिलाओं की समस्याएं: बबीता

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता चौहान ने सोमवार को एक दिवसीय भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत जिला महिला अस्पताल का निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल में उपचाररत महिलाओं से स्वास्थ्य सुविधाओं, उपचार व्यवस्था एवं सरकारी योजनाओं के लाभ प्राप्त होने की स्थिति के संबंध में जानकारी ली।

इसके पश्चात पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में महिला कल्याण से संबंधित विभिन्न विभागों द्वारा संचा. लित जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उन्होंने कहा कि नगर निकायों में अधिशासी अधिकारियों, ग्राम पंचायतों में ग्राम प्रधान, ग्राम पंचायत सचिव एवं खंड विकास अधिकारियों के माध्यम से बाल पेंटिंग, कैंप एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएँ। उन्होंने महिलाओं से अपील की कि वे सरकार द्वारा संचालित जनोपयोगी हेल्पलाइन सेवाओं का अधिकाधिक लाभ लें, जिनमें प्रमुख रूप से 1090 (वूमेन पावर लाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन), 108 (एंबुलेंस सेवा), 1076 (मुख्यमंत्री हेल्पलाइन), 112 (पुलिस आपातकालीन सेवा), 1098 (चाइल्ड लाइन), 102 (स्वास्थ्य सेवा) शामिल हैं। समीक्षा बैठक में कुछ विभागों द्वारा अपनी योजनाओं की जानकारी संतोषजनक रूप से प्रस्तुत न किए जाने पर महिला आयोग की अध्यक्ष ने नाराजगी व्यक्त की तथा निर्देश दिए कि अगली बैठक में सभी विभाग पूर्ण तैयारी एवं अद्यतन डाटा के साथ उपस्थित हों। इसी क्रम में पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में आयोजित महिला जनसुनवाई के दौरान अध्यक्ष ने पीड़ित महिलाओं की समस्याएँ सुनीं। जनसुनवाई में कुल 10 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि पुलिस स्टेशन पर कोई महिला अपनी समस्या लेकर आती है तो उसकी समस्या को सुना जाए और अधिक से अधिक काउंसलिंग पर फोकस किया जाए। आपस में विवाद ना बड़े परिवार टूटने नहीं चाहिए। परिवार को बनाए जाने की पहल रखी जाए। पुलिस का व्यवहार अच्छा रहना चाहिए, उन्होंने कहा कि जनपद की कोई भी महिला परेशान न रहे-अपने अधिकारों के लिए आगे आए, क्योंकि सरकार महिलाओं की आवाज़ के साथ खड़ी है। इस अवसर पर महिला आयोग की सदस्य मीनाक्षी भराला, जिला प्रोबेशन अधिकारी अमरचंद वर्मा, पुलिस क्षेत्राधिकारी अंशु जैन, डिप्टी सीएमओ डा.रॉबिन सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा के कार्यकर्ताओं ने राज्यपाल के नाम दिया ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा के कार्यकर्ता और पदाधिकारी ने कलेक्ट्रेट पर पहुंचकर राज्यपाल के नाम अधिकारियों को ज्ञापन सौंपते हुए मांग पूरी किए जाने की मांग की है। ब्राह्मण सभा के कार्यकर्ता और पदाधिकारी ने बताया के पूर्व में भगवान परशुराम की जयंती पर अवकाश होता था लेकिन अब नहीं होता है यह अवकाश तुरंत दोबारा से शुरू किया जाए और भगवान परशुराम का सम्मान किसी भी प्रकार से कम ना हो सके। राकेश शर्मा ने कहा कि भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम की जयंती पर उत्तर प्रदेश में सार्वजनिक रूप से अवकाश घोषित होना चाहिए। पहले भगवान की जयंती पर अवकाश होता था लेकिन फिलहाल अवक. ाश नहीं हो रहा है। भगवान परशुराम के प्रति ब्राह्मणों की और प्रत्येक समाज की विशेष आस्था जुडी हुई है भगवान की जयंती पर अवकाश होना चाहिए और सार्वजनिक अवकाश की घोषणा करनी चाहिए राज्यपाल के नाम उन्होंने अधिकारियों को ज्ञापन सौंपते हुए मांग की है। उमेश शर्मा ने बताया कि पिछली सरकारी भगवान की जयंती पर अवकाश करती थी लेकिन इस सरकार ने अवकाश घोषित नहीं किया है। सरकार को तत्काल सभी लोगों की आस्था का पूर्ण ख्याल रखते हुए संपूर्ण अवकाश की घोषणा करनी चाहिए।

गरीबों की सेवा करना हम सभी लोगों का कर्तव्य:शौकेन्द्र

शाह टाइम्स संवाददाता

बडौत। तहसील क्षेत्र के बदरखा छपरौली में खोखर महासभा भारत के तत्वाधान में कंबल वितरण कार्यक्रम किया गया जिसमें गरीबों मजदूरों बेसहारा लोगों को सर्दी के मौसम को देखते हुए कंबल वितरण किए गए। कंबल वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए खोखर महासभा भारत के राष्ट्रीय संयोजक शौकेंद्र खोखर बदरखा ने कहा कि गरीबों की सेवा करना हम सभी लोगों का कर्तव्य बनता है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से छपरौली विधायक अजय कुमार ने विश्व हिंदू महासंघ के राष्ट्रीय महासचिव एवं खोखर महासभा के राष्ट्रीय संयोजक शौकेंद्र खोखर बदरखा को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में चेयरमैन छपरौली

खोखर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र खोखर राष्ट्रीय संरक्षक तेजव. ीर सिंह खोखर संस्थापक सुधीर खोखर रॉबिन खोखर त्रिवेंद्र खोखर आदि लोगों को सम्मानित किया गया।

महिलाओं को हिजाब में पहचानना होता है मुश्किल:चौहान

बागपत। महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता चौहान आज बागपत में जनसुनवाई कार्यक्रम में पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के हिजाब हटाने संबंधी बयान का समर्थन किया। उन्होंने पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में एक प्रेस वार्ता भी की।

चौहान ने कहा कि जब महिलाएं हिजाब पहने होती हैं, तो उनकी पहचान करना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने तर्क दिया कि जब हम किसी कार्यालय या सार्वजनिक स्थान पर जाते हैं, तो वहां चेहरा छिपाना उचित नहीं होता, क्योंकि यह पहचान बताने की जगह होती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस या मतदाता पहचान पत्र बनवाते समय भी चेहरा दिखाना पड़ता है, इसलिए

इसमें कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अपनी हाल की यात्रा का जिक्र करते हुए बताया कि कुछ महिलाएं सरकारी योजनाओं का लाभ ले रही थीं, लेकिन अपनी पहचान बताने को तैयार नहीं थीं। बबीता चौहान ने इसे गलत बताया और कहा कि सरकार महिलाओं के लिए इतना कुछ कर रही है, तो उनसे कैसा पर्दा या नकाब उन्होंने जोर देकर कहा कि जहां सामाजिक पहचान देना आवश्यक हो, वहां नकाब की जरूरत नहीं है। उन्होंने विपक्ष पर भी हमला बोला और कहा कि विपक्ष बेवजह इस मामले को बढ़ावा दे रहा है, क्योंकि उनके पास कोई और मुद्दा नहीं है। उन्होंने दोहराया कि जहां पहचान की आवश्यकता हो, वहां नकाब की कोई जरूरत नहीं है।

किन्नरों ने दिया फर्जी किन्नरों के खिलाफ डीएम को ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। कलेक्ट्रेट परिसर में सोमवार को मीना गुरु के नेतृत्व में किन्नर समाज के लोगों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि कुछ असामाजिकतत्व फर्जी किन्नर बनकर बधाई के नाम पर लोगों से अवैध वसूली कर रहे हैं। विरोध करने पर मारपीट और जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं, जिससे समाज की छवि धूमिल हो रही है। आक्रोशित किन्नरों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर फर्जी किन्नरों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन तेज किया जाएगा।

ऋषिपाल के हत्यारों का दस दिन बाद भी नहीं मिला कोई सुराग, पुलिस रही खाली हाथ

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। कोतवाली क्षेत्र के बिहारीपुर गांव में ऋषिपाल की हत्या के 10 दिन बाद भी पुलिस को कोई सफलता नहीं मिली है। मृतक के परिजन इस मामले में अब तक खुलासा न होने से नाराज हैं।

60 वर्षीय ऋषिपाल की गांव में उनकी दुकान पर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मृतक के बेटे शुभम की तहरीर पर छह नामजद और एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। इसमें प्रधान का नाम भी शामिल है। यह मामला पुरानी रंजिश से जुड़ा बताया जा रहा है। हालांकि, पुलिस की चार टीमें इस मामले की जांच कर रही हैं और लगातार अलग-अलग स्थानों पर दबिश दे रही हैं। पुलिस ने अब तक 20 से अधिक लोगों से पूछताछ की है। इसके बावजूद, पुलिस अभी तक हत्या का खुलासा करने या किसी को गिरफ्तार करने में नाकाम रही है। पीड़ित परिवार जल्द से जल्द मामले का खुलासा किए जाने की मांग कर रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस मामले में कुछ अहम सबूत हाथ लगे हैं और जल्द ही खुलासा कर दिया जाएगा।

भाकियू भानु के कार्यकर्ताओं ने किया धरना प्रदर्शन, बिजली विभाग मुर्दाबाद के लगाए नारे

शाह टाइम्स संवाददाता

बागपत। भारतीय किसान यूनियन (भानु) ने बिजली विभाग के खिलाफ अधीक्षण अभियंता कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया और बिजली विभाग के मुर्दाबाद के नारे लगाए। यह प्रदर्शन जिलाध्यक्ष राजीव चौधरी के नेतृत्व में हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में किसान, पदा. धिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए।

धरने के दौरान किसानों ने बिजली विभाग पर कई गंभीर आरोप लगाए। किसानों का कहना था कि उनके नाम पर लगातार फर्जी बिजली बिल जारी किए जा रहे हैं, जिससे उन्हें मानसिक और आर्थिक परेशानी हो रही है। कई किसानों को बिना किसी स्पष्ट कारण के अत्यधिक बिल थमा दिए गए हैं, जिनका विभाग द्वारा कोई समाधान नहीं किया जा रहा। किसानों ने यह भी आरोप लगाया कि गांवों में घरों के ऊपर से जर्जर विद्युत लाइनें गुजर रही हैं, जिससे बड़े हादसे का खतरा बना हुआ है। विभाग द्वारा इन लाइनों को न तो बदला जा रहा है और न ही सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, पुराने और खराब ट्रांसफार्मरों को लंबे समय से नहीं बदलने के कारण बिजली आपूर्ति बाधित हो रही है। प्रदर्शन के दौरान किसानों ने स्मार्ट मीटर को लेकर भी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने स्मार्ट मीटर हटाने की मांग करते हुए कहा कि इन मीटरों से गलत रीडिंग आ रही है और बिल अधिक आ रहे हैं, जिससे किसान परेशान हैं। जिलाध्यक्ष राजीव चौधरी ने चेतावनी दी कि यदि किसानों की समस्याओं का जल्द समाधान नहीं किया गया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसान शांतिपूर्ण ढंग से अपनी मांगें रख रहे हैं, लेकिन विभाग की अनदेखी स्वीकार्य नहीं होगी। धरने के बाद किसानों ने अपनी मांगों से संबंधित एक ज्ञापन अधीक्षण अभियंता को सौंपा। विभागीय अधिकारियों ने समस्याओं के समाधान का आश्वा. सन दिया है। हालांकि, किसानों ने स्पष्ट किया कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो वे दोबारा बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

सूचना

हमारे पुत्र का आचरण ठीक नहीं है गलत आचरण के चलते हम अपने पुत्र नीटू व उसकी पत्नि से सम्बंध विच्छेद करते हुए अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल करते है भविष्य में अपने किसी भी कृत्य के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।
लीले पुत्र स्व.फुन्दन व फूलवती पत्नि लीले निवासीगण ग्राम बली थाना तहसील व जनपद बागपत।

सूचना

मेरी पुत्रवधू का आचरण ठीक नहीं है गलत आचरण के चलते मै अपनी पुत्रवधू सुशीला से सम्बंध विच्छेद करते हुए अपनी समस्त चल-अचल संपत्ति से बेदखल करती हूं भविष्य में अपने किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगी।
सावित्रि पत्नि सेदू निवासी ग्राम रसूलपुर थाना शाहपुर जनपद मुजफ्फरनगर।

नीतीश कुमार के विरोध में सपा का प्रदर्शन

कार्यकर्ताओं ने नीतीश कुमार माफी मांगों के नारे लगाते हुए किया पुतला फूंकने का प्रयास

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा एक महिला का बुर्खा खींचे जाने के कथित घटनाक्रम के विरोध में समाजवादी छात्र सभा के जिला अध्यक्ष रविंद्र यादव के नेतृत्व में सोमवार को दर्जनों कार्यकर्ताओं ने नगर कोतवाली क्षेत्र के अतरपुरा चौराहे पर जोरदार प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने नीतीश कुमार माफी मांगो के नारे लगाते हुए मुख्यमंत्री का पुतला फूंकने का प्रयास किया।

प्रदर्शन के दौरान मौके पर मौजूद पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच पुतले को लेकर छीना-झपटी भी हुई। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए नीतीश कुमार का पुतला कार्यकर्ताओं से छीन लिया।

इसके बावजूद प्रदर्शनकारी शांत नहीं हुए और उन्होंने मुख्यमंत्री का पोस्टर जलाकर अपना विरोध दर्ज कराया। आनन-फानन में पुलिस ने पोस्टर को भी कब्जे में ले लिया। इसके बाद भी कार्यकर्ताओं ने लगातार नारेबाजी करते हुए मुख्यमंत्री से माफी की मांग की।

समाजवादी छात्र सभा के कार्यकर्ताओं का कहना है कि हाल ही में पटना में नवनियुक्त आयुष चिकित्सकों को नियुक्ति पत्र वित. रित करने के कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक मुस्लिम महिला डॉक्टर नुसरत परवीन का हिजाब अपने हाथ से खींच लिया। कार्यकर्ताओं ने इसे महिला सम्मान, धार्मिक स्वतंत्रता और मुख्यमंत्री पद की गरिमा के खिलाफ बताया। उनका आरोप है कि इस घटना से न केवल महिला की गरिमा को ठेस पहुंची है, बल्कि समाज में गलत संदेश गया है और सामाजिक सौहार्द भी प्रभावित हुआ है। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस को सौंपे गए ज्ञापन में कहा कि यह पहली बार नहीं है जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का सार्वजनिक मंच पर इस तरह का व्यवहार सामने आया हो। ऐसे कृत्य से प्रदेशभर में आक्रोश व्याप्त है। कार्यकर्ताओं ने मांग की कि इस मामले में मुख्यमंत्री के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए मुकदमा दर्ज किया जाए। इस मौके पर समाजवादी छात्र सभा के जिला अध्यक्ष रविंद्र यादव, व्यापार सभा के जिला अध्यक्ष गौरव गोयल, छात्र सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष पियूष वाल्मीकि, हापुड़ के जिला उपाध्यक्ष अमित सिखेड़ा, यूथ ब्रिगेड के प्रदेश सचिव अब्दुल चौधरी सहित कई अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। पुलिस बल की सतर्कता के चलते मौके पर स्थिति नियंत्रण में रही और किसी भी अप्रिय घटना से बचाव किया गया।

कोहरे के कारण बस-कैंटर व कारों की टक्कर, तीन घायल

हापुड़। सोमवार सुबह जिले में घने कोहरे के चलते दो अलग-अलग सड़क हादसों ने लोगों को दहशत में डाल दिया। कम दृश्यता के कारण हुए इन हादसों में कुल तीन लोग घायल हो गए। घटनाओं के बाद पुलिस और प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंचा और राहत कार्य शुरू कराया गया।

जानकारी के अनुसार थाना देहात क्षेत्र के गढ़ रोड पर रविवार देर रात दो कारों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे में कार सवार दो लोग घायल हो गए, जिन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने घटनास्थल से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर मार्ग पर यातायात व्यवस्था बहाल कराई। इसी तरह थाना बाबूगढ़ कोतवाली क्षेत्र के नए हाईवे पर उपेड़ा गांव के पास घने कोहरे के चलते बस और कैंटर की टक्कर हो

गई। हादसे में कैंटर चालक राहुल कुमार घायल हो गए। वह दिल्ली से मुरादाबाद के धनोरा जा रहे थे। दुर्घटना के बाद बस चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश पुलिस द्वारा की जा रही है। सीओ वरुण मिश्रा ने बताया कि दोनों मामलों में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन ने वाहन चालकों को कोहरे में वाहन चलाते समय हेडलाइट और फॉग लाइट का प्रयोग करने, सुरक्षित दूरी बनाए रखने और तेज गति से बचने की सलाह दी है।

ई-रिक्शा चालकों के पक्ष में कांग्रेस का प्रदर्शन, पुलिस पर उत्पीड़न के आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। जिल में ई-रिक्शा चालकों के साथ कथित पुलिस उत्पीड़न को लेकर कांग्रेस पार्टी ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के जिलाध्यक्ष एवं कोऑर्डिनेटर नरेश भाटी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने यातायात पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए सीओ यातायात राहुल यादव को ज्ञापन सौंपा।

नरेश भाटी ने आरोप लगाया कि पुलिस बिना ठोस कारण के ई-रिक्शा चालकों के साथ मारपीट कर रही है, उनके वाहन जब्त किए जा रहे हैं और भारी जुर्माना वसूला जा रहा है। उन्होंने कहा कि ई-रिक्शा गरीब और मजदूर वर्ग के परिवारों की आजीविका का एकमात्र साधन है, ऐसे में इस प्रकार की कार्रवाई से उनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि पुलिस की इस कार्रवाई से सैकड़ों परिवार आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं। पार्टी ने इस कथित उत्पीड़न की निंदा करते हुए मांग की कि ई-रिक्शा चालकों के खिलाफ हो रही कार्रवाई को तत्काल रोका जाए, जब्त किए गए ई-रिक्शों को बिना किसी शर्त के वापस किया जाए तथा पूरे मामले की निष्पक्ष जांच के लिए उच्च स्तरीय जांच आयोग का गठन किया जाए। शहर कांग्रेस अध्यक्ष इरफान अहमद ने कहा कि सरकार एक ओर गरीबों के कल्याण की बातें करती है, जबकि दूसरी ओर उनकी रोजी-रोटी छीनने का काम किया जा रहा है। उन्होंने भरोसा दिलाया

कि कांग्रेस पार्टी पीड़ित ई-रिक्शा चालकों और उनके परिवारों के साथ खड़ी है और इस मुद्दे को विधानसभा तक उठाया जाएगा। इस अवसर पर प्रदेश महासचिव सेवादल विकास त्यागी, राजकुमार जौहरी, खुशनूद सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

निर्माणाधीन पुल बना किसानों के लिए परेशानी का कारण

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। थाना बाबूगढ़ क्षेत्र के अयाद नगर में निर्माणाधीन पुल किसानों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बन गया है। पुल निर्माण के चलते खेतों तक जाने वाला मुख्य रास्ता बाधित हो गया है, जिससे किसानों को फसलों की देखभाल, सिंचाई और कृषि कार्यों में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों और किसानों ने इस समस्या को लेकर प्रशासन से शिकायत की थी।

शिकायत मिलते ही एसडीएम सदर इला प्रकाश ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान किसानों ने बताया कि वैकल्पिक मार्ग न होने के कारण उन्हें कई किलोमीटर लंबा चक्कर लगाकर खेतों तक पहुं. चना पड़ रहा है। इससे समय और

खर्च दोनों बढ़ गए हैं, साथ ही कृषि कार्य भी प्रभावित हो रहे हैं। एसडीएम सदर इला प्रकाश ने किसानों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने आश्वा. सन दिया कि पुल निर्माण के दौरान किसानों की सुविधा के लिए अस्थायी रास्ते की व्यवस्था कराई जाएगी, ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी न हो। साथ ही निर्माण कार्य को जल्द पूरा कराने पर भी जोर दिया गया। प्रशासन के आश्वासन के बाद किसानों ने कुछ राहत की सांस ली है और उम्मीद जताई है कि जल्द ही उनकी समस्या का स्थायी समाधान निकाला जाएगा। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि निर्माण कार्य के साथ-साथ जनहित का विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि भविष्य में ऐसी समस्याएं दोबारा न उत्पन्न हों।

ई-रिक्शा बैटरी चोरी का खुलासा, दो शातिर गिरफ्तार

गढ़मुक्तेश्वर। थाना पुलिस ने ई-रिक्शा से बैटरी चोरी की घटना का सफल खुलासा करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की चार बैटरियां और दो अवैध चाकू भी बरामद किए हैं। थाना प्रभारी निरीक्षक मनोज बालियान ने जानकारी देते हुए बताया कि थाना गढ़मुक्तेश्वर पुलिस लगातार सघन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस टीम ने ठंडी सड़क क्षेत्र से दो संदिग्ध युवकों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रितिक पुत्र सुंदर निवासी मोहल्ला अहाताबस्ती राम, थाना गढ़मुक्तेश्वर, जनपद हापुड़ तथा विशाल पुत्र सुरेश निवासी मोहल्ला अहाताबस्ती राम, थाना गढ़मुक्तेश्वर, जनपद हापुड़ के रूप

में हुई है। तलाशी के दौरान उनके पास से ई-रिक्शा से चोरी की गई चार बैटरियां और दो अवैध चाकू बरामद किए गए। थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों आरोपी शातिर किस्म के अपराधी हैं और इनके खिलाफ पहले से ही करीब एक दर्जन आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करते हुए जेल भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि इस गिरफ्तारी से ई-रिक्शा चालकों को राहत मिली है और क्षेत्र में हो रही बैटरी चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगेगा। गढ़मुक्तेश्वर पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि अपराध पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके।

एमएस हैरिटेज स्कूल में प्रेस वार्ता आयोजित

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। एमएस हैरिटेज स्कूल में आयोजित होने वाले बाईसवें हैरिटेज उत्सव के अवसर पर इन्द्रधनुष कार्यक्रम के तहत बेटियों के सर्वांगीण उत्थान को समर्पित कार्यक्रम उठो द्रौपदी शस्त्र उठा लो को लेकर प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया।

प्रेसवार्ता में स्कूल के चेयरमैन रामकिशोर त्यागी ने जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्यक्रम बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और सशक्तिकरण के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि श्रीकल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम महाराज के आशीर्वाद से कार्यक्रम में उत्तराखंड सरकार के गन्ना मंत्री श्यामवीर सैनी, उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री कपिल देव अग्रवाल

तथा उत्तर प्रदेश महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। इसके अलावा खतौली विधायक मदन भैया, मुरादनगर विधायक अजीत पाल सिंह और किठौर के पूर्व विधायक सतबीर त्यागी विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शिर. कत करेंगे। राष्ट्रीय सैनिक संस्था के प्रदेश प्रवक्ता एवं हापुड़ जिला अध्यक्ष ज्ञानेन्द्र त्यागी ने कहा कि यह आयोजन बेटियों में शिक्षा, सुरक्षा, संस्कृति, समानता, स्वतंत्रता, संस्कार और नारी शक्ति के प्रति जागरूकता बढ़ाने का कार्य करेगा। कार्यक्रम के माध्यम से समाज में बेटियों के सशक्तिकरण का संदेश दिया जाएगा। प्रेसवार्ता में विद्यालय की प्रधानाचार्या रंजना वर्मा, वाइस चेयरमैन राजीव लोचन, अशोक मेहता कैली, सुनील कुमार तथा वरिष्ठ पत्रकार विजेंद्र त्यागी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

एक नजर

रेलवे स्टेशन पर बाल तस्करी के खिलाफ अभियान, यात्रियों को किया गया जागरूक

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। नाबालिग बच्चों की तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से हापुड़ रेलवे स्टेशन पर एक विशेष संयुक्त जांच एवं जागरूकता अभियान चलाया गया। यह अभियान राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के दिशा-निर्देशों के क्रम में आयोजित किया गया, जिसमें बाल कल्याण समिति, रेलवे सुरक्षा बल, राजकीय रेलवे पुलिस एवं एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट की संयुक्त टीमों ने सहभागिता की।

अभियान के दौरान रेलवे स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म और ट्रेनों के कोचों में गहन निरीक्षण किया गया। टीमों ने यात्रियों की गतिविधियों पर नजर रखते हुए संदिग्ध हालात की जांच की और अकेले यात्रा कर रहे बच्चों के संबंध में विशेष सतर्कता बरती। अधिकारियों ने यात्रियों से संवाद कर उन्हें बाल तस्करी की गंभीरता के प्रति जागरूक किया। राहत की बात यह रही कि जांच के दौरान किसी भी प्रकार की बाल तस्करी या संदिग्ध गतिविधि का मामला सामने नहीं आया। अधिकारियों ने आमजन से अपील की कि यदि कहीं कोई बच्चा अकेला, डरा-सहमा या संदिग्ध स्थिति में दिखाई दे तो तुरंत इसकी सूचना चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 या नजदीकी पुलिस को दें। टीम ने बताया कि समय पर दी गई सूचना किसी बच्चे के सुरक्षित भविष्य की दिशा में बड़ा कदम साबित हो सकती है। इस संयुक्त अभियान का नेतृत्व बाल कल्याण समिति के मजिस्ट्रेट अभिषेक त्यागी एवं बाबूराम गिरि ने किया। मौके पर एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट, आरपीएफ और जीआरपी के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। अभियान में विधि सह परिवीक्षा अधिकारी रविंद्र कुमार, सह आंकड़ा विश्लेषक मुकेश कुमार, चाइल्ड हेल्पलाइन सुप. रवाइजर अंकित कुमार, जीतू गंगवार सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी भी सक्रिय रूप से शामिल रहे।

थाने में हुई वाहनों की नीलामी, 4 लाख 25 हज़ार में बिके 23 वाहन

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। थाना बहादुरगढ़ परिसर मे वाहनों की निलामी की गई। थाने में सड़ रहे लावारिस वाहनों और सालों से कई मुकदमे के तहत खड़े छोटे-बड़े वाहनों को नीलामी प्रक्रिया के तहत नीलाम कर दिया है। यह वाहन कबाड़ में जाएंगे और कबाड़ के अलावा इन वाहनों को और कोई इस्तेमाल नहीं कर सकता।

हापुड़ के थाना बहादुरगढ़ थाने में वाहनों को खरीदने पहुंचे करीब कबाड़ी व्यापारियों ने एक से बढ़कर एक बोली लगाई। इस नीलामी की सबसे ज्यादा बोली 4 लाख 25 हजार रूपये की लगी। इस के बाद डील फाइनल करके इन सभी वाहनों को 4 लाख 25 हजार रूपये में नीलाम कर दिया गया। एसपी कुँवर ज्ञानंजय सिंह के निर्देशन में थाना बहादुरगढ़ परिसर में वर्ष 2011 से 2024 तक के मुकदमो से सम्बन्धित लम्बित माल/लावारिस एवं सीजशुदा 23 वाहनों की नीलामी कराकर निस्तारण कराया गया। नीलामी के दौरान कुल 23 वाहनों की नियमानुसार नीलामी की प्रक्रिया सम्पन्न हुई, जिसमें बोली दाताओं द्वारा सर्वाधिक बोली 4 लाख 25 हजार रूपये लगायी गयी। जिनमें 14 दो पहिया वाहन, 6 चार पहिया वाहन व 3 तीन पहिया वाहनों की नीलामी की गई। गढ़मुक्तेश्वर सीओ स्तुति सिंह की मौजूदगी मे थाना बहादुरगढ़ में लावारिस व सीज पड़े वाहनों की नीलामी की गई।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत, परिवार में मचा कोहराम

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। पिलखुवा क्षेत्र में घरेलू तनाव से जूझ रहे एक युवक ने जहरीला पदार्थ खाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई।

मिली जानकारी के अनुसार न्यू आर्य नगर मोहल्ला निवासी 24 वर्षीय अंकित लंबे समय से मानसिक तनाव में चल रहा था। बताया जा रहा है कि घरेलू कलह के कारण वह परेशान रहता था। शनिवार रात परिवार के साथ खाना खाने के बाद वह अपने कमरे में चला गया। देर रात अचानक उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। परिजनों को पता चला कि उसने जहरीला पदार्थ खा लिया है। घबराए परिजन उसे तुरंत निजी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने काफी प्रयास किए, लेकिन युवक को बचाया नहीं जा सका। देर रात उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर पिलखुवा कोतवाली पुलिस अस्पताल पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक श्योपाल सिंह ने बताया कि अभी तक कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बाबा महेंद्र टिकैत को भारत रत्न देने की मांग को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

शाह टाइम्स संवाददाता

हापुड़। भारतीय किसान यूनियन बाबा ने सोमवार को विभिन्न मांगों को लेकर एक ज्ञापन एसडीएम शुभम श्रीवास्तव को सौंपा। ज्ञापन में संगठन के संस्थापक एवं किसान नेता स्वर्गीय बाबा महेंद्र सिंह टिकैत को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित करने की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई। संगठन ने इसे किसानों के सम्मान और उनके ऐतिहासिक संघर्षों को मान्यता देने का विषय बताया।

ज्ञापन में पश्चिमी उत्तर प्रदेश में उच्च न्यायालय की बेंच स्थापित किए जाने की मांग भी शामिल रही। संगठन का कहना है कि पश्चिमी यूपी की बड़ी आबादी को न्याय के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। यदि क्षेत्र में हाईकोर्ट बेंच स्थापित होती है तो आमजन को सुलभ और शीघ्र न्याय मिल सकेगा, साथ ही समय और धन की भी बचत होगी। इसके अलावा, संगठन ने शिक्षा व्यवस्था से जुड़े एक अहम मुद्दे को भी सरकार के समक्ष रखा। भाकियू बाबा ने मांग की कि कक्षा एक से दस तक के पाठ्यक्रम में हर वर्ष बदलाव किए जाने की परंपरा समाप्त की जाए और पाठ्यक्रम को तीन से पांच वर्षों तक स्थिर रखा जाए, जिससे विद्यार्थियों पर बढ़ते शैक्षणिक दबाव को कम किया जा सके। यह ज्ञापन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम सौंपा गया। इस अवसर पर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहसिन सैफी ने कहा कि जब तक बाबा महेंद्र सिंह टिकैत को भारत रत्न से सम्मानित नहीं किया जाता, तब तक भारतीय किसान

यूनियन बाबा का आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश के प्रत्येक जिले में धरना-प्रदर्शन और ज्ञापन के माध्यम से सरकार का ध्यान इस मांग की ओर आकर्षित किया जाएगा। इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने आंदोलन को मजबूती देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में रजनीश त्यागी, उमेश गौतम, बिट्टू, नंदकिशोर शर्मा, ठाकुर धर्मेंद्र सिसोदिया, अमित चंद्रा, उम्मीद अली, शाहरुख, शौकीन, धर्मेंद्र, संगीता, वाजिद अयूब, विमल, दीपांशु, महेश, इरफान, तरुण गोयल सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

टोल हटाने व बाईपास-पुल निर्माण की मांग को लेकर तहसील में धरना

शाह टाइम्स संवाददाता

गढ़मुक्तेश्वर। तहसील में बृजघाट टोल प्लाजा हटाने व बाईपास को सियाना चौराहे से निक. ालने तथा तीगरी पर गंगा पुल निर्माण की मांग को लेकर चल रहे अनिश्चितकालीन धरने को विभिन्न सामाजिक, धार्मिक और किसान संगठनों का व्यापक समर्थन मिला। धरना स्थल पर पहुंचे संगठनों के पदाधिकारियों ने इसे जनहित का मुद्दा बताते हुए आंदोलन को आर-पार की लड़ाई तक ले जाने की घोषणा की।

इस दौरान समाजसेवी पंकज लोधी ने कहा कि यह आंदोलन आम जनता की समस्याओं से जुड़ा है और बृजघाट टोल लंबे समय से जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल रहा है। सनातन धर्म रक्षा वाहिनी भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत रामदास महाराज ने कहा कि बृजघाट टोल प्लाजा अपनी अवधि पूरी कर चुका है, इसे तुरंत हटाया जाना चाहिए ताकि जनता को राहत मिल सके। विश्व हिंदू राष्ट्र सेना के युवा प्रदेश अध्यक्ष मोंटी चौधरी ने चेतावनी दी कि यदि नया बाईपास बनाकर गंगा पर नया पुल बनाया जाता है और उसके नाम पर टोल वसूली की समय सीमा बढ़ाई गई तो इसे किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भारतीय किसान यूनियन टिकैत के जिला अध्यक्ष दिनेश खेड़ा ने धरना स्थल पर पहुंचकर आंदोलन को समर्थन दिया और कहा कि अवैध टोल वसूली को किसान और जनता मिलकर बर्दाश्त नहीं करेंगे। जरूरत पड़ी तो इस मुद्दे को बड़े स्तर पर उठाया जाएगा। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के पश्चिमी उत्तर प्रदेश

अध्यक्ष पंडित वीरेंद्र शर्मा ने कहा कि सियाना चौराहे से बाईपास निक. ाले जाने पर ही जाम की समस्या का स्थायी समाधान संभव है। अन्य किसी मार्ग से बाईपास निकालने पर जाम खत्म नहीं होगा। अखिल भारतीय जाट महासभा के तहसील अध्यक्ष जोगेंद्र चौधरी ने जिलाधिक. ारी हापुड़ से मांग की कि संबंधित टोल परियोजना के प्रोजेक्ट डायरेक्टर को बुलाकर यह स्पष्ट कराया जाए कि अब तक कितना टोल वसूला जा चुका है और आगे किस आधार पर वसूली की जा रही है। आलम आरा सेवा समिति के अध्यक्ष मजीद चौधरी ने कहा कि समस्त क्षेत्र की जनता एकजुट है और टोल के पास से बाईपास निक. ालने से जाम की समस्या समाप्त नहीं होगी। उन्होंने भी जिलाधिकारी से संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों को बुलाकर जनता को संतुष्ट करने की मांग की। धरना स्थल पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

सड़क हादसे के बाद जमुना प्रसाद भूला याददाश्त

शाह टाइम्स संवाददाता

मथुरा। केएम अस्पताल एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, यहां एक 45 वर्षीय मरीज के एक हादसे के दौरान सिर और दिमाग में चोट लग गई थी जिसके कारण वह अपनी याददाशत भूल गया था, बोल नहीं पा रहा था और किसी को पहचान नहीं पा रहा था, लेकिन पांच महीने बाद केएम अस्पताल के न्यूरो सर्जरी टीम ने चमत्कार करके दिखाया है, उसका सफल ऑपरेशन कर उसकी याददाश्त वापस लौटा दी है, अब वह स्वस्थ है, आयुष्मान योजना के तहत उसका निःशुल्क इलाज किया गया है। दरअसल, कोसीकलां के गोपालनगर में रहने वाली श्रीमती गुडिया के पति जमुना प्रसाद (45) का पांच महीने पूर्व एक्सीडेंट हो गया था, वह न तो किसी को पहचान पा रहा था ना ही बोल पा रहा था। वह अपनी याददाश्त खो चुका था। परि. जनों ने कई अस्पतालों में दिखाया लेकिन उसका इलाज नहीं हो सका। परिजन मरीज को लेकर केएम अस्पताल आए जहां उन्होंने न्यूरो स्पेशिलिस्ट डा. संदीप चौहान को दिखाया। उन्होंने अस्पताल में मरीज को भर्ती कर उसका सफल ऑपरेशन किया। ऑपरेशन की सफलता में डा. दुर्गेश यादव, डा. आशुतोष सिंह, डा. विवेक, डा. चिंतन, डा. निधि, डा. तन्मया, एनेस्थीसिया विभाग के डा. अंचल, पीजी डाक्टर कुलदीप, डा. सुरभि सहित ओटी इंचार्ज राहुल ठाकुर, नर्सिंग इंचार्ज घनश्याम व रंजीत का विशेष सहयोग रहा।

आठ हजार वर्ग मीटर में विकसित की जारी कॉलोनी पर चला बुल्डोजर

मथुरा। यमुनापार लक्ष्मीनगर क्षेत्र में यमुना कोल्डस्टोर की भूमि पर अवैधरूप से कॉलोनी विकसित की जा रही थी। मथुरा वृंदावन विकास प्राधिकरण की ओर से कॉलोनी विकसित कर रहे ऑनर को नोटिस जारी किया गया इसके बाद भी कॉलोनी में निर्माण कार्य जारी रहा। सोमवार को भारी पुलिसबल की मौजूदगी में एमवीडीए ने कॉलोनी निर्माण को ध्वस्त कर दिया। मनोज उपाध्याय व योगेश चंद्र शर्मा द्वारा यमुना कोल्डस्टोर वाली भूमि श्रीमान पर बल्देव रोड लक्ष्मीनगर स्थित श्रीमान पैलेस के सामने लगभग आठ हजार वर्ग मीटर क्षेत्र में सडक व नाली निर्माण कर विद्युत पोल लगाकर अनाधिकृतरूप से भू विभाजन कर कॉलोनी का विकास किये जाने पर प्राधिकरण द्वारा वाद योजित किया गया। योजित वाद में 15 अप्रैल 2025 को ध्वस्तीकरण आदेश परित किये गये।

मनरेगा योजना निरस्त करने के विरोध में गरजे कांग्रेसी

गांधी मूर्ति पर धरना देकर जताया विरोध, योजना की मूल भावना को कमजोर करने का आरोप

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) की जगह 125 दिन की रोजगार गारंटी वाले विक सित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) कानून लागू किए जाने के खिलाफ क ांग्रेसियों ने सोमवार को गांधी प्रतिमा के सामने धरना देकर विरोध जताया। जिला कांग्रेस कमेटी के संयोजन में आयोजित इस धरना-प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कांग्रेसी शामिल हुए और केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कांग्रेसियों ने केंद्र सरकार से मनरेगा को निरस्त करने के आदेश को तत्काल वापस लेने की मांग की। प्रदेश सचिव चौधरी सुखराज सिंह ने कहा कि मनरेगा जैसी महत्वपूर्ण रोजगार गारंटी योजना का नाम बदलना केवल औपचारिक फैसला नहीं है, बल्कि इसके जरिए योजना की मूल भावना को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। भाजपा सरकार योजनाओं के नाम बदलकर जनता का ध्यान भटकाने और अपनी असफलताओं को छिपाने का प्रयास कर रही है. जिलाध्यक्ष ने कहा कि मनरेगा सिर्फ एक योजना नहीं, बल्कि गांधीजी के विचारों से जुड़ा सामा. जिक सुरक्षा का मजबूत स्तंभ है। कांग्रेस इसे किसी भी कीमत पर कमजोर नहीं होने देगी। इस अवसर पर सचिन चौहान, फैज आलम राईनी, हाजी खुर्शीद अनवर, राज. कुमार अरुण, हरिओम पुष्कर, शाहबुद्दीन, अली हसन, मोहसिन अली, मेराजुल जफर, रवींद्र, मंगल गुर्जर, जिशान अली तुर्क, डॉ मुशर्रफ खान, इकबाल अंसारी, शमीम अब्बासी, इशरत अली आदि मौजूद रहे।

स्कूल बस में ट्रक ने मारी साइड, मची चीख पुकार

शाह टाइम्स संवाददाता

हसनपुर। नगर में सोमवार को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। रहरा अड्डे के समीप लिटिल एंगिल्स अकैडमी ग्रीन सिटी की बच्चों से भरी एक स्कूली बस को तेज रफ्तार ट्रक ने साइड मार दी। साइड लगने से बस का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। टक्कर के बाद बस में चीख पुकार मच गई। भीतर बैठे स्कूली बच्चे बुरी तरह सहम गये। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अकैडमी की बस बच्चों को लेकर घर छोड़ने जा रही थी। तभी रहरा की दिशा से आ रहे एक ट्रक ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आनन-फानन में सभी बच्चों को सुरक्षित बस से नीचे उतारा गया। राहत की बात यह रही कि इस दुर्घटना में किसी भी बच्चे को चोट नहीं आई है। स्कूल प्रशासन द्वारा सभी बच्चों को सकुशल उनके घर पहुँचा दिया गया है। इस मामले में विद्यालय की प्रधानाचार्य कंचन सैनी ने पुष्टि की है कि ट्रक की टक्कर से बस को नुकसान पहुँचा है। लेकिन सभी बच्चे पूरी तरह सुरक्षित हैं। कोतवाली प्रभारी प्रेमपाल सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी नहीं मिली है, अभी तक विद्यालय प्रबंधन या किसी अभिभावक की ओर से कोई लिखित तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलने पर पुलिस द्वारा उचित कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

ई रिक्शा चालक को बैल्टों से पीटा

घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद

शाह टाइम्स संवाददाता

हसनपुर। सोमवार को मोहल्ला इमली वाले इलाके में मामूली कहासुनी के बाद स्कूटी सवार दबंगों ने एक ई-रिक्शा चालक पर बेल्टों और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। मारपीट की यह पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

सोमवार को मोहल्ला होली चौक शिवाला निवासी भूपराम अपना ई-रिक्शा लेकर इमली वाले मोहल्ले में सवारियाँ बैठा रहा था। इसी दौरान पीछे से आये दो स्कूटी सवार युवकों से उसकी किसी बात को लेकर बहस हो गई। विवाद बढ़ता देख दबंगों ने फोन कर अपने अन्य साथियों को बुला लिया। मौके पर पहुँचे दबंगों ने रिक्शा चालक को घेर लिया और सरेराह बेल्टों व डंडों से पीटना शुरू कर दिया। पिटाई से घायल चालक को परिजनों ने आनन-फानन में कोतवाली पहुँचाया। जहाँ से पुलिस ने उसे डॉक्टरी परीक्षण (मेडिकल) के लिए भेज दिया है। कोतवाल प्रेमपाल सिंह ने बताया कि पीड़ित परिजनों की ओर से तहरीर प्राप्त हो गई है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अन्य आरोपियों की पहचान की जा रही है।

पत्नी की हत्या में पति को आजीवन कारावास

अदालत ने दस हजार का जुर्माना भी लगाया

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। पत्नी की बेरहमी से पिटाई कर हत्या करने के मामले में न्यायालय ने दोषी पति को उम्रकैद की सजा सुनाई। जबकि दस हजार रूपये का अर्थदंड भी लगाया है।

हत्याकांड आदमपुर थाना क्षेत्र के गांव कोकापुर की मढैयां से जुड़ा था। दरअसल, रहरा थाना क्षेत्र के गांव जामनो वाली निवासी किसान इमरत सिंह ने साल 2004 में अपनी बेटी उषा की शादी इसी गांव के रहने वाले बुद्धसेन के साथ की थी। उषा पर दो बेटे सत्येंद्र और सचिन हैं। हत्या से दो महीने पहले बुद्धसेन ने उषा की बेरहमी से पिटाई की थी, उसकी पैर की हड्डी टूट गई थी। मायके के लोगों ने उषा का इलाज कराया था। इसके बाद ही उषा चलने के काबिल हो सकी थी। इसी बीच 4 जुलाई 2022 की रात बुद्धसेन ने उषा की लाठी-डंडों से पीटकर हत्या कर दी थी। मामले में मृतका के भाई प्रमोद की तहरीर पर पुलिस ने हत्यारोपी बुद्धसेन के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया था। बाद में पुलिस ने हत्यारोपी बुद्धसेन को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। तभी से वह जेल में है। तमाम कोशिश के बाद भी उसकी जमानत याचिका मंजूर नहीं हो सकी थी। मुकदमे की सुनवाई जिला जज की अदालत में चल रही थी। अभियोजन की ओर से पैरवी जिला शासकीय अधिवक्ता महावीर सिंह कर रहे थे। बीते शनिवार को अदालत ने मुकदमे में अंतिम सुनवाई करते हुए पत्रावली के अवलोकन व साक्ष्यों के आधार पर बुद्धसेन को दोषी करार दिया था। सोमवार को अदालत ने सजा के प्रश्न पर सुनवाई की। पत्नी उषा की हत्या के दोषी बुद्धसेन को आजीवन कारावास की सजा सुनाई तथा दस हजार रुपये का अर्थदंड लगाया।

एक नजर

हादसे में बाइक सवार दो युवक घायल

शाह टाइम्स संवाददाता जोया। घटना कोतवाली डिडौली क्षेत्र के गांव हरियाना के एक कोल्ड स्टोर के सामने की है। डिडौली की तरफ से विपरीत दिशा जा रहे। ट्रैक्टर ने जोया की दिशा से आ रहे बाइक सवार हसनपुर थाना क्षेत्र के मटानी की मढैया निवासी कुंवर पाल तथा बुलन्दशहर जिले के थाना खानपुर क्षेत्र के गांव जडाना निवासी सौरभ बाइक पर सवार होकर जैसे ही डिडौली क्षेत्र के गांव हरियाना पहुंचे तो ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी जिससे दो गम्भीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को जोया सी एच सी में भर्ती कराया गया। जहां पर डाक्टरों ने दोनों की गम्भीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

कादराबाद में तालाब खुदाई शुरू

शाह टाइम्स संवाददाता मंडी धनौरा। ग्राम पंचायतों में जल संरक्षण और परंपरागत जलस्रोतों के पुनर्जीवन को लेकर प्रशासन ने सक्रियता बढ़ा दी है। इसी क्रम में सोमवार को खंड विकास अधिकारी नरेंद्र गंगवार ने ग्राम पंचायत कद्राबाद में मिशन 500 के अंतर्गत तालाब खुदाई कार्य का शुभारंभ किया। बीडीओ द्वारा स्वयं फावड़ा चलाकर कार्य की शुरुआत करने से ग्रामीणों में उत्साह और सहभागिता देखने को मिली। खंड विकास अधिकारी ने बताया कि ग्राम पंचायत कद्राबाद में कुल 22 तालाब चिन्हित किए गए हैं। इस मौके पर खंड विकास अधिकारी नरेंद्र पाल सिंह, ग्राम सचिव संदीप सिंह, तकनीकी सहायक राकेश सैनी, ग्राम प्रधान सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

सैदनगली में बंदरों व पशुओं का आतंक

शाह टाइम्स संवाददाता सैदनगली। बंदरों का आतंक और आवारा पशुओं की समस्या दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। परेशान निवासियों ने अधिशासी अधिकारी और अध्यक्षा के समक्ष लिखित शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें तत्काल इन समस्याओं से निजात दिलाने की मांग की गई है। निवासियों का कहना है कि क्षेत्र में बंदरों की संख्या इतनी बढ़ गई है कि रोजाना कोई न कोई बच्चा या व्यक्ति उनके हमले का शिकार हो रहा है। बंदरों के काटने की घटनाओं से बच्चों का स्कूल जाना तक जोखिम भरा हो गया है। कई परिवारों में दहशत का माहौल है, क्योंकि बंदर घरों में घुसकर सामान बिखेर देते हैं और लोगों पर अचानक हमला कर देते हैं।

छात्र-छात्राओं को स्वेटरों का वितरण

शाह टाइम्स संवाददाता हसनपुर। अखिल भारतीय अंबेडकर युवक संघ द्वारा विकास क्षेत्र गंगेश्वरी के प्राथमिक विद्यालय गुलामपुर में स्वेटर वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय में अध्यनरत छात्र छात्राओं को ठंड से राहत दिलाने के उद्देश्य से स्वेटरों का नि: शुल्क वितरण किया गया। 50 छात्र छात्राओं को स्वेटर का वितरण किया गया। कार्यक्रम में अखिल भारतीय अंबेडकर युवक संघ हसनपुर के अध्यक्ष रामवीर सिंह ने कहा कि छात्र छात्राएं हमारी अमूल्य धरोहर हैं। उनकी देखभाल करना हम सभी का नैतिक दायित्व है। इस अवसर पर करणवीर सिंह, संजय सिंह, इंद्र सिंह, ग्राम प्रधान राजकुमार, अमित कुमार, जयवीर सिंह, राशिद अली, संतराम सिंह अजय सागर, दीपचंद, प्रथी सिंह आदि मौजूद रहे।

आठ सौ मीटर दौड़ में समद व अंशू रहे प्रथम

जेएस कालेज में अन्तर महाविद्यालय प्रतियोगिता का दूसरा दिन

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। अन्तरमहाविद्यालय एथलीट प्रतियोगिता के दूसरे दिन खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। आठ सौ मीटर दौड़ बालक वर्ग में मुरादाबाद का समद पहले जबकि महिला वर्ग में बिजनौर की अंशू ने पहला स्थान हासिल किया। विजेता एथलीटों को प्राचार्य वीर विरेन्द्र सिंह ने सम्मानित किया।

जेएस डिग्री कालेज में अन्तरमहाविद्यालय प्रतियोगिता के दूसरे दिन एथलेटिक पुरूष भाला फेंक में आरएसएम कालेज नबीबाबाद का कुलदीप सिंह प्रथम, जेएस का मनदीप दूसरे, रमाबाई गजरौला का गुरवेन्द्र सिंह तीसरे, शार्टपुट पुरूष में जेएस कालेज का प्रियांश प्रथम, केएसएम का प्रीत कुमार दूसरे, केएसएम का सुज्जल कुमार तीसरे, लम्बी कूद में जेएस कालेज का अर्पित चौधरी प्रथम व यहीं का तनिष्क पंवार दूसरे, केजीके मुरादाबाद का मयंक तीसरे, डिस्कस थ्रो में बीएचएम जोया का पुलकित पहले, रज्जाक डिग्री कालेज का हार्दिक दूसरे, जेएस का प्रियांश तीसरे, दस हजार मीटर दौड़ में एमपीईसी चंदौसी का कपिल पहले, अब्दुल रज्जाक का आकाश दूसरे, वीरा डिग्री कालेज का अर्पित धामा तीसरे, 150 मीटर दौड़ में रमाबाई का लवकुश पहले, एनपीईसी चंदौसी का ब्रजेश दूसरे, केजीके मुरादाबाद का सत्यम तीसरे, 800 मीटर दौड़ में केजीके कालेज का समद पहले, एमपीईसी चंदौसी का वंश रमन दूसरे व आरएसएम नजीबाबाद का तरूण राज

तीसरे, पांच हजार मीटर दौड़ में जेएस का गौरव चौधरी पहले, रमाबाई अम्बेडकर का लवकुश दूसरे, एमपीईसी चंदौसी का ब्रजेश तीसरे, 200 मीटर में बीएचडीसी जोया का कौशल कुमार पहले, हिन्दू कालेज का गुरदीप दूसरे आनन्द कुमार तीसरे, ऊंची कूद में जेएस कालेज का परवेज पहले, एएसएम चंदौसी का प्रशांत कुमार दूसरे, रमाबाई अम्बेडकर का नवनीत तीसरे, त्रिकूद में अब्दुल रज्जाक का आदित्य पहले व यहीं का हर्ष दूसरे, जेएस का तनिष्क तीसरे, हैमर थ्रो में बीएचएम जोया का विशाल चौधरी पहले, जेएस कालेज का हरेन्द्र दूसरे, अब्दुल रज्जाक का महताब तीसरे स्थान पर रहा। महिला वर्ग के भाला फेंक एसआरएस लादनपुर की जूही प्रथम, जेएस की तनिशा दूसरे, झम्मनलाल की रिसालत तीसरे, शार्टपुट में जेएस कालेज की खुशी पहले व यहीं की खुशी दूसरे व झम्मनलाल की चंचल तीसरे, लम्बी कूद में जेएस कालेज की हिमांशी पहले, वर्धमान कालेज बिजनौर की भूमि दूसरे व गोकुलदास की प्रियांशी तीसरे, त्रिपल कूद में जेएस कालेज की हिमांशी पहले, एनकेबीएम चंदौसी की आरती दूसरे, डिस्कस थ्रो में अब्दुल रज्जाक की नैनसी पहले व यहीं की शगुन बग्गा दूसरे व जेएस की शिवी चोधरी तीसरे, 10 हजार मीटर दौड़ में एनपीईसी चंदौसी की मधु पहले व यहीं की पूजा दूसरे, वर्धमान बिजनौर की सना तीसरे, 1500 मीटर दौड़ में खजानो डिग्री कालेज की अंशू पहले, जेएस की रिया दूसरे, माडल एजुकेशन चंदौसी की पूजा तीसरे, 800 मीटर दौड़ में एकेडीएम बिजनौर की अंशू पहले, एमपीईसी चंदौसी की अदिति दूसरे, भागीरथी देवी की नीतू तीसरे, पांच हजार मीटर दौड़ में एमपीईसी चंदौसी की मधु पहले, वर्धमान बिजनौर की सजा दूसरे, जेएस कालेज की रिया तीसरे, 200 मीटर में वाईएमएस धनौरा की अनुष्का पहले, एलआरएस नगीना की ईशू दूसरे, जेएस के नेहा तीसरे, ऊंची कूद में जेएस की काजल पहले, एसएमसी चंदौसी की संतोष दूसरे व यहीं की प्रिया तीसरे, हैमर थ्रो केजीके मुरादाबाद की अनुष्का पहले, जेएसएच की दीपांशी दूसरे, बीएचएम की खुशबू तीसरे स्थान पर रहीं।

पालिका ठेकेदार के खाते से 90 हजार उड़ाये

मोबाइल हैक कर दिया वारदात को अंजाम

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। साइबर अपराधियों ने नगर पालिका अमरोहा के ठेकेदार का मोबाइल हैक कर खाते से 90 हजार रुपये उड़ा लिए। योनो एसबीआई का ऐप व्हाट्सऐप पर भेज अपने जाल में फंसा लिया। पुलिस ने मामले में मोबा. इल नंबरों के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शहर के मोहल्ला कटकुई निवासी फैसल जफर नगर पालिका अमरोहा में ठेकदारी करते हैं। वह उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के संगठन में जिला उपाध्यक्ष भी हैं। उन्होंने अपना एक बचत खाता मोहल्ला जट बाजार स्थित एसबीआई की शाखा में खोल रखा है। ऑनलाइन लेन-देन के लिए फैसल जफर योनो एसबीआई ऐप का इस्तेमाल करते हैं। कुछ दिन से उनके मोबाइल में योनो ऐप चल नहीं रहा था। उसी दौरान 9 दिसंबर को उनके मोबाइल पर एक अंजान नंबर से कॉल आई, कॉल करने वाले ने खुद को योनो एसबीआई का अधिकारी बताया, उसने पूछा कि आपका योनो ऐप नहीं चल रहा है। ये बात सुन फैसल जफर ने ऐप नहीं चलने की अपनी शिकायत दर्ज करा दी। इसके थोड़ी देर बाद ही फैसल जफर के पास एक नंबर से व्हाट्सऐप कॉल आई, कॉलर ने उनसे कहा कि मैं आपको व्हाट्सऐप पर एक ऐप भेज रहा हूं, जिसके इंस्टॉल करते ही आपका योनो एसबीआई चल जाएगा। फैसल जफर ने जैसे ही ऐप इंस्टॉल किया वैसे ही उनका मोबाइल हैक हो गया और खाते से 90 हजार रुपये उड़ गए। बैंक द्वारा खाते से पैसे निकलने का मैसेज मिलते ही उनके होश उड़ गए। इसके बाद उन्होंने तुरंत ही एसबीआई के हेल्प लाइन नंबर पर कॉल कर खाते से लेनदेन पर रोक लगवाई। साइबर धोखाधड़ी का शिकार फैसल जफर ने शहर कोतवाली में तहरीर दी थी। सीओ सिटी अभिषेक यादव ने बताया कि मामले में मोबाइल नंबरों के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। साइबर अपराधियों को जल्दी ट्रेस करते हुए पैसा वापस कराया जाएगा।

दबंग पर मारपीट का आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता हसनपुर। दबंग ने युवक के साथ मारपीट कर उसे घायल कर दिया। पुलिस को दे दी है। कोतवाली क्षेत्र के गांव बावनखेड़ी निवासी शेर अली पुत्र मोहम्मद खान का कहना है कि वह सोमवार को लकड़ी की टाल पर थे। उनका कहना है कि किसी बात को लेकर साजिद से कहा सुनी हो गई।आरोप है कि गांव के साजिद पुत्र इमामी ने उनके साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। लकड़ी उठाकर उनकी टांग में मार दी। जिससे वह चोटिल हो गई। पुलिस को आरोपी के खिलाफ तहरीर दे दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नाम बदलने से हालात नहीं बदलते: चन्द्रशेखर

मनरेगा योजना का नाम बदलने पर सांसद चन्द्रशेख ने केन्द्र सरकार को घेरा

शाह टाइम्स ब्यूरो,

अमरोहा। आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं नगीना से सांसद चंद्रशेखर ने केन्द्र सरकार द्वारा मनरेगा योजना का नामकरण बदलने पर कहा कि,

■ **बिहार के मुख्यमंत्री मांगे बेटियों से माफी**

नाम बदलने से हालात नहीं बदलते हैं। इसलिए केवल नाम बदलने से किसान, मजदूर, गरीब की समस्या का समाधान नहीं होने वाला।

अमरोहा के गांव जलालपुर घना में पार्टी पदाधिकारी पुष्पेन्द्र राणा के दिवंगत पिता चंद्रपाल सिंह की श्रद्धांजलि सभा में आए सांसद चन्द्रशेखर ने कहा कि पहले मनरेगा में 90 प्रतिशत पैसा केन्द्र सरकार भेजती थी, जबकि अब 60 प्रतिशत पैसा भेजने की बात सामने आ रही है। यदि उत्तर प्रदेश की बात करें तो प्रदेश सरकार पर पहले ही आठ लाख करोड़ का कर्ज है, ऐसे में क्या उत्तर प्रदेश सरकार इस योजना के लिए धनराशि दे पाएगी।

कहा कि केन्द्र सरकार ने इस योजना का प्रारूप बदलकर गरीब का रोजगार छीनने का काम किया है। कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री द्वारा एक बेटी के चेहरे से नकाब हटाना गलत है। मुख्यमंत्री को स्वयं इस पर खेद व्यक्त करते हुए अब तक बेटियों से माफी मांग लेनी चाहिए थी। कहा कि कोडीन सिरप के मामले में जो भी दोषी हों उनके विरूद्ध कार्रवाई होनी चाहिए।

युवक के शव की शिनाख्त दूसरे दिन भी नहीं

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। गंग नहर किनारे पर पेड़ पर लटके मिले युवक के शव की शिनाख्त सोमवार को दूसरे दिन भी नहीं हो सकी। छानबीन में सिर्फ इतना सामने आया है कि युवक बस्ती में घूमता-फिरता रहता था। घरों और दुकानों से मांगकर अपना पेट भर लेता था। उसने आत्महत्या की है या फिर उसकी हत्या हुई है, इसका खुलासा पोस्टमार्टम के बाद ही हो पाएगा। गौरतलब है कि नौगावां सदात थाना क्षेत्र में कस्बा से सटी गंग नहर के पास गांव सिकरिया को जाने वाले रास्ते के किनारे स्थित पेड़ पर रविवार दोपहर लगभग तीन बजे एक युवक का शव फंदे पर लटका हुआ मिला था। दरअसल एक कार चालक लघुशंका के लिए वहां रुका था। जैसे ही वह सड़क किनारे पेड़ की तरफ गया तो उसकी नजर पेड़ पर लटके शव पर पड़ी थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतारा था। मृतक काले रंग की पैंट व जैकेट पहने हुए था। शिनाख्त न होने पर पुलिस ने शव को मोर्चरी भेज दिया था। प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार ने बताया कि अभी मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी है। सिर्फ इतना पता चला है कि मृतक बस्ती में ही लावारिसों की तरह घूमता-फिरता रहता था। स्थानीय लोगों ने बताया है कि उसकी भाषा भी थोड़ी अलग थी। मृतक की पहचान को लेकर प्रयास किए जा रहे हैं। हत्या या आत्महत्या की स्थिति पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही स्पष्ट हो पाएगी।

दिनदहाड़े दुकानदार का आईफोन चोरी

ऑटो रिक्शा से बैटरी भी चोरी

शाह टाइम्स ब्यूरो

अमरोहा। दिनदहाड़े अंजाम दी गई दो घटनाओं ने शहर कोतवाली पुलिस की सक्रियता पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। जहां चोरों ने एक दुकान के काउंटर पर रखा आईफोन चोरी कर लिया तो वहीं दूसरी घटना चोर सड़क किनारे खड़े ऑटो रिक्शा का बैटरा चोरी कर ले गए। पीड़ितों ने घटनाओं की रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए तहरीर दी है।

शहर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला कैलसा बाईपास निवासी शमी कैलसा रोड स्थित मोहम्मद आलम की गारमेंट्स की दुकान पर नौकरी करता है। घटना रविवार शाम 6 बजे की है। शमी ने अपना आईफोन चार्जिंग पर लगाया था जो काउंटर पर रखा था। मोबाइल चार्जिंग पर लगाने के बाद शमी थोड़ी देर के लिए किसी काम से दुकान के बाहर गया था। उसी दौरान दुकान में घुसा चोर काउंटर पर रखा आईफोन चोरी कर ले गया। दुकान पर लौटे शमी ने काफी तलाश किया लेकिन मोबाइल का कुछ पता नहीं चला। पीड़ित शमी ने अब घटना की रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए तहरीर दे दी है। दूसरी घटना भी शहर कोतवाली की सीमा में कैलसा रोड की है। मोहल्ले में रहने वाला दिलशाद यहां चौराहे पर सब्जी का ठेला लगाता है। शुक्रवार को दिलशाद के बेटे ने अपना ऑटो रिक्शा ठेले के पास सड़क किनारे खड़ा किया था। चोरों ने दी में ही ऑटो रिक्शा का बैटरा चोरी कर लिया। पीड़ितों ने घटना की रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए तहरीर दे दी है हालांकि पुलिस ने मामले में अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की है।

डीएम ने किया अजीतपुर चेक पोस्ट पर देर रात औचक निरीक्षण

■ उप-खनिज परिवहन पूरी तरह वैध पाया गया

शाह टाइम्स ब्यूरो

रामपुर। रविवार को देर रात जिला. धिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने अवैध खनन एवं उप-खनिज के अवैध परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रात्रि लगभग 1:00 बजे अजीतपुर स्थित चेक पोस्ट एवं जीरो पॉइंट पर उप-खनिज का
परिवहन करने वाले वाहनों की आकस्मिक जांच की। जांच के दौरान उपलब्ध वैध प्रपत्रों के आधार पर सभी वाहनों का निरीक्षण किया गया,

जिसमें उप-खनिज का परिवहन पूर्णत: विधिसम्मत पाया गया।
निरीक्षण के दौरान एक खाली वाहन पाया गया, जिसकी नंबर प्लेट आंशिक रूप से क्षतिग्रस्तध्हल्की मुड़ी हुई अवस्था में थी। यातायात नियमों के उल्लंघन को .ष्टिगत रखते हुए उक्त वाहन को नियमानुसार पुलिस की सुपुर्दगी में दे दिया गया।
इसके अतिरिक्त चेक पोस्ट पर तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति तथा कर्तव्य निर्वहन की भी गहन समीक्षा की गई। जांच में सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपने-अपने दायित्वों का पूर्ण निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करते हुए डडूटी पर उपस्थित पाए गए।
निरीक्षण के उपरांत रात्रिकालीन डडूटी पर तैनात सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्पष्ट एवं कड़े निर्देश दिए गए कि भविष्य में यदि कोई भी वाहन बिना वैध प्रपत्रों के अथवा अवैध रूप से उप-खनिज का परिवहन करता हुआ पाया जाए, तो उसके विरुद्ध शासनादेशों के अनुरूप तत्काल कठोर दण्डात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया कि जनपद में अवैध खनन एवं उप-खनिज के अवैध परिवहन के विरुद्ध अभियान आगे भी इसी प्रकार निरंतर जारी रहेगा।

अवैध मिट्टी खनन पर जिला प्रशासन की सख्त कार्यवाही

शाह टाइम्स ब्यूरो

रामपुर। उप जिलाधिकारी शाहबाद द्वारा प्रस्तुत आख्या संख्या-845/एस. टी.दिनांक 21/12/2025 के क्रम में तहसील शाहबाद क्षेत्रान्तर्गत ग्राम बिचपुरी में मिट्टी के अवैध खनन के प्रकरण में प्रभावी कार्यवाही की गई है।
जांच में यह तथ्य प्रकाश में आया कि गाटा संख्या 621 रकबा 0।0730 हे. में ब्रजलाल पुत्र बुद्धी तथा गाटा संख्या 623 रकबा 0।0720 हे. में नत्थू पुत्र बुद्धी, निवासीगण ग्राम मथुरापुर, श्रेणी-1 के संक्रमणीय भूमिधर के रूप में दर्ज हैं। उक्त दोनों गाटा संख्याएं आपस में सटी हुई पाई गईं, जिनमें कुल 3675 घन मीटर मिट्टी का अवैध खनन किया जाना

पाया गया।
प्रकरण में संलिप्त संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध रूपये 15 लाख रूपये पन्द्रह लाख मात्र का अर्थदण्ड आरो. पित किए जाने की कार्यवाही की गई है।
जिला प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि जिन गाटा संख्याओं के लिए मिट्टी निकासी हेतु विधिवत अनुज्ञा पत्र निर्गत किए जाते हैं, केवल उन्हीं गाटों से मिट्टी की निकासी अनुमन्य होगी। इसके विपरीत किसी भी प्रकार का अवैध खनन पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर विधिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

अपनी मर्जी से निरस्त करा दिए नंबर

शाह टाइम्स ब्यूरो

रामपुर। बिलासपुर पब्लिक कैरियर एसोसिएशन के अध्यक्ष ने बताया कि भट्टी टोला निवासी राशिद खां और जावेद खां ने अपनी मर्जी से गाड़ी के नंबर यूनियन से निरस्त करा दिए हैं। अध्यक्ष के अनुसार उनके पास यूपी 54 टी 0636, एचआरएल 3409 और यूपी 21एएन 8233 व यूपीएटी 5502 हैं। यह गाड़ियां अभी तक यूनियन से संबंद्ध थी। लेकिन अब इनके नंबर यूनियन की लिस्ट से निरस्त करा दिए गए हैं। लिहाजा ऐसी स्थिति में अगर इन वाहनों से कोई हादसा होता है तो वाहन स्वामी खुद जिम्मेदार होगा।

बिलासपुर ट्रक यूनियन या फिर किसी अन्य यूनियन की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। वहीं इन वाहनों से अगर किसी भी व्यापारी का कोई भी सामान खुर्द-बुर्द होता है तो ऐसी स्थिति में भी यूनियन की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

सतीश चंद्र गंगवार ने अध्यक्ष और बसंत कुमार ने महासचिव पद के लिए नामांकन भरा

शाह टाइम्स संवाददाता

मिलक। सोमवार को चुनाव अधिक. ारी एडवोकेट बाबूराम गंगवार ने प्रेस नोट के माध्यम से बताया कि बार एसोसिएशन के परिसर में हर्षवर्धन ने संयुक्त सचिव के लिए प्रशासन तथा बसंत कुमार ने महासचिव पद के लिए व वीरेश कुमार ने उपाध्यक्ष 10 वर्ष से अधिक पद के लिए तथा सोमपाल भारतीय ने वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए नामांकन पत्र खरीदे। हर्षवर्धन ने संयुक्त सचिव प्रशासन के लिए एडवोकेट सतीश चंद्र गंग. वार ने अध्यक्ष पद के लिए बसंत कुमार ने महासचिव पद के लिए रमेश चंद्र ने महासचिव पद के लिए व सोमपाल भारतीय ने वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए नामांकन पत्र जमा कराए। वीरेश कुमार ने उपाध्यक्ष पद के लिए 10 वर्ष से अधिक के लिए नामांकन पत्र जमा किया 23 दिसंबर 2025 को नामांकन पत्रों की जांच तथा आपत्ति होगी।

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उ.प्र. का द्विवार्षिक अधिवेशन हुआ आयोजित

शाह टाइम्स ब्यूरो

रामपुर। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उ।प्र। का द्विवार्षिक अधिवेशन कृषि भवन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी एवं पुलिस अधीक्षक विद्या सागर मिश्र उपस्थित रहे।
अपने संबोधन में जिलाधिकारी ने कहा कि कर्मचारियों की सेवा-सम्बन्धी समस्याओं का निराकरण शासन स्तर पर किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि फोरम द्वारा उठाई जाने वाली समस्याओं को जिला प्रशासन द्वारा प्रभावी रूप से शासन स्तर तक पहुंचाया जाएगा, ताकि उनका शीघ्र एवं न्यायोचित

समाधान सुनिश्चित हो सके।
उन्होंने कहा कि कर्मचारियों से जुड़े जो भी विषय अथवा मांगें होती हैं, वे सीधे तौर पर संबंधित अधिकारियों से भी जुड़ी होती हैं।
जिला प्रशासन कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान एवं उनके हितों की रक्षा के लिए सदैव सहयोग हेतु तत्पर है। उन्होंने यह भी कहा कि कर्मचारियों की जो भी समस्याएं हैं, वे सीधे कार्यालय में आकर अवगत करा सकते हैं।
पुलिस अधीक्षक ने अपने संबोधन में कहा कि कर्मचारियों के हितों के संरक्षण के लिए प्रत्एक स्तर पर समितियां गठित होती हैं। उन्होंने कहा कि सेवाकाल के दौरान अनेक प्रकार की समस्याएं उत्पन्न होती हैं, जिनका समाधान कई बार स्थानीय स्तर पर अधिकारी कर देते हैं। कुछ समस्याएं ऐसी होती हैं, जिन्हें फोरम के माध्यम से सही ढंग से प्रस्तुत किए जाने पर उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय लिया जाता है।
उन्होंने कहा कि कर्मचारी अपने कर्तव्यों का निर्वहन राज्यहित में समर्पित भाव से करते हैं तथा संगठन उनकी बातों को सरकार तक पहुंचाने का कार्य करता है।
इस अवसर पर राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के प्रदेश अध्यक्ष हरिकिशोर त्रिपाठी, मण्डलीय अधिकारी, चुनाव अधिकारी नरेन्द्र पाल, मण्डलीय अध्यक्ष आसिफ हसन, जिला अध्यक्ष पंडित राम बाबू शर्मा सहित परिषद के अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

करीमपुर के जंगल मे दिखे तीन तेंदुए की वीडियो वायरल

शाह टाइम्स संवाददाता

मसवासी। क्षेत्र के गांव करीमपुर मे तेंदुए देखे जाने से ग्रामीणों मे दहशत का माहौल पेदा हो गया है।
लोग जंगल जाने से कतरा रहे है सोमवार को क्षेत्र के गांव करीमपुर एक साथ तीन तेंदुए देखे जाने से ग्रामीणो मे दहशत फैल गई ही लोगो ने खेतो पर जाना बन्द कर दिया है काफी समय से करीमपुर कुन्दनपुर धर्मपुर चौहद्दा मे तेंदुए देखे जा रहे है दो दिन

पूर्व बन विभाग ने भी तेंदुआ पकड़ने के लिए कुन्दनपुर के जंगल मे पिंजरा लगा रखा लेकिन तेंदुआ वहा न पहुंचकर करीमपुर के जंगल मे दिखाई दिए है एक नही दो नही तीन तेंदुए एक साथ किशन लाल मौर्य के लहसुन मे के खेत एक साथ दिखाई दिए एक साथ तीन तेंदुए देखे जाने ग्रामीण क्षेत्र मे दहशत मच गई लोगो ने अपने खेतो पर जाना बन्द कर,दिया है एक साथ तीन तेंदुए देखे जाने की सूचना बन विभाग को देदी गई है।

रास डंडिया को ब्लॉक बनाने की मांग हुई तेज, सीएम को भेजे गए 200 पोस्टकार्ड

शाह टाइम्स संवाददाता

मिलक। नवीन बिकास खंड की आबाज तेजजनपद रामपूर के रास डंडिया को नया ब्लॉक ‍द्धविकास खंडऋ घोषित कराने के लिए क्षेत्रीय ग्रामीणों का संघर्ष अब और भी प्रखर हो गया है। इसी क्रम में आज ग्राम गदईया ‍द्धनिकट हरसूनगलाऋ में दर्जनों ग्रामीणों ने एकत्रित होकर अपनी मांग के समर्थन में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लगभग 200 पोस्टकार्ड भेजकर अपनी आवाज बुलंद की। हर न्याय पंचायत में चल रहा अभियान क्षेत्रीय विकास की इस लड़ाई को निर्णायक मोड़ पर ले जाने के लिए अभियान को व्यापक स्तर पर चलाया जा रहा है। आयोजन समिति के अनुसार, यह

कार्य केवल एक गांव तक सीमित नहीं है, बल्कि सभी न्याय पंचायतों में सक्रिय रूप से चल रहा है। ग्रामीणों का मानना है कि रास डंडिया को ब्लॉक का दर्जा मिलने से क्षेत्र में विकास कार्यों की गति बढ़ेगी और आम जनता को सरकारी सुविधाओं के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ेगी। संघर्ष में जुड़ने की अपील आंदोलनकारियों ने अपील की है कि अधिक से अधिक ग्रामीण इस मुहिम का हिस्सा बनें। जो भी ग्रामीण इस संघर्ष में अपना सहयोग देना चाहते हैं या पोस्टकार्ड के माध्यम से अपनी बात मुख्यमंत्री तक पहुंचाना चाहते हैं, वे संगठन के अध्यक्ष से उनके मोबाइल नंबर 8475975233 पर संपर्क कर पोस्टकार्ड प्राप्त कर सकते हैं। लगातार चल रहे इस संघर्ष का परिणाम अवश्य निकलेगा। जब तक हमारी मांग पूरी नहीं होती, यह लो. कतांत्रिक आंदोलन जारी रहेगा। क्षेत्रीय ग्रामीण
क्षेत्र के लोगों में इस अभियान को लेकर भारी उत्साह देखा जा रहा है और आने वाले दिनों मेंन पोस्टकार्ड भेजने की इस मुहिम में और तेजी आने की संभावना है।

हेपेटाइटिस की जांच के साथ-साथ सामान्य स्वास्थ्य जांच एवं उपचार को स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

रामपुर। महानिदेशालय, उ.प्र. लखनऊ एवं परियोजना निदेशक, उ.प्र. राज्य एड्स नियन्त्रण सोसाइटी, लखनऊ के निर्देशानुसार बस डिपो रामपुर में कार्यरत चालक, परिचालक एवं सहयोगी स्टाफों का HIV,TB, STI, Syphilis, हेपेटाइटिस की जांच के साथ-साथ सामान्य स्वास्थ्य जांच एवं उपचार हेतु स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।
मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. दीपा सिंह ने बताया कि स्वास्थ्य शिविर में नेत्र जांच व सामान्य रक्त परीक्षण, HIV परामर्श व जांच, TB की स्क्रीनिंग व जांच,STI की परामर्श व जांच, हेपेटाइटिस की जांच व परामर्श एवं Syphilis की जांच व परामर्श दिया गया, जिसमें कुल 54 चालक

परिचालक एवं सहयोगी स्टाफ का परीक्षण एवं जांचे की गई।
32 व्यक्तियों की आंखों की जांच की गई एवं 44 व्यक्तियों की टी.बी. की जांच एवं एक्स-रे किए गए। 54 व्यक्तियों की HIV, STI, Syphilis, हेपेटाइटिस की जांच की गई। एक व्यक्ति भ्प्ट एवं एक व्यक्ति हेपेटाइटिस-सी पॉजिटिव पाए गए। पॉजिटिव पाए गए व्यक्तियों को उपचार हेतु जिला चिकित्सालय, रामपुर रेफर किया गया।
शिविर में उपस्थित काउंसलर द्वारा HIV, TB, STI, Syphilis, हेपेटाइटिस बीमारी के बारे में जागरूक किया गया एवं बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से बताया गया।
शिविर में डॉ. शम्मी कपूर, नेत्र सर्जन, डॉ. हैदर अली, चिकित्साधिकारी, प्रदीप कुमार व शकील अहमद, काउन्सलर, कहकशा तौफीक व मो. हसिन, लैब टैक्नीशियन, धरमवीर व सरोज कुमारी, स्टाफ नर्स आदि उपस्थित रहे।

नगर के नर्सिंग होम पर बच्चे की मौत, जच्चा की 2 दिन बाद उपचार के दौरान मौत, परिवार में मचा कोहराम

शाह टाइम्स संवाददाता

मसवासी। नगर के एक नर्सिंग होम पर सही इलाज न मिलने के कारण बच्चे की मौत हो गई जबकि गंभीर हालत में जच्चा को काशीपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां उपचार के दौरान उसकी भी मौत हो गई। सूचना पर स्वास्थ्य विभाग के नोडल अधिकारी ने नर्सिंग होम पर छापेमार करवाई कर ओटी को सील कर दिया और कारण बताओं नोटिस अस्पताल पर चश्पा किया है। नगर के मोहल्ला वार्ड नंबर 13 तेलीपुरा निवासी एक ग्रामीण की पत्नी को नगर के खुशहालपुर मार्ग स्थित एक नर्सिंग होम पर 4 दिन पूर्व प्रसव कराया गया था । बच्चे की हालात पैदा होते ही खराब हो गई थी और उसकी अस्पताल में ही मौत हो गई थी जबकि जच्चा की हालत दो दिन तक अस्पताल में मरणासन्न रही । जच्चा को परिवार के साथ

अस्पताल संचालक काशीपुर ने एक निजी अस्पताल में ले जाकर भर्ती कराकर आया था । रविवार की देर शाम जच्चा ने भी हालत गंभीर होने पर इलाज के दौरान जच्चा ने भी दम तोड़ दिया जिससे परिवार में कोहराम मच गया है। उधर नोडल अधिकारी डॉ. देवेश कुमार चौधरी ने सूचना पर अस्पताल पर छापेमार कार्रवाई की । और ओटी को सील कर अस्पताल पर नोटिस चशमा किया है। सूचना पाकर अस्पताल संचालक छापेमार कार्रवाई से पूर्व भी फरार हो गया। नोडल अधिकारी देवेश कुमार चौधरी ने बताया की मेडिकल दस्तावेज तलब किए गए हैं न मिलने पर अस्पताल संचालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सैफनी नगर में मार्गो को खोदकर डाले जा रहे जल पाईप घर से निकलना हुआ लोगों का दूभर

शाह टाइम्स संवाददाता

सैफनी। सोमवार नगर में कई दिनों से नगर पंचायत द्वारा संपूर्ण नगर में मार्गो में पड़े आर सी सी रोड़ों का ध्वस्तीकरण कर जल निगम के द्वारा लगाए जा रहे जल पाईप यह ध्वस्तीकरण सरकार को लगा रही है। लाखों का चूना अगर यही जल पाईप आर सी सी रोड पड़ने से पहले लगाए जाते तो आर सी सी रोड़ों का ध्वस्तीकरण नहीं करना पड़ता। बुल्डोजर द्वारा मार्गो की खुदाई होने से लोगों का घर से निकलना दूभर हो गया है। आए दिन मार्गो की खुदाई होने से दुर्घटनाएं होने की संभावनाएं हो सकती है देर शाम को घने कोहरे होने से कुछ दिखाई न देने के कारण लोग खोदे गए गहरे गड्डों में गिर सकते है। इसी कार्य को आर सी सी रोड पड़ने से पहले करना चाहिए था इससे तो सरकार का बहुत भारी नुकसान हो रहा है लेकिन नगर पंचायत के इन कार्यों पर किसी भी आला अधिकारियों का कोई ध्यान नहीं है।

मिलावटखोरी के खिलाफ चला अभियान भरे गए नमूनें

शाह टाइम्स ब्यूरो

रामपुर। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी के निर्देशानुसार आम जनमानस को सुरक्षित खाद्यध्पेय पदार्थ उपलब्ध कराए जाने हेतु खाद्य एवं पेय पदार्थों में मिलावट पर प्रभावी रोकथाम हेतु सहायक आयुक्त खाद्य अभिहित अधिकारी सुनील कुमार शर्मा द्वारा विशेष अभियान चलाया गया।
विशेष छापामार अभियान में टाण्डा स्थित जयपाल पुत्र रामपाल की बेकरी केक निर्माण इकाई से केक का 01 नमूना लिया गया और लगभग 02 कि.ग्रा. दूषित केक और अन्य पदार्थो को नष्ट कराया गया। स्वार स्थित एच.टी. केक बेकर्स के मोहम्मद हुसैन पुत्र अतीक से केक का 01 नमूना लिया गया। दोनों केक निर्माण

इकाईयों में अस्वच्छकर स्थिति में सुधार हेतु कार्यवाही की गई।
इस प्रकार खाद्य पदार्थ केक के कुल 02 विधिक नमूना संग्रहीत करके जांच हेतु प्रयोगशाला भेजे गए। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरान्त मिलावट की प्रकृति के अनुरूप सुसंगत धाराओं में वाद योजित किया जाएगा।
सचल दल में खाद्य सुरक्षा अधिक. ारीगण मनोज कुमार, धर्मपाल सिंह, राहुल शुक्ला, अजरा बी मोहम्मद उपस्थित रहे।

रामपुर बस अड्डे पर भव्य नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

■ सड़क परिवहन कर्मियों एवं यात्रियों के स्वास्थ्य की सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

शाह टाइम्स ब्यूरो

रामपुर। उत्तर प्रदेश राज्य सरकार के निर्देशानुसार एवं जनस्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए आज दिनांक 22 दिसंबर 2025 को सड़क परिवहन विभाग में कार्यरत चालक, परिचालक, अन्य कर्मचारियों तथा यात्रियों के स्वास्थ्य परीक्षण हेतु नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन रामपुर बस अड्डे पर किया गया।
इस स्वास्थ्य शिविर का मुख्य उद्देश्य सड़क परिवहन से जुड़े कर्मियों के स्वास्थ्य की नियमित जांच कर उन्हें गंभीर व संक्रामक बीमारियों से समय रहते सुरक्षित रखना तथा आम यात्रियों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। शिविर के दौरान बड़ी संख्या में चालकों, परिचालकों एवं यात्रियों ने पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।
शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा एचआईवी, सिफलिस, हेपेटाइटिस बी एवं सी, नेत्र परीक्षण, एक्स-रे तथा टीबी ‍द्धक्षयरोगऋ जांच की गई। जांच के दौरान एक व्यक्ति में एचआईवी संक्रमण एवं तीन व्यक्तियों में

हेपेटाइटिस-सी संक्रमण की पुष्टि हुई। सभी संक्रमित पाए गए व्यक्तियों को गोपनीयता बनाए रखते हुए आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया गया तथा आगे के उपचार एवं जांच हेतु संबंधित स्वास्थ्य केंद्रों में संदर्भित किया गया।
इस अवसर पर डिप्टी मुख्य चिकित्साधिकारी ‍द्धसीएमओऋ जिला चिकित्सालय रामपुर के निर्देशन में चिकित्सकीय दल, पैरामेडिकल स्टाफ एवं स्वास्थ्य कर्मियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। वहीं चेतना सेवा संस्थान, रामपुर की ओर से परियोजना प्रबंधक अंकित गुलाटी सहित समस्त स्टाफ ने शिविर के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया।
स्वास्थ्य शिविर के आयोजन से परिवहन कर्मियों एवं यात्रियों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ी और इस पहल की सराहना की गई। अधिक. ारियों ने बताया कि भविष्य में भी ऐसे स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर जनस्वास्थ्य को और अधिक सु.ढ़ किया जाएगा।

सैफनी-शाहबाद बिलारी मार्ग पर अवैध रूप से चल रहे टेंपू, आए दिन हादसे होने का दे रहे संकेत

शाह टाइम्स संवाददाता

सैफनी। शाहाबाद बिलारी मार्ग सहित छितौनी मार्ग पर आए दिन लगा रहता है चक्का जाम आने जाने वाले यात्रियों का निकलना हो रहा है दूभर बताते चले कि नगर के बस स्टैंड पर अवैध रूप से चल रहे टेंपू जिनके पास दस्तावेजों के नाम पर कुछ नहीं है ऐसे टेम्पो भूस की तरह भरकर सवारियों को सैफनी से शाहाबाद व बिलारी ले जा रहे। जबकि ऐसी स्थिति में कोई भी बड़ा हादसा हो सकता है आए दिन बड़े बड़े सड़क हादसों में बीते दिनों कई लोगों की जाने जा चुकी है जबकि ऐसे टेम्पो चालकों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही करनी चाहिए लेकिन परिवहन विभाग सहित प्रशासन का इस ओर कोई ध्यान नहीं है सभी आलाधिकारी देख कर भी अनदेखा कर रहे है।

इनकी चुप्पी साफ जबाव दे रही है कि कोई न कोई मिली भगत से ऐसे अवैध रूप से चल रहे है।

टेम्पो वही ई रिक्शा चालक भी नगर में बस स्टैंड से छितौनी मार्ग पर मचा रहे है तूफान आए दिन हो रहे है सड़क हादसे ई रिक्शा चालक सड़कों पर बेखौफ खड़े होकर सवारियों का करते है इंतजार बाईक और अन्य बड़े वाहनों का निकलना दूभर हो गया है और तो ओर पैदल जा रहे यात्रियों का तो बहुत ही बड़ी समस्या बनी हुई है लेकिन आलाधिकारी अपनी आंखों को बंद व कानों में तेल डाले हुए है।

मालूम होता है कि नगर पंचायत व प्रशासन की देख रेख में चल रहे है।

टुकटुक से गिरकर चार वर्षीय मासूम की मौत

नानी के घर से मां के साथ लौट रहा था बच्चा

शाह टाइम्स संवाददाता

बहेड़ी। टुकटुक से गिरकर एक बच्चे की मौत हो गई जिससे उसके घर में कोहराम मच गया। बच्चे को गमगीन माहौल में दफन कर दिया गया।

रविवार की रात में एक हृदयविदारक हादसे ने पूरे इलाके को गहरे शोक में डुबो दिया। लगभग चार वर्षीय मासूम मोहम्मद उजैन की टुकटुक (ई-रिक्शा) से गिरकर दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद मोहल्ले में उथल पुथल मच गई। परिजनों के मुताबिक उजैन अपनी मां के साथ नानी के घर से वापस अपने घर मोहल्ला तलपुरा

आ रहा था।

रास्ते में वह टुकटुक में खेलते हुए अचानक असंतुलित हो गया और नीचे गिर पड़ा और वह टुकटुक के टायर के नीचे आ गया, जिससे उसके सिर में गंभीर चोट लग गई। घबराए परिजन आनन-फानन में उसे अस्पताल लेकर रवाना हुए लेकिन तब तक उसकी मौत हो गई। मासूम की मौत की सूचना मिलते ही घर में कोहराम मच गया। मां का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं पिता और अन्य परिजन सदमे में हैं। मृतक के पिता इंतिखाब स्टार नैनीताल रोड स्थित यूनियन बैंक के पास स्टार नाम से मोटरसाइकिल की दुकान चलाते हैं। घटना के बाद से इलाके में शोक का माहौल है और हर आंख नम दिखाई दे रही है।

लोगों ने ई रिक्शा के दाहिनी साइड को जाल से बंद करने की मांग की है।

उन्होंने कहा है कि टुकटुक पर सवारियों का निर्धारण किया जाए और उसमें कम सवारियों को बिठाया जाए इसमें पुलिस और प्रशासन हस्तक्षेप कर इस व्यवस्था को बनाए।

पति ने की दूसरी शादी, पहली के जेवर हड़पकर घर से निकाला

शाह टाइम्स संवाददाता

नवाबगंज। थाना नवाबगंज क्षेत्र में एक विवाहिता के साथ धोखाधड़ी, मारपीट और साजिशन दूसरी शादी का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने पति समेत 15 नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ग्राम लाईखेड़ा निवासी अंजुम बी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसका निकाह 9 जून 2021 को शावेज पुत्र सद्दीक हुसैन निवासी वार्ड नंबर 10, कस्बा फतेहगंज के साथ मुस्लिम रीति-रिवाज से हुआ था। निकाह के कुछ समय बाद ही उसके पति के सीमा वी नाम की महिला से संबंध हो गए। पीड़िता के अनुसार, विरोध के बावजूद ससुराल पक्ष नहीं माना और 15 मई 2025 को बिना तलाक के साजिश के तहत शावेज का दूसरी महिला सीमा वी से निकाह करा दिया गया। जब अंजुम वी को इसकी जानकारी हुई और उसने अपने जेवरात वापस मांगे तो ससुरालियों ने साफ कह दिया कि अब उसका इस घर से कोई लेना-देना नहीं है और उसके जेवर दूसरी पत्नी को दे दिए गए हैं।

आरोप है कि दूसरी शादी का विरोध करने पर पति, दूसरी पत्नी और ससुराल के अन्य लोगों ने उसके साथ गाली-गलौज की और मारपीट कर उसे घर से

बाहर निकाल दिया। पीड़िता किसी तरह जान बचाकर वहां से निकली और बाद में थाना नवाबगंज पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने अंजुम वी की तहरीर पर पति शावेज, दूसरी पत्नी सीमा वी, ननद साकरा उर्फ गुड़िया, ननदोई अतहर खां, अनम, उमम, जेठानी इस्बार, सास खुर्शीद, ससुर अफसर अली समेत कुल 15 नामजद आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 82, 85, 115(2), 352 और 61(2) के तहत मुकदमा दर्ज किया है। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक छाया सागर को सौंपी गई है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एक नजर

ओसवाल चीनी मिल के बकाये पर एमएलसी महाराज सिंह ने लिखा प्रमुख सचिव को पत्र

शाह टाइम्स संवाददाता

नवाबगंज। क्षेत्र की ओसवाल चीनी मिल पर किसानों के गन्ना मूल्य का भुगतान न किए जाने का मामला अब विधान परिषद तक पहुँच गया है। विधान परिषद सदस्य कुँवर महाराज सिंह ने प्रमुख सचिव विधान परिषद उत्तर प्रदेश को पत्र लिखकर सदन का ध्यान जनपद बरेली की नवाबगंज तहसील परिसर में चल रहे किसानों के धरना-प्रदर्शन की ओर आकृष्ट कराया है।

पत्र में एमएलसी कुँवर महाराज सिंह ने अवगत कराया कि ओसवाल चीनी मिल, बरेली ने किसानों का बीते दो वर्षों का लगभग 58.09 करोड़ रुपये का गन्ना मूल्य भुगतान नहीं किया है। समय से भुगतान न होने के कारण किसान गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। मजबूर होकर किसानों को नवाबगंज तहसील परिसर में धरना-प्रदर्शन शुरू करना पड़ा है। उन्होंने पत्र में लिखा है कि किसान देश के अन्नदाता हैं और उनकी मेहनत व पसीने की कमाई का समय पर भुगतान किया जाना अत्यंत आवश्यक है। लेकिन भुगतान लंबित रहने से किसानों में रोष एवं क्षोभ व्याप्त है। वर्तमान स्थिति अत्यंत गंभीर और चिंताजनक बनी हुई है। एमएलसी कुंवर महाराज सिंह ने इसे लोक महत्व का तात्कालिक, अविलम्बनीय एवं सुनिश्चित विषय बताते हुए सदन का ध्यान आकृष्ट कराया है तथा मांग की है कि ओसवाल चीनी मिल, बरेली द्वारा किसानों के गन्ना मूल्य का अविलंब भुगतान सुनिश्चित कराया जाए।

नवाबगंज में बिजली बिल राहत योजना के लिए निकली जागरूक रैली

शाह टाइम्स संवाददाता

नवाबगंज। बिजली विभाग के आला अधिकारियों के निर्देशो पर नवाबगंज कस्बे में उपभोक्ता जागरूकता रैली निकाली गई। इस रैली का उद्देश्य बकाया उपभोक्ताओं को बिजली बिल राहत योजना के तहत अपने बिल जमा कर छूट का लाभ लेने के लिए जागरूक करना था।

योजना के पहले चरण में "पहले आओ, ज्यादा पाओ" के अंतर्गत उपभोक्ताओं को मूलधन पर अधिकतम 25 प्रतिशत और सर्चार्ज पर 100 प्रतिशत छूट दी जाएगी। जागरूकता यात्रा के दौरान सभी उपभोक्ताओं से अपील की गई कि वे इस योजना का लाभ अवश्य उठाएं। इस अभियान में उपखंड (एसडीओ) अधिकारी राजेंद्र सिंह, अवर अभियंता नीरज कुमार के साथ समस्त मीटर रीडर, सुपरवाइजर और लाइनमैन शामिल रहे।

जिलाधिकारी ने विकास विभाग की सीएम डैशबोर्ड की करी समीक्षा

शाह टाइम्स ब्यूरो

बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में आज विकास विभाग की सीएम डैशबोर्ड की बैठक कलेक्ट्रेट स्थित सभागार सम्पन्न हुई। बैठक में सीएम डैशबोर्ड पर डी एवं ई श्रेणी वाले विभागों की समीक्षा करते हुये उनको अपनी रैंकिंग में सुधार लाने के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिये गये।

बैठक में अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा गया कि दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना में प्राप्त आवेदनों समया अंतर्गत अग्रसारित किया जाये। बैठक में स प्रधानमंत्री किसान सम्मन निधि की समीक्षा के दौरान पाया गया कि इस समय पोर्टल बन्द चल रहा है पोर्टल खुलते ही किसान सम्मान निधि के लाभार्थियों का सत्यापन कार्य पूर्ण कराया जाये। उन्होंने जिला विकास अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि फैमिली आईडी में जो भी हमारी पेंडेंसी ब्लॉक स्तर पर चल रही है उसे खण्ड विकास अधिकारियों के साथ बैठक कर समाप्त कराया जाए। उन्होंने समस्त अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि इसमें किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए, तथा लगातार अपने स्तर से मॉनिटरिंग भी की जाए। बैठक में विभिन्न प्रकार की पेंशनों के सत्यापन कार्य की समीक्षा करते हुये पाया गया कि पुराने समस्त प्रकरणों का सत्यापन कर दिया गया है। विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना में भी स्थिति अच्छी है तथा श्रमिकों के राशन कार्ड बनाने में भी अच्छा कार्य हुआ है कुछ कार्ड तकनीकी समस्या के कारण नहीं बन पा रहे हैं। बैठक में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु निर्देश दिये गये कि ऐसे आस्थान जिनका विद्युत उपयोग 25 किलोवाट से ज्यादा है उनका चिन्हांकन करते हुये उन्हें इस योजना से लाभान्वित किया जाये। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी देवयानी, मुख्य चिकित्साधिकारी विश्राम सिंह, जिला विकास अधिकारी दिनेश कुमार,परियोजना निदेशक डी.आर.डी.ए चन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव, डीसी मनरेगा हबीब अंसारी, उपयुक्त उद्योग विकास यादव, जिला पंचायत राज्य अधिकारी कमल किशोर, जिला कृषि अधिकारी ऋतुषा तिवारी सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

केसीएमटी कॉलेज के छात्र मोहम्मद हैदर ने रचा फिर इतिहास

शाह टाइम्स संवाददाता

सेंथल। छात्र मोहम्मद हैदर ने एक बार फिर लखनऊ के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में हुई टाइकबांडों प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतकर अपने कस्बे, अपने जिले और अपने प्रदेश का नाम रौशन किया है। इस प्रतियोगिता में प्रदेश भर के लोगों ने भाग लिया था।

छात्र मोहम्मद हैदर ने सबको पछाड़ते हुए गोल्ड मैडल झटक लिया। इससे पूर्व कानपुर, लखनऊ, गोरखपुर दिल्ली और फिर लखनऊ में भी हुई प्रतियोगिता में मैडल जीत चुके हैं। आज सुबह अपने कस्बा लौटे इस होनहार छात्र को कस्बा वासियों ने कांधे पर उठाकर खुशी का इजहार किया लोगों ने मिठाई खिलाई मुबारकबाद दी और जमकर इस्तकबाल किया।

नगर पंचायत अध्यक्ष कंबर एजाज शानू ने छात्र मोहम्मद हैदर को अपने कस्बे का हीरो बताते हुए भूरि भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मोहम्मद हैदर एक जुनूनी छात्र हैं और लक्ष्य को पाने का उनकी आंखों में मैंने जुनून देखा है। मैं उनके रौशन मुस्तकबिल की कामना करता हूँ और साथ ही वायदा करता हूँ कि उनके संसाधनों में कमी नहीं आने दूंगा। छात्र मोहम्मद हैदर नगर पंचायत में सफाई नायक के पद पर नियुक्त रईस हैदर के पुत्र हैं।

राष्ट्रीय दिवस पर सेंथल के गणितज्ञ इच्छाराम गुरूजी हुए सम्मानित

शाह टाइम्स संवाददाता

सेंथल। राष्ट्रीय गणित दिवस 22 दिसंबर को रामानुजन के जयंती पर मनाया जाता है। इस दिन को उस गणितज्ञ के सम्मान में मनाया जाता है, जिसने अनंत की खोज की।

एक ऐसे गणितज्ञ का जन्मदिन, जिसने महज 32 साल के जीवन में गणित की 4 हजार से ज्यादा ऐसी प्रमेय (थ्योरम) पर रिसर्च की, जिन्हें समझने में दुनियाभर के गणितज्ञों को भी सालों लगे। यहां तक कि उनकी मॉक थीटा फंक्शन को 2012 में प्रोफेसर केन ओनो ने सही ठहराया, जो ब्रिटेन की सबसे प्रतिष्ठित रॉयल सोसायटी का सबसे कम उम्र का फेलो बना।

रामानुजन का जन्म 22 दिसंबर 1887 को तमिलनाडु (उस वक्त के मद्रास) में हुआ था। रामानुजन, जिन्हें गणित के अलावा किसी दूसरे सब्जेक्ट में इंट्रेस्ट नहीं था। वे 11वीं में गणित को छोड़ बाकी सभी विषयों में फेल हो गए। अगले साल प्राइवेट परीक्षा देकर भी 12वीं पास नहीं कर पाए। जिस स्कूल में वो 12वीं में दो बार फेल हुए आज उसका नाम रामानुजन के नाम पर है। 12वीं के बाद घर चलाने के लिए उन्होंने मद्रास पोर्ट कोर्ट में क्लर्क की नौकरी की, लेकिन वहां भी गणित के फॉर्मूले ही गढ़ते रहे। करीब साल भर की नौकरी के दौरान सैकड़ों फॉर्मूले एक रजिस्टर में लिख डाले। 16 साल की उम्र में जानकी अम्मल से शादी हो गई। मगर गणित से प्यार तब भी कम न हुआ। इसी बीच, लेटर के जरिए कुछ फॉर्मूले कैंब्रिज यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर जीएच हार्डी को भेजे। हार्डी उनसे इतना प्रभावित हुए कि उन्होंने रामानुजन को लंदन बुला लिया। उनके मेंटर बने। दोनों ने मिलकर गणित के कई रिसर्च पेपर पब्लिश किए। उनके रिसर्च को अंग्रेजों ने भी सम्मान दिया। उन्हें रॉयल सोसायटी में जगह मिली। वो ट्रिनिटी कॉलेज की फेलोशिप पाने वाले पहले भारतीय भी बने, लेकिन, रामानुजन को लंदन की आबो-हवा रास नहीं आई और उन्हें भारत लौटना पड़ा। उन्हें टीबी हो गई और एक साल की बीमारी के बाद अप्रैल 1920 में उनका निधन हो गया। 2015 में रामानुजन के जीवन पर 'द मैन हू न्यू इन्फिनिटी' फिल्म भी बनी।

फिल्म में देव पटेल ने उनका किरदार निभाया था। ये फिल्म रॉबर्ट कैनिगल की किताब 'द मैन हू न्यू इन्फिनिटी: अ लाइफ ऑफ द जीनियस रामानुजन' पर आधारित थी। राष्ट्रीय गणित दिवस के मौके पर सैंथल नगर पंचायत के गणितज्ञ इन्छारामजी गुरुजी का नगर के युवा जोश ने माल्यार्पण कर शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया व गणित दिवस की शुभकामनायें बधाई प्रेषित की। सैंथल नगर के श्री प्रेमचन्द गुप्ता बाबू जी भी गणित विषय के महाज्ञाता थे।

मुकेश हत्याकांड: परिजनों ने एसएसपी से न्याय की मांग की

शाह टाइम्स संवाददाता

सेंथल। नगर पंचायत निवासी युवक मुकेश मौर्य (22) की 4 दिसंबर 2025 की रात्रि को हुई निर्मम हत्या के मामले में परिजन न्याय की मांग को लेकर आज वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बरेली के कार्यालय पहुँचे। परिजनों ने आरोप लगाया कि मुकेश के साथ अत्यंत बर्बरता की गई, जिससे उसकी पसलियाँ टूट गईं तथा फेफड़े व लीवर फट गए।

पीड़ित परिवार का कहना है कि हत्या में और लोग शामिल थे, लेकिन नामजद आरोपियों में से अब तक केवल दो की ही गिरफ्तारी हुई है, जबकि अन्य आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं। प्रशासनिक कार्रवाई से असंतुष्ट परिजनों ने कड़ी कार्रवाई की मांग की। एसएसपी बरेली ने परिजनों को आश्वासन दिया कि मामले की निष्पक्ष

जांच कर सभी दोषियों को गिरफ्तार कर कानून के अनुसार कड़ी सजा दिलाई जाएगी। इस दौरान विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष बाबूराम गंगवार, जिला मंत्री अविनाश मिश्रा, प्रतिष्ठित व्यापारी व समाजसेवी दीपू गुप्ता, विहिप महानगर मन्त्री संजय शुक्ला, पूर्व सभासद सेवाराम मौर्य, रूपकिशोर सहित मृतक के परिजन व अन्य लोग मौजूद रहे।

हरिजन बस्ती में मार्ग निर्माण की मांग, दिया गया एसडीएम को पत्र

शाह टाइम्स संवाददाता

सेंथल। कस्बे के मोहल्ला हरिजन बस्ती में एक दशक पूर्व विजय के मकान से बाबूलाल के मकान मार्ग का निर्माण नगर पंचायत द्वारा कराया गया था जिसकी हालत अब बहुत खस्ता हो चुकी है, बरसात के मौसम में अब उस मार्ग पर चला भी नहीं जाता है जिसकी वजह से मोहल्ला वासियों को जबरदस्त असुविधा झेलनी पड़ रही है।भाजपा नेता विनय चौधरी ने एसडीएम नवाबगंज को प्रार्थना पत्र देकर यथा शीघ्र मार्ग निर्माण कराए जाने की मांग की है।विनय चौधरी ने अपने मांग पत्र में लिखा है कि वह अनेक बार नगर पंचायत में भी अपनी बात रख चुके हैं लेकिन सुनवाई नहीं होती है।उन्होंने जनसुविधा को ध्यान में रखकर शीघ्र निर्माण कराए जाने की कृपा करें।

अजमेर में 27 का होगा कुल शरीफ, दरगाह आला हजरत पर भी अदा की जाएगी कुल की रस्म

शाह टाइम्स ब्यूरो

बरेली। ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती संजरी अजमेरी का 814 उर्स अजमेर शरीफ में चल रहा है। अजमेर शरीफ में माहे रजब का चांद 21 दिसंबर को नजर आ गया है। इस इतिबार से कुल शरीफ की रस्म 27 दिसंबर(शनिवार) को अदा की जाएगी। बरेली में भी चांद की शरई शहादत मिल जाती है तो दरगाह आला हजरत पर भी 27 दिसंबर को सुबह 11 बजे कुल शरीफ की रस्म दरगाह प्रमुख हजरत मौलाना सुब्हान रजा खान (सुब्हानी मियां) की सरपरस्ती व सज्जादानशीन बदरूशरिया मुफ्ती अहसन मियां की सदारत में अदा की जाएगी।

मीडिया प्रभारी नासिर कुरैशी ने बताया कि उर्स में शिरकत के लिए दुनिया भर से अकीदतमंद अजमेर शरीफ पहुंचते है। बरेली से भी बड़ी संख्या में अकीदतमंद जाते है। उधर सिटी स्टेशन पर भी देश भर के जायरीन बसों द्वारा पहुंच रहे है। अब तक सैकड़ों की संख्या में देश के विभिन्न सूबों बसे पहुंच चुकी है। इनका पड़ाव सिटी सब्जी मंडी से दूल्हा मियां के मजार तक है। इनकी सहूलियत के लिए नगर निगम व दरगाह की ओर से कैंप लगाया गया है।

ये कैंप 24 दिसम्बर तक चलेगा। यहां टीटीएस के वालंटियर्स रात दिन जायरीन की खिदमत में लगे है। दरगाह की तरफ से जायरीन के लिए,चाय,पानी,लंगर व अलाव की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा जिला प्रशासन द्वारा मोबाइल शौचालय,पानी के टैंक और डॉक्टर दवाई की भी व्यवस्था है।

कैम्प में शाहिद नूरी, तनवीर रजा, मंजूर रजा, परवेज नूरी, ताहिर अल्वी, औरंगजेब नूरी, हाजी जावेद खान, अजमल नूरी, नासिर कुरैशी, मुजाहिद बेग, इशरत नूरी, सय्यद एजाज, साजिद नूरी, सबलू अल्वी, अब्दुल माजिद, आरिफ नूरी, अजमल रजा, समी रजा, हाजी अजहर बेग, जोहेब रजा, सुहैल रजा, इरशाद रजा, शाद रजा, नईम नूरी, काशिफ सुब्हानी, सय्यद माजिद आदि अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

थाना मीरगंज में एएसपी दक्षिणी का सघन निरीक्षण

महिला-बाल सुरक्षा, साइबर अपराध और यातायात व्यवस्था पर दिए सख्त निर्देश

शाह टाइम्स ब्यूरो

बरेली। पुलिस अधीक्षक दक्षिणी, बरेली अंशिका वर्मा ने सोमवार को थाना मीरगंज का अर्धवार्षिक निरीक्षण कर थाना स्तर की व्यवस्थाओं का गहन परीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अपराध नियंत्रण, विवेचना गुणवत्ता, पुलिसिंग व्यवस्था और जनसुनवाई से जुड़े विभिन्न अभिलेखों व कार्यप्रणाली की बारीकी से समीक्षा की। साथ ही थाना परिसर स्थित परिवार परामर्श केंद्र/वात्सल्य केंद्र का विधिवत उद्घाटन भी किया।

निरीक्षण के दौरान अपराध रजिस्टर, विवेचना रजिस्टर, जनसुनवाई रजिस्टर, महिला एवं बाल अपराध से संबंधित अभिलेख, मालखाना, शस्त्रागार, सीसीटीएनएस कार्य, बीट पुलिसिंग व्यवस्था, चौकी प्रबंधन, सीसीटीवी कैमरों की स्थिति, थाना परिसर की स्वच्छता, बैरक, मैस एवं कार्यालय व्यवस्था का सूक्ष्म निरीक्षण किया गया। लंबित विवेचनाओं और प्रार्थना पत्रों की समीक्षा करते हुए उनके शीघ्र व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए गए।

पुलिस अधीक्षक दक्षिणी ने सीसी (क्रिटिकल कॉरिडोर) टीम के साथ सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, संवेदनशील स्थलों की पहचान तथा प्रभावी यातायात प्रबंधन को लेकर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने मिशन शक्ति अभियान की समीक्षा करते हुए महिला एवं बालिकाओं की सुरक्षा,

सम्मान एवं सहायता से जुड़े कार्यों को और अधिक सक्रिय व प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए।

साइबर अपराधों पर नियंत्रण को लेकर साइबर हेल्प डेस्क की कार्यप्रणाली की समीक्षा करते हुए साइबर अपराधों में त्वरित कार्रवाई, पीड़ितों को शीघ्र सहायता, वित्तीय रिकवरी में वृद्धि तथा साइबर जागरूकता अभियानों को और मजबूत करने पर जोर दिया गया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक दक्षिणी द्वारा ग्राम प्रहरीयों को शीत ऋतु से बचाव हेतु कंबलों का वितरण किया गया तथा उनके योगदान की सराहना करते हुए उन्हें कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया। थाना परिसर एवं आसपास प्रकाश व्यवस्था में सुधार के निर्देश भी दिए गए, जिससे सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत किया जा सके।

उन्होंने थाना स्तर पर तैनात अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा एवं जनसेवा की भावना के साथ कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि पुलिस का आचरण जनता के प्रति संवेदनशील, निष्पक्ष एवं कानूनसम्मत होना चाहिए। निरीक्षण के दौरान बीट पुलिसिंग, रात्रि गश्त, संदिग्ध व्यक्तियों की निगरानी, अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी निरोधात्मक कार्रवाई तथा जनसुनवाई को प्राथमिकता देने के स्पष्ट निर्देश दिए गए। साथ ही शासन द्वारा संचालित अभियानों के पूर्ण, प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने को कहा गया।

इस अवसर पर संबंधित क्षेत्राधिकारी, प्रभारी निरीक्षक सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

सोशल मीडिया पर अफवाहों पर सख्ती त्वरित सूचना प्रसारण के निर्देश

एडीजी जोन ने मीडिया सेल की समीक्षा बैठक में दिए अहम दिशा-निर्देश

शाह टाइम्स ब्यूरो

बरेली। अपर पुलिस महानिदेशक, बरेली जोन, रमित शर्मा ने सोमवार को जोनल मीडिया सेल में कार्यरत कर्मियों के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक कर सोशल मीडिया सेल की कार्यप्रणाली का गहन मूल्यांकन किया। बैठक के दौरान उन्होंने आगामी कार्यक्रमों, त्योहारों एवं संवेदनशील अवसरों को ध्यान में रखते हुए सोशल मीडिया के प्रभावी और जिम्मेदार उपयोग को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए।

एडीजी जोन ने कहा कि वर्तमान समय में सोशल मीडिया जनसंचार का सशक्त माध्यम बन चुका है, ऐसे में पुलिस विभाग की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। उन्होंने निर्देश दिए कि किसी भी प्रकार की सूचना को प्रसारित करने से पूर्व उसका पूर्ण सत्यापन सुनिश्चित किया जाए, ताकि भ्रामक या अफवाहजनित सूचनाओं पर

तत्काल रोक लगाई जा सके।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से पुलिस की सकारात्मक छवि को मजबूत करने, जनहितकारी सूचनाओं का त्वरित प्रसारण करने तथा कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों में जनता को समयबद्ध जानकारी उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। साथ ही त्योहारों के दौरान सोशल मीडिया पर सतर्क निगरानी रखने, भड़काऊ एवं आपत्तिजनक सामग्री पर त्वरित कार्रवाई तथा आमजन से संवाद बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में सोशल मीडिया सेल की कार्यकुशलता बढ़ाने, तकनीकी दक्षता में सुधार तथा समन्वय के साथ कार्य करने पर भी विस्तार से चर्चा की गई। एडीजी जोन ने मीडिया सेल के कर्मियों से अपेक्षा जताई कि वे पूरी निष्ठा, सतर्कता और संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें, जिससे जनविश्वास को और अधिक मजबूत किया जा सके।

तीन थानों के प्रभारी इधर से उधर

शाह टाइम्स संवाददाता

बरेली। एसएसपी अनुराग आर्य ने एक बार फिर तबादला एक्सप्रेस दौड़ा दी। रविवार की रात जिले के तीन थाना प्रभारियों को इधर से उधर कर दिया।

प्रेमनगर थाना प्रभारी प्रयागराज सिंह को फतेहगंज पश्चिमी, क्योलड़िया थाना प्रभारी राजबली सिंह को थाना प्रेम नगर का प्रभारी बनाया है।

नवाबगंज थाने के क्राइम इंस्पेक्टर वेद सिंह को थाना क्योलड़िया भेजा है। इसके अलावा फतेहगंज पश्चिमी थाने के प्रभारी निरीक्षक अभिषेक कुमार को एक माह के उपार्जित अवकाश के चलते रिजर्व पुलिस लाइन भेजा है।

महिला ने फांसी लगाकर कर लिया सुसाइड

शाह टाइम्स संवाददाता

बरेली। शिवानी शर्मा (27) की शादी चार साल पहले दोहरा गौटिया थाना बारादरी क्षेत्र के रहने वाले सोनू उर्फ बृज किशोर के साथ हुई थी। मायके वालों ने पुलिस को बताया कि शादी के बाद से ही शिवानी और सोनू का झगड़ा होता था।

दोनों के बीच अनबन के कारण वह लोग भी परेशान रहते थे। सोमवार को अपने कमरे में पंखे से फंदा लगाकर शिवानी ने सुसाइड कर लिया। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची तो ससुराल वाले घर पर मौजूद नहीं थे। सुभाषनगर में शिवानी का मायका है, सूचना पर पिता मनीष शर्मा और परिवार के दूसरे लोग भी मौके पर पहुंच गए। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

खेल विशेष

नोएडा के गोल्फर सुखमन सिंह ने आईजीयू 124वीं एमेच्योर चैंपियनशिप ऑफ इंडिया जीती

कोलकाता, वार्ता। नोएडा के गोल्फर सुखमन सिंह ने रविवार को यहां टॉलीगंज क्लब में प्रतिष्ठित आईजीयू 124वीं एमेच्योर गोल्फ चैंपियनशिप ऑफ इंडिया जीतकर क्रिसमस का जश्न पहले ही मना लिया। सुखमन ने 36-होल के फाइनल में हरियाणा के हरमन सचदेवा को हराकर शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने 29 होल के बाद 7अप की अजेय बढ़त बना ली थी। आईजीयू 124वीं एमेच्योर गोल्फ चैंपियनशिप ऑफ इंडिया, इंडियन गोल्फ यूनियन (आईजीयू) द्वारा आयोजित दुनिया की सबसे लंबे समय तक चलने वाली एमेच्योर मैचप्ले चैंपियनशिप है। एक बेहतरीन पटर और शानदार लॉन्ग गेम के साथ, सुखमन ने फाइनल की शुरुआत से ही फ्लैग पर अटैक करना जारी रखा। वह छठे होल तक बराबरी पर थे, लेकिन 12 होल के बाद 4अप हो गए और पहले 18 होल के बाद 2 अप पर बने रहे। सुखमन के पिता सिमरजीत सिंह पूर्व इंडिया नंबर 1 एमेच्योर और श्रीलंका एमेच्योर के तीन बार के विजेता होने के साथ-साथ आईजीयू मिड-एमेच्योर चैंपियन भी हैं। हालांकि, हरमन ने 23 होल तक अपनी बढ़त को तीन तक कम कर दिया था, लेकिन उसके बाद सुखमन अपने बेहतरीन फॉर्म में थे और लगातार बर्डी लगाकर 25वें होल तक 6अप हो गए। जब वह 29 होल के बाद 7अप हो गए, तो टूर्नामेंट डायरेक्टर ने उन्हें इवेंट का विजेता घोषित कर दिया क्योंकि उनकी बढ़त अपने प्रतिद्वंद्वी पर अजेय थी। सुखमन ने बाद में कहा कि यह अभी भी एक सपने जैसा लगता है, मुझे खुद को चुटकी लेनी पड़ रही है, हालांकि असल में मैं जीत गया हूं। मैं पूरी ज़िंदगी इसके लिए मेहनत कर रहा था, लेकिन आखिरकार इसे कर पाना, बहुत अच्छा लग रहा है।

स्मृति मंधाना 4000 टी-20 रन बनाने वाली पहली भारतीय महिला बनीं

● मंधाना इस फॉर्मेट में पहुंचने वाली दूसरी महिला है, न्यूजीलैंड सूजी बेट्स फिलहाल 4716 रनों के साथ इस सूची में शीर्ष पर है

विशाखापत्तनम, वार्ता। भारतीय स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने रविवार को विशाखापत्तनम में श्रीलंका के खिलाफ पहले महिला टी-20 इंटरनेशनल मैच के दौरान रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया, और महिला क्रिकेट में एक ऐतिहासिक मुकाम हासिल किया। बाएं हाथ की सलामी बल्लेबाज टी-20 इंटरनेशनल में 4,000 से ज्यादा रन बनाने वाली पहली भारतीय महिला बन गईं, जो भारतीय क्रिकेट के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। कुल मिलाकर, मंधाना इस फॉर्मेट में 4,000 रन के आंकड़े तक पहुंचने वाली दुनिया की दूसरी महिला हैं, जिन्होंने न्यूजीलैंड की महान खिलाड़ी सूजी बेट्स के साथ यह उपलब्धि हासिल की है, जो फिलहाल 4,716 रनों के साथ इस लिस्ट में सबसे ऊपर हैं। उन्होंने सिर्फ 3,227 गेंदों में 4,000 टी-20 रन बनाए, जो बेट्स से काफी तेज है, जिन्होंने वहां तक पहुंचने के लिए 3,675 गेंदें ली थीं, जो सबसे छोटे फॉर्मेट में मंधाना की निरंतरता और आक्रामक रवैये को दिखाता है। श्रीलंका के खिलाफ मैच में, मंधाना ने 122 रनों के मामूली लक्ष्य का पीछा करते हुए नौवें ओवर में आउट होने से पहले 25 गेंदों में 25 रन बनाए। हालांकि उनकी पारी छोटी थी, लेकिन यह उन्हें ऐतिहासिक मुकाम तक पहुंचाने के लिए काफी थी। यह मैच पिछले महीने वनडे विश्व कप फाइनल में भारत की यादगार जीत के बाद मंधाना का पहला इंटरनेशनल मैच भी था, जहां उन्होंने दक्षिण अफ्रीका को हराकर अपना पहला खिताब जीता था। इससे पहले, भारत के गेंदबाजों ने अनुशासित प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को छह विकेट पर 121 रन पर रोक दिया। श्रीलंकाई बल्लेबाजों को ढीली गें. दों का फायदा उठाने में मुश्किल हुई और वे कोई बड़ी साझेदारी नहीं बना पाए। सलामी बल्लेबाज विश्मी गुणरत्ने ने श्रीलंका के लिए सबसे ज्यादा 39 गेंदों में 43 रन बनाए, जबकि हसिनी परेरा और हर्षिता समरविक्रमा ने क्रमशः 20 और 21 रन बनाए। कप्तान चामरी अथापथु शुरुआत में आक्रामक दिखीं, लेकिन युवा तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ ने उन्हें आउट कर दिया, जिससे भारत को शुरुआती सफलता मिली। ओस के कारण गेंद पर पकड़ बनाने में मुश्किल होने के बावजूद, भारत के गेंदबा. जों ने बीच के ओवरों में नियंत्रण बनाए रखा।

स्पेन 2025 में फीफा विश्व रैंकिंग में रहा टॉप पर, भारत 142वें स्थान पर

स्विट्जरलैंड, वार्ता। सितंबर 2025 में टॉप स्थान हासिल करने के बाद स्पेन अभी भी विश्व चैंपियन अर्जेंटीना से आगे है जबकि भारत विश्व रैंकिंग में अपने 142वें स्थान पर कायम है। स्पेन (पहला, अपरिवर्तित) सितंबर में दूसरे स्थान पर मौजूद अर्जेंटीना (दूसरा, अपरिवर्तित) को हटाकर टॉप पर बना हुआ है, जबकि फ्रांस (तीसरा, अपरिवर्तित) साल के आखिर की लाइन-अप में पोडियम पूरा करता है। फीफा/कोका-कोला पुरुष विश्व रैंकिंग का दिसंबर 2025 एडिशन - साल का आखिरी - हाल ही में हुए 42 अंतर्राष्ट्रीय मैचों के बाद जारी किया गया है, जिसमें फीफा अरब कप कतर 2025 सेंटर स्टेज पर रहा। दोहा, कतर में क्षेत्रीय खिताब जीतने के बाद, मोरक्को (11वां, अपरिवर्तित) अप्रैल 1998 के बाद पहली बार टॉप 10 में जगह बनाने से बस थोड़ा ही पीछे है, जो क्रोएशिया (10वां, अपरिवर्तित) से सिर्फ 0-54 अंकों से पीछे है। क्रोएशिया के साथ, टॉप 10 में शामिल अन्य देश इंग्लैंड (चौथा), ब्राजील (पांचवां), पुर्तगाल (छठा), नीदरलैंड (सातवां), बेल्जियम (आठवां) और जर्मनी (नौवां) अपरिवर्तित रहे। सबसे बड़ी छलांग रैंकिंग में नीचे की ओर लगी, जिसमें सिर्फ तीन टीमों ने एक से ज्यादा स्थान ऊपर चढ़ाई की: जॉर्डन (64वां, 2 स्थान ऊपर), जिसने फीफा अरब कप 2025 में उपविजेता रहने से पहले एटलस लायंस को कड़ी टक्कर दी, वियतनाम (107वां, 3 स्थान ऊपर) और सिंगापुर (148वां, 3 स्थान ऊपर)। कोसोवो (80वां, अपरिवर्तित) 89-02 अंक हासिल करके साल की सबसे बेहतरीन टीम के रूप में उभरी, जो किसी भी अन्य टीम से ज्यादा है, 2025 में 10 मैचों में सात जीत और दो ड्रॉ के अपने शानदार रिकॉर्ड के कारण। कुल मिलाकर, उन्होंने 2025 में साल की सबसे बड़ी 19 स्थानों की छलांग लगाई। अन्य बेहतरीन प्रदर्शन करने वालों में नॉर्वे (29वां, अपरिवर्तित) शामिल है, जिसने 68-70 अंक हासिल किए, और सूरीनाम (123वां, अपरिवर्तित), जो दिसंबर 2024 की रैंकिंग के बाद से 15 स्थान ऊपर चढ़ गया है। पिछले एक साल में बारह अन्य देशों ने भी 10 से 14 स्थान ऊपर चढ़ाई की है। 2025 के आखिर में कॉन्फेडरेशन के हिसाब से टॉप-50 देशों का बंटवारा पिछले साल के आखिर जैसा ही है, जिसमें 26 देश यूईएफए से, सात कॉनमेबोल (1 कम) और काफ से, पांच कोनकाकाफ (1 ज्यादा) और एएफसी से जुड़े हैं, और ओएफसी से कोई भी देश नहीं है।

● अन्य बेहतरीन प्रदर्शन करने वालों में नॉर्वे शामिल है जिसने 68-70 अंक हासिल किए

हीरो हॉकी इंडिया लीग के रांची लेग के आज से मिलेंगे मुफ्त टिकट

● हीरो महिला एचआईएल 28 दिसम्बर से 10 जनवरी तक खेला जाएगा

नई दिल्ली, वार्ता। हॉकी के प्रशंसकों की संख्या में इजाफा करने के मकसद से हॉकी इंडिया ने 28 दिसंबर से रांची में शुरू होने वाली हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2025-26 के टिकट मुफ्त देने की घोषणा की हैं। रांची लेग के टिकट आज से टिकट जिनी के वेब पोर्टल पर उपलब्ध है। हीरो महिला एचआईएल 28 दिसंबर से 10 जनवरी तक चलेगी जबकि हीरो पुरुष एचआईएल तीन जनवरी को चेन्नई में शुरू होगी और 11 जनवरी से रांची जाएगी और फाइनल लेग हॉकी के गढ़ भुवनेश्वर में 17 जनवरी से 26 जनवरी तक खेला जायेगा। हीरो एचआईएल के रांची लेग के टिकटों की बिक्री आज 1100 बजे शुरू हो गई, जबकि हीरो पुरुष एचआईएल चेन्नई के टिकट बुधवार को 1100 बजे से मिलेंगे। हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डॉ. दिलीप टिर्की ने कहा कि हमने एक बार फिर हॉकी फैंस के लिए चेन्नई, रांची और भुवनेश्वर में सभी मैचों का आनंद लेने के लिए मुफ्त टिकट देने का फैसला किया है। जबकि महिलाओं के मैच रांची में होंगे, पुरुषों की एचआईएल तीन शहरों में खेली जाएगी। हम हॉकी स्टैंड को उन फैंस से भरना चाहते हैं जो अपने पसंदीदा सितारों को एक्शन में देखना चाहते हैं। इस सीजन में हमारे पास दुनिया के कुछ टॉप खिलाड़ी होंगे और हम एक महीने के दौरान कुछ शानदार हॉकी देखने के लिए उत्सुक हैं।

गिल, अभिषेक व अर्शदीप पंजाब की विजय हजारे ट्रॉफी टीम में शामिल

● भारत को 11 जनवरी से न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन वनडे और 5 टी-20 खेलने है

नई दिल्ली, वार्ता। टी 20 विश्व कप टीम से बाहर शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा और अर्शदीप सिंह को पंजाब की 18 सदस्यीय विजय हज़ारे ट्रॉफी टीम में चुना गया है, जो 24 दिसंबर को महाराष्ट्र के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे।

इन तीन भारतीय अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों के अलावा, पंजाब ने पावर-हिटर्स और ऑलराउंडरों का एक मजबूत समूह भी चुना है, जिसमें प्रभसिमरन सिंह, नमन धीर, अनमोलप्रीत सिंह, रमनदीप सिंह, सनवीर सिंह और हरप्रीत बराड़ शामिल हैं। गुरनूर बराड़ और कृष भगत ते गेंदबाज़ी आक्रमण की अगुआई करेंगे। गिल, अभिषेक और अर्शदीप की उपलब्धता कितनी रहेगी, यह अभी स्पष्ट नहीं है। भारत को 11 जनवरी से न्यूज़ीलैंड के खिलाफ तीन वनडे खेलने हैं।

इसके बाद 21 जनवरी से पांच टी-20 मैच होंगे। गिल को हाल ही में टी 20 विश्व कप और न्यूज़ीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए भारत की टीम से बाहर किया गया है। हालांकि वह वनडे टीम के कप्तान हैं, जबकि अभिषेक और अर्शदीप भारतीय टी-20 टीम का नियमित हिस्सा हैं। पिछले सीजन के क्वार्टर फाइनल में हारने वाली पंजाब टीम अपने सभी सात लीग मैच जयपुर

में खेलेगी। 2024-25 सत्र में अर्शदीप टीम के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। पंजाब के ग्रुप में छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, गोवा और मुंबई जैसी टीमें शामिल हैं। लीग चरण के मुघबले 8 जनवरी को समाप्त होंगे, जो भारत के पहले वनडे से तीन दिन पहले है। पंजाब ने आधिकारिक टीम घोषणा में कप्तान का नाम नहीं बताया है। पंजाब की विजय हज़ारे ट्रॉफी टीम शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, अर्शदीप सिंह, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), हरनूर पन्नू, अनमोलप्रीत सिंह, उदय सहारण, नमन धीर, सलील अरोड़ा (विकेटकीपर), सनवीर सिंह, रमनदीप सिंह, जसनप्रीत, गुरनूर, हरप्रीत, रघु शर्मा, कृष भगत, गौरव चौधरी, सुखदीप बाजवा

शायद मैं एशेज की सही तैयारी नहीं करा पाया: मैकुलम

एडिलेड, वार्ता। इंग्लैंड के हेड कोच ब्रेंडन मैकुलम ने स्वीकार किया है कि एशेज के लिए उनकी टीम की तैयारियों पर जायज सवाल उठेंगे। सिर्फ़ 11 दिनों के खेल में ही सीरीज गंवाने के बाद, जबकि अभी दो टेस्ट बाकी हैं, उनकी तैयारी अब कड़ी समीक्षा के दायरे में है। एडिलेड में 82 रन की जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया के 3-0 की अजेय बढ़त लेने के बाद टीएनटी स्पोर्ट्स से बात करते हुए मैकुलम ने माना कि उनके प्रतिद्वंद्वियों ने प्बल्ले और गेंद दोनों से हमें पछाड़ दिया और फ़ील्डिंग में भी हमें पछाड़ा। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई टीम के समग्र प्रदर्शन को कई सालों में देखा गया सबसे सटीक कि ज़बरदस्त और निरंतर बताया। इंग्लैंड का इकलौता वॉर्म-अप मैच पर्थ के लाइलैक हिल में एक धीमी पिच पर खेला।

2023 वर्ल्ड कप की हार से पूरी तरह टूट गया था: रोहित

● रोहित ने बताया कि यह निराशा उस बड़े व्यक्तिगत निवेश के कारण थी जो उन्होंने 2022 में कप्तानी संभालने के बाद किया था

नई दिल्ली, वार्ता। भारत के पूर्व वनडे कप्तान रोहित शर्मा ने 2023 वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में हार के भावनात्मक असर पर बात की है, यह मानते हुए कि इस हार से वह पूरी तरह से टूट गए थे और खेल में अपने भविष्य पर सवाल उठाने लगे थे। मास्टर्स यूनियन कन्वोकेशन 2025 में बोलते हुए, जहां उन्होंने मुख्य अतिथि के तौर पर ग्रेजुएट होने वाले छात्रों को संबोधित किया, रोहित ने घर पर वर्ल्ड कप फाइनल में भारत की हार के बाद की स्थिति पर खुलकर बात की। रोहित ने इवेंट के दौरान कहा कि 2023 वर्ल्ड कप फाइनल के बाद, मैं पूरी तरह से टूट गया था और मुझे लगा कि मैं अब यह खेल नहीं खेलना चाहता क्योंकि इसने मुझसे सब कुछ छीन लिया था और मुझे लगा कि मेरे पास कुछ नहीं बचा है। भारतीय कप्तान ने बताया कि यह निराशा उस बड़े व्यक्तिगत निवेश के कारण थी जो उन्होंने 2022 में कप्तानी संभालने के बाद से किया था, जिसका एकमात्र लक्ष्य था: भारत के लिए वर्ल्ड कप जीतना। उन्होंने कहा कि यह मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से बहुत मुश्किल समय था क्योंकि मैंने उस वर्ल्ड कप में सब कुछ लगा दिया था, न सिर्फ दो या तीन महीने पहले, बल्कि जब से मैंने 2022 में कप्तानी संभाली थी। मेरा एकमात्र लक्ष्य वर्ल्ड कप जीतना था, चाहे वह टी20 वर्ल्ड कप हो या 2023 वर्ल्ड कप। इसलिए जब ऐसा नहीं हुआ, तो मैं पूरी तरह से टूट गया था। रोहित ने आगे कहा कि भावनात्मक थकावट इतनी ज्यादा थी कि उन्हें मानसिक और शारी. रिक रूप से ठीक होने में महीनों लग गए। उन्होंने कहा कि मेरे शरीर में कोई एनर्जी नहीं बची थी। मुझे ठीक होने और खुद को वापस लाने में कुछ महीने लग गए। 37 साल के खिलाड़ी ने बताया कि आखिरकार जिस चीज़ ने उन्हें अपनी लय वापस पाने में मदद की, वह थी खुद को खेल के प्रति अपने प्यार की याद दिलाना। रोहि. त ने कहा कि इसमें थोड़ा समय लगा, और मैं खुद को याद दिलाता रहा कि यह कुछ ऐसा है जिससे मुझे सच में प्यार है, कि यह मेरे सामने था, और मैं इसे इतनी आसानी से जाने नहीं दे सकता था। धीरे-धीरे, मुझे अपना रास्ता वापस मिल गया, एनर्जी वापस आ गई और मैं मैदान पर फिर से आगे बढ़ने लगा। हालांकि, यह झटका एक टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। रोहित ने उस दौर को ज़िंदगी का एक बड़ा सबक बताया, जिसने उन्हें आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 से पहले खुद को रीसेट करने और फिर से फोकस करने में मदद की। उन्होंने कहा कि मुझे पता था कि ज़िंदगी वहीं खत्म नहीं होती। यह मेरे लिए एक बड़ा सबक था कि निराशा से कैसे निपटना है, खुद को रीसेट करना है और नई शुरुआत करनी है। इस नए फोकस का फायदा मिला, जब भारत ने रोहित की कप्तानी में 2024 का टी20 वर्ल्ड कप जीता, और बारबाडोस में फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराया।

नेमार के घुटने की सर्जरी होगी

रियो डी जेनेरो, वार्ता। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नेमार सोमवार को अपने बाएं घुटने में फटे मेनिस्कस को ठीक करने के लिए कीहोल सर्जरी करवाएंगे। 33 वर्षीय सैंटोस फॉरवर्ड ने रविवार को सोशल मीडिया पर एक फोटो पोस्ट की, जिसमें वह दक्षिण-पूर्वी शहर बेलो होरिज़ोंटे के एक अस्पताल के बिस्तर पर लेटे हुए दिख रहे हैं। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि ब्राजील की नेशनल टीम के डॉक्टर रोड्रिगो लास्मार यह प्रोसीजर करेंगे, जिसमें लगभग चार हफ्ते रिकवरी का समय लगने की उम्मीद है। इस महीने की शुरुआत में, नेमार ने खुलासा किया था कि उन्होंने 2025 ब्राज़ीलियन सीजन का दूसरा हाफ चोट के साथ खेला था, लेकिन सैंटोस को रेलिगेशन से बचाने के लिए दर्द के बावजूद खेलने का फैसला किया। बार्सिलोना और पेरिस सेंट-जर्मेन के पूर्व स्टार ने इस साल सभी प्रतियोगिताओं में सैंटोस के लिए सिर्फ़ 28 मैच खेले, जिसमें 11 गोल किए।

न्यूजीलैंड ने विंडीज को रौंदा

● ब्लैक कैप्स ने आखिरी दिन के बीच में मैच खत्म कर दिया, विंडीज को 462 रन के मुश्किल लक्ष्य का बचाव करते हुए 138 रन पर आउट किया

माउंट माउंगानुई, वार्ता। न्यूज़ीलैंड सोमवार को बे ओवल में तीसरे और आखिरी टेस्ट में वेस्टइंडीज पर 323 रन की ज़बरदस्त जीत के बाद आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) स्टैंडिंग में दूसरे नंबर पर पहुंच गया। ब्लैक कैप्स ने आखिरी दिन के बीच में ही मैच खत्म कर दिया, वेस्टइंडीज़ को 462 रन के मुश्किल टारगेट का बचाव करते हुए 138 रन पर आउट कर दिया।

लेफ्ट आर्म पेसर जैकब डफी ने अहम झटका दिया, इस शानदार सीरीज़ का अंत किया जिसमें उन्होंने 23 विकेट लिए और उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज़ चुना गया। डफी आखिरी टेस्ट में गेंद से सबसे शानदार रहे, उन्होंने दूसरी पारी में 5/42 विकेट लिए, जब मेहमान टीम लगातार दबाव में बिखर गई। इस दौरान उन्होंने न्यूज़ीलैंड का एक पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ा, उन्होंने एक कैलेंडर साल में कीवी टीम द्वारा लिए गए सबसे ज्यादा विकेट के सर रिचर्ड हैडली के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। 80 विकेट अपने नाम करने के बाद, डफी ने सीरीज में अपना तीसरा फाइव-विकेट हॉल बनाया। डफी ने माना कि मैंने लंच टाइम में वह लिस्ट (एक कैलेंडर साल में सबसे ज्यादा विकेट) देखी, और उसमें कुछ अच्छे नाम थे, इसलिए ऐसे नामों वाली किसी भी लिस्ट में ऊपर होना खास था। मैच में न्यूज़ीलैंड की कमांडिंग पोज़िशन उनके टॉप ऑर्डर, खासकर ओपनर डेवोन कॉनवे और कप्तान टॉम लैथम की ज़बरदस्त को. शिशों पर बनी थी। इस जोड़ी ने टेस्ट क्रिकेट में पहली ओपनिंग पार्टनरशिप बनकर इतिहास रच दिया, जिसमें दोनों बैट्समैन ने एक ही मैच में दो सेंचुरी बनाईं। कॉनवे ने 227 और 100 रन की पारियों के साथ रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया, वह न्यूज़ीलैंड के पहले और टेस्ट इतिहास के सिर्फ़ 10वें खिलाड़ी बने जिन्होंने एक ही टेस्ट में डबल सेंचुरी और सेंचुरी बनाई। उनकी जबरदस्त कोशिश के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला। कॉनवे ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि यह बात अभी तक समझ में आई है। इस टेस्ट मैच में जो हुआ, उसे समझने में मुझे कुछ समय लगेगा। लेकिन मैं सच में खुश हूं कि हम जीत गए। इस बड़ी जीत ने न्यूज़ीलैंड को ड्रॉ हुए शुरुआती टेस्ट के बाद 2-0 से सीरीज़ जीतने में मदद की, और उनके नए डब्ल्यूटीसी चक्र की एक ज़बरदस्त शुरुआत की। इस नतीजे ने उन्हें स्टैंडिंग में दक्षिण अफ्रीका से ऊपर दूसरे स्थान पर पहुंचा दिया, उनसे आगे सिर्फ़ ऑस्ट्रेलिया है। वेस्ट इंडीज़ के लिए, इस हार ने उन्हें डब्ल्यूटीसी तालिका में नौवें स्थान पर पहुंचा दिया है। वे अगले साल के बीच में श्रीलंका और पाकिस्तान की घरेलू सीरीज में मेज़बानी करते हुए एक्शन में लौटेंगे।

प्रो रेसलिंग लीग ने अपने 5वें सीजन से पहले आधिकारिक लोगो का अनावरण किया

नई दिल्ली, वार्ता। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) द्वारा स्वीकृत प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) ने अपने पांचवें.स. ीजन से पहले अपने नए आधिका. रिक लोगो का अनावरण किया। यह कदम भारतीय कुश्ती के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत को दर्शाता है और सात वर्षों के अंत. राल के बाद लीग की वापसी का संकेत देता है। नया लोगो जनवरी 2026 में प्रतिस्पर्धी एक्शन में वापसी से पहले लीग के पुनरुत्थान और व्यापक पुनर्गठन को दर्शाता है।

नया लॉन्च किया गया लोगो पारंपरिक लाल और नीले कुश्ती मैट से प्रेरित एक आधुनिक और गतिशील प्रतीक है, जो शक्ति, संतुलन और प्रतिस्पर्धात्मक भावना का प्रतीक है। यह केवल एक दृश्य परिवर्तन नहीं है, बल्कि प्रो रेसलिंग लीग के लिए एक पूर्ण रीसेट का प्रतिनिधित्व करता है, जिसने नए स्वामित्व और प्रबंधन के तहत संरचनात्मक और संचालनात्मक स्तर पर बड़े बदलाव किए हैं। लीग का संच. ालन अब ओएनओ मीडिया के स्वामित्व और प्रबंधन में किया जा रहा है, जिसका नेतृत्व पार्टनर्स अखिल गुप्ता और दयान फरूकी कर रहे हैं।

नया प्रबंधन पुराने ढांचों से हटकर एक पारदर्शी, खिलाड़ी-केंद्रित इकोसिस्टम बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जो पेशेवरता, ईमानदारी और भारतीय कुश्ती में दीर्घकालिक स्थिरता को प्राथमिकता देता है। पीडब्ल्यूएल का नया मिशन पहलवानों के लिए एक विश्वस्तरीय पेशेवर मंच तैयार करने पर केंद्रित है, जो पारंपरिक अखाड़ों और वैश्विक प्रतिस्पर्धी मंच के बीच की खाई को पाटे।

लर्नर टिएन ने जीता नेक्स्ट जेन एटीपी फाइनल्स का खिताब

जेद्दा, वार्ता। अमेरिकी युवा टेनिस खिलाड़ी लर्नर टिएन ने बेल्जियम के अलेक्जेंडर ब्लॉकक्स को हराकर नेक्स्ट जेन एटीपी फाइनल्स का खिताब जीत लिया है। लर्नर टिएन ने नेक्स्ट जेन एटीपी फाइनल्स जीतने से चूकने के एक साल बाद रविवार को किंग अब्दुल्ला स्पोर्ट्स सिटी में खेले गए फाइनल मुकाबले में बेल्जियम के अलेक्जेंडर ब्लॉकक्स को 4-3(4), 4-2, 4-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया। इस दौरान स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल वहां मौजूद थे। अमेरिकी खिलाड़ी की खिताब की उम्मीदों को शुरुआती झटका तब लगा जब वह स्पेन के राफेल जोडर के खिलाफ पहले राउंड-रॉबिन मैच में चार मैच अंक में से एक भी हासिल नहीं कर पाए, और सेमीफाइनल तक पहुंचने के लिए उन्हें बेहद मेजनत करनी पड़ी। लेकिन उन्होंने वहां से हिम्मत नहीं हारी।

टी-20 विश्व कप से पहले फॉर्म में वापसी करूंगा: सूर्या

● मुझे पता है चीजें कहां गलत हो रही है मेरे पास इसके उपर काम करने के लिए कुछ समय है

मुंबई, वार्ता। टी-20 में पिछले कुछ समय से रनों का सूखा होने के बाद पहली बार भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने माना कि उनका फॉर्म अच्छा नहीं है। हालांकि उन्होंने भरोसा जताया है कि 7 फरवरी से शुरू होने वाले टी-20 विश्व कप से पहले फॉर्म में वापसी करेंगे। पिछले एक साल में नंबर 3 और 4 पर खेलते हुए सूर्यकुमार ने 22 पारियों में बिना अर्द्धशतक और सिर्फ 12.84 की औसत एवं 117-87 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज में उन्होंने 12, 5, 12 और 5 के स्कोर बनाए और अब टी-20 विश्व कप से पहले उनके पास सिर्फ पांच मैच बचे हैं। टी-20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम के चयन के बाद सूर्यकुमार ने बीसीसीआई के मुंबई हेडक्वार्टर में हंसते हुए कहा कि ये वाला पैच थोड़ा लंबा हो गया। मुझे लगता है हर किसी में करियर में उन्हें यह देखने को मिला है। मैं भी इससे उबर कर आऊंगा। मुझे पता है क्या करना है। मुझे पता है चीजें कहां गलत हो रही हैं। मेरे पास इसके ऊपर काम करने के लिए कुछ समय है। अभी न्यूजीलैंड सीरीज और टी-20 विश्व कप आने वाला है। आप सूर्या को वापसी करते हुए जरूर देखेंगे। 2024 टी-20 विश्व कप जीत के बाद रोहित शर्मा की जगह कप्तानी संभालने के बाद से ही सूर्यकुमार का फॉर्म उनका साथ नहीं दे रहा है। पिछले साल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन पारियों में वह सिर्फ एक बार ही 5 का आंकड़ा पार कर सके। इंग्लैंड के खिलाफ साल की शुरुआत में पांच पारियों में वह दो बार 0 पर आउट हुए और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 14 रहा। सात महीने बाद एशिया कप में सूर्यकुमार ने पाकिस्तान के खिलाफ 47 रनों की नाबाद पारी खेली लेकिन उसके बाद उनका फॉर्म फिर से बिगड़ गया। लेकिन उन्होंने कहा कि मेरा फॉर्म ठीक है, बस रन नहीं बन रहे। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया में सूर्यकुमार ने चार पारियों में तीन बार 20 का आंकड़ा पार किया और उनका स्ट्राइक रेट 160 से ऊपर रहा। लेकिन घर आते ही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनका बल्ला फिर से शांत हो गया और वह सिर्फ 8.50 की औसत से रन बना सके। इस सीरीड़ के दौरान भी उनसे फॉर्म के बारे में पूछा गया तो उन्होंने फिर से कहा कि वह आउट ऑफ फॉर्म नहीं हैं, बस रन नहीं आ रहे। अपने 360 डिग्री स्टाइल की बल्लेबाजी और निरंतरता के कारण सूर्यकुमार आईसीसी टी-20 रैंकिंग में टॉप पर पहुंच गए थे। टी-20 में उनके नाम विराट कोहली के बाद दूसरे सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द सीरीज अवॉर्ड हैं। 2022 में उन्होंने 46.56 के औसत और 187.43 के स्ट्राइक रेट से 1164 रन बनाए थे, जो भारतीय रिकॉर्ड है। टी-20 में सबसे ज्यादा शतक के मामले में सूर्यकुमार (4) अभी रोहित शर्मा और ग्लेन मैक्सवेल (5) से सिर्फ एक शतक पीछे हैं। जब उनके पूछा गया कि क्या वह फॉर्म में लौटने के लिए अपने बल्लेबाजी के पुराने वीडियो देखते हैं, उसपर सूर्यकुमार ने कहा कि मैं पिछले तीन महीने से वही देखते आ रहा हूं। जब आपने अच्छी बल्लेबाजी की होती है और भारत के लिए बढ़िया प्रदर्शन किया होता है, उस समय की वीडियो आप जरूर देखते हैं। और घ्रि से वैसा ही प्रदर्शन करना चाहते हैं। लेकिन हां, मैं कोशिश कर रहा हूं, नेट्स में मैं काघी अच्छी बल्लेबाजी कर रहा हूं। वही चीष है कि एक अदृश्य रुकावट होती है जो आपको दिखती नहीं है लेकिन मुझे यकीन है कि मैं वापसी करूंगा। मुंबई में जब टी-20 विश्व कप के लिए अजीत आगरकर की अगुवाई में चयन समिति भारतीय टीम को चुनने के लिए इकठा हुई, तब उनके दिमाग में ये चीज थी कि टीम के कप्तान और उप-कप्तान शुभमन गिल, दोनों की फॉर्म पिछले कुछ समय से सही नहीं है।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

मंगलवार, 23 दिसम्बर 2025

राजनीतिक तमाशा

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा है कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम मनरेगा को खत्म करने से गांवों में रहने वाले करोड़ों लोगों पर बुरा असर पड़ेगा। मनरेगा खत्म होना सामूहिक नाकामी है। इसके खिलाफ सभी से एकजुट होना चाहिए। सोनिया गांधी ने 22 दिसम्बर को एक अंग्रेजी में प्रकाशित अपने कॉलम द बुलडोजर डिमालिश ऑफ मनरेगा में यह बात कही। उनका कालम तब आया है, जब राष्ट्रपति मुर्मू विकसित भारत ग्रामीण रोजगार आजीविका मिशन (ग्रामीण) वीबी-जी राम बिल को मंजूरी दे चुकी हैं, जो मनरेगा की जगह लेगा। इस नए कानून में ग्रामीण मजदूरों को 125 दिन काम देने की गारंटी दी गई है। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के सवालों के बीच गहन चिंतन का मुद्दा है कि संसद का यह शीतकालीन सत्र, जिसमें 15 बैठकें हुईं, महत्वपूर्ण और विवादास्पद विधायी कामकाज के साथ-साथ, राष्ट्रगीत वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में सरकार द्वारा राजनीतिक तमाशे का साक्षी बना। दस विधेयक पेश किए गए और आठ दोनों सदनों से पारित हुए। संसदीय मंजूरी हासिल करने वाले उल्लेखनीय विधेयकों में दर्जनों अप्रचलित कानूनों को खत्म या संशोधित करने वाला विधेयक(बीमा क्षेत्र में शत-प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति देने वाला विधेयक(आपूर्तिकर्ताओं का दायित्व घटाकर नाभिकीय शक्ति में निजी क्षेत्र का निवेश सुगम बनाने वाला विधेयक और सबसे अहम, साल 2005 में यूपीए सरकार द्वारा शुरू किए गए अग्रणी कल्याण कार्यक्रम, ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना में बड़े बदलाव शामिल हैं। कई विधेयकों के नामों ने, जो हिंदी में थे, गैर-हिंदी क्षेत्रों के सांसदों के बीच एक बेचैनी पैदा की। उन्होंने उन संवैधानिक प्रावधानों की ओर ध्यान दिलाया जो कानूनों का मसौदा अंग्रेजी में तैयार किया जाना, साथ ही जरूरत के मुताबिक अनुवाद मुहैया कराना जरूरी बनाते हैं। बीमा विधेयक का नाम है 'सबका बीमा सबकी रक्षा', जबकि ग्रामीण रोजगार गारंटी विधेयक को 'विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण)' या 'वीबी-जी राम जी' नाम दिया गया है, जो 21 दिसम्बर को राष्ट्रपति की सहमति से अधिनियम बन गया। वंदे मातरम् पर चर्चा में, सदस्यों ने लोकसभा में 65 प्रतिभागियों के साथ 11 घंटे बिताए और राज्यसभा में, 81 प्रतिभागियों के साथ, तकरीबन 13 घंटे बिताए। इसका इस्तेमाल राजनीतिक विरोधियों की देशभक्ति पर सवालिया निशान लगाने के एक और मौके की तरह करने के बजाय, संसद इस गीत को याद करते हुए एक सर्वसम्मत प्रस्ताव पारित कर सकती थी। चुनाव सुधारों पर गर्मागर्म बहस लोकसभा में 62 वक्ताओं के साथ तकरीबन 13 घंटे चली और राज्यसभा में 57 वक्ताओं के साथ तकरीबन 11 घंटे चली। भारतीय चुनावों में विश्वसनीयता के संकट से निपटने के लिए, यह पार्टी लाइनों से परे जाकर खुले मन से चर्चा का मौका था, लेकिन इसे भी गंवा दिया गया। चुनावों की विश्वसनीयता के सवालों को लेकर भाजपा और कांग्रेस के पूर्वाग्रही रवैयों से भारत के संसदीय लोकतंत्र का भला नहीं हो रहा है।

बेटियां क्या पहनकर बाहर निकलें

पटना में एक डाक्टर को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा उसका हिजाब खींचने की घटना की पूरी देश-दुनिया में थू-थू हो रही है, आश्चर्य की बात है कि प्रधानमंत्री मोदी इस पर चुप्पी साध लीं है बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का नारा देने वाले ही पढ़ी लिखी बेटी का हिजाब खींचते हैं, तो उन्हें यह भी बताना चाहिए, जब बेटी पढ़ लिख कर बाहर निकले, तो उसे कौन से कपड़े पहनने चाहिए, पीएम मोदी को इस पर चुप्पी साधने की बजाय बताना चाहिए कि बेटियां क्या पहनकर बाहर निकलें, बेटियां छोटे कपड़े पहनें तो दिक्कत, हिजाब पहनें, तो दिक्कत, लेकिन असल में दिक्कत बेटियां नहीं, दिक्कत खुद आप हैं, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ नारा अच्छा है, लेकिन जब बेटी पढ़ लिख कर बाहर निकले, तो वह क्या कपड़े पहने हैं, टाइट कपड़े पहने थे, तो गलती उसकी थी, अब कहा जा रहा है, उसने हिजाब पहना था, गलती उसकी है।

-पवन खेड़ा, प्रमुख, कांग्रेस संचार विभाग

रोजगार के लिए गारंटी मिशन

राष्ट्रपति ने विकसित भारत-रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) वीबीजीरामजी (विकसित भारत-जी राम जी) विधेयक, 2025 को अपनी स्वीकृति प्रदान की। अधि. नियम से रोजगार की वैधानिक गारंटी 125 दिनों तक बढ़ी भविष्य की अगुवाई पंचायतें करेंगी। यह अधिनियम ग्रामीण परिवारों के लिए प्रति वित्तीय वर्ष मजदूरी रोजगार की वैधानिक गारंटी को 125 दिनों तक बढ़ाता है। इससे पूर्व, संसद ने विकसित भारत-रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन ग्रामीण विधेयक, 2025 पारित किया था, जिसने भारत के ग्रामीण रोजगार और विकास ढांचे में एक निर्णायक सुधार का मार्ग प्रशस्त किया है। यह अधिनियम महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम, 2005 (महात्मा गांधी नरेगा) को प्रतिस्थापित करते हुए आजीविका सुरक्षा को सुदृढ़ करने वाला एक आधुनिक वैधानिक ढांचा प्रदान करता है, जो विकसित भारत/2047 के राष्ट्रीय विजन के अनुरूप है। सशक्तिकरण, विकास, कन्वर्जेंस और परिपूर्णता (सेचुरेशन) के सिद्धांतों पर आधारित यह अधिनियम ग्रामीण रोजगार को केवल एक कल्याणकारी योजना से आगे बढ़ाकर विकास का एक एकीकृत माध्यम बनाता है। यह ग्रामीण परिवारों की आय सुरक्षा को सुदृढ़ करता है, शासन और जवाबदेही को आधुनिक बनाता है तथा मजदूरी रोजगार को टिकाऊ और उत्पादक ग्रामीण परिसंपत्तियों के सृजन से जोड़ता है, जिससे समृद्ध एवं सक्षम ग्रामीण भारत की नींव और अधिक मजबूत होती है।

अधिनियम की प्रमुख विशेषताएं

रोजगार की वैधानिक गारंटी में वृद्धि

यह अधिनियम प्रत्येक वित्तीय वर्ष में प्रत्येक ग्रामीण परिवार को कम से कम 125 दिनों के मजदूरी रोजगार की वैधानिक गारंटी प्रदान करता है, बशर्ते परिवार के वयस्क सदस्य अकुशल शारीरिक कार्य करने के इच्छुक हों। (धारा 5 (1) पूर्व में उपलब्ध 100 दिनों के रोजगार के अधिकार की तुलना में यह वृद्धि ग्रामीण परिवारों की आजीविका को सुरक्षा प्रदान करती है, काम को पहले से अनुमानित करती है और उनकी आय को अधिक स्थिर बनाती है। इसके साथ ही उन्हें राष्ट्रीय विकास में अधिक प्रभावी और सार्थक योगदान देने में सक्षम बनाती है।

कृषि और ग्रामीण श्रम के बीच संतुलित प्रावधान

बुवाई और कटाई के चरम सीजन के दौरान कृषि से संबंधित गतिविधियों हेतु कृषि श्रम की उपलब्धता आसान करने के लिए, यह अधिनियम राज्यों को एक वित्तीय वर्ष में कुल 60 दिनों की समेकित विराम अवधि अधिसूचित करने का अधिकार प्रदान करता है। श्रमिकों को मिलने वाले कुल 125 दिनों के रोजगार के अधिकार यथावत बनी रहेगी, जिसे शेष अवधि में प्रदान किया जाएगा, जिससे कृषि उत्पादकता और श्रमिकों के हितों की सुरक्षा के मध्य संतुलित समायोजन सुनिश्चित होता है।

समय पर मजदूरी भुगतान

यह अधिनियम मजदूरी का भुगतान साप्ताहिक आधार पर अथवा किसी भी स्थिति में कार्य की समाप्ति के पंद्रह दिनों के भीतर किए जाने को अनिवार्य करता है (धारा 5 (3), निर्धारित अवधि से अधिक विलंब होने की स्थिति में, अनुसूची-II में उल्लिखित प्रावधानों के अनुसार विलंब मुआवजा देय होगा, जिससे मजदूरी सुरक्षा को सुदृढ़ किया जाता है और श्रमिकों को विलंब से संरक्षण प्रदान किया जाता है।

टिकाऊ और उपयोगी ग्रामीण अवसंरचना से जुड़ा रोजगार

इस अधिनियम के अंतर्गत मजदूरी रोजगार को चार प्राथमिक विषयगत क्षेत्रों में टिकाऊ सार्वजनिक परिसम्पत्तियों के सृजन के साथ स्पष्ट रूप से जोड़ा गया है (धारा 4 (2), अनुसूची-I के साथ पठित)। सभी कार्य बॉटम-अप एप्रोच यानि गांव स्तर से प्रस्तावित किए जाते हैं तथा सृजित सभी परिसंपत्तियों को विकसित भारत राष्ट्रीय ग्रामीण अवसंरचना स्टैक में समेकित किया जाता है, ताकि सार्वजनिक संसाधनों का कंवर्जेंस, विखंडन से बचाव और स्थानीय जरूरत के अनुसार आवश्यक ग्रामीण अवसंरचना के निर्माण सेचूरेशन लक्ष्य के आधार पर परिणाम-आधारित योजना सुनिश्चित हो सके।

राष्ट्रीय स्तर पर अभिसरण के साथ विकेन्द्रीकृत योजना निर्माण

सभी कार्य 'विकसित ग्राम पंचायत योजनाओं' से प्रारंभ होते हैं, जिन्हें ग्राम पंचायत स्तर पर सहभागितापूर्ण प्रकियाओं के माध्यम से तैयार किया जाता है तथा ग्राम सभा द्वारा अनुमोदित किया जाता है।

इन योजनाओं को पीएम गति शक्ति सहित राष्ट्रीय प्लेटफार्मों के साथ डिजिटल एवं स्थानिक रूप से एकीकृत किया जाता है, जिससे संपूर्ण-सरकार दृष्टिकोण के अंतर्गत कन्वर्जेंस संभव होता है, जबकि स्थानीय स्तर पर विकेन्द्रीकृत निर्णय निर्माण को यथावत बनाए रखा जाता है। यह एकीकृत योजना निर्माण का फेमवर्क, मंत्रालयों और विभागों को कार्यों की अधिक प्रभावी योजना बनाने और क्रियान्वयन करने में सक्षम बनाएगा, दोहराव से बचाव और सार्वजनिक संसाधनों की अपव्यय रोकने में सहायक होगा, तथा सेचूरेशन-आधारित परिणामों के माध्यम से विकास की गति को तेज करेगा।

सुधारित वित्तीय संरचना

यह अधिनियम एक केन्द्रीय प्रायोजित योजना के रूप में लागू किया जाएगा, जिसे राज्यों द्वारा अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार अधिसूचित और क्रियान्वित किया जाएगा। व्यय-साझेदारी का पैटर्न केंद्र और राज्यों के बीच 60:40, पूर्वोत्तर एवं हिमालई राज्यों के लिए 90:10 तथा विधानसभारहित केंद्र शासित प्रदेशों के लिए 100 प्रतिशत केंद्रीय वित्तपोषण का है। निधि राज्यवार मानकीकृत आवंटनों के माध्यम से प्रदान की जाएगी, जो नियमों में निर्दिष्ट वस्तुनिष्ठ मानकों पर आधारित होगी (धाराएं 4 (5) एवं 22 (4), जिससे पूर्वानुमेयता, वित्तीय अनुशासन और सुदृढ़ योजना निर्माण सुनिश्चित होगा, साथ ही रोजगार तथा बेरोजगारी भत्ते से संबंधित वैधानिक अधिकारों का पूर्ण संरक्षण बना रहता है।

प्रशासनिक क्षमता की सुदृढ़ता

प्रशासनिक व्यय की अधिकतम सीमा को 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 9 प्रतिशत कर दिया गया है, जिससे बेहतर मानव संसाधन उपलब्धता, प्रशिक्षण, तकनीकी क्षमता तथा मैदानी स्तर पर सहायता सुदृढ़ होती है और संस्थानों की परिणामों को प्रभावी रूप से प्रदान करने की क्षमता मजबूत होती है। विकसित भारत-रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन अधिनियम, 2025, विकसित भारत/2047 के विजन के अनुरूप भारत की ग्रामीण रोजगार व्यवस्था को नया और मजबूत रूप प्रदान करने की दिशा में एक निर्णायक कदम का प्रतिनिधित्व करता है। प्रति वित्तीय वर्ष मजदूरी रोजगार की वैधानिक गारंटी को 125 दिनों तक बढ़ाकर, यह अधिनियम काम मांगने के अधिकार को और मजबूत करता है, साथ ही विकेन्द्रीकृत और सहभागितापूर्ण शासन को बढ़ावा देता है। यह पारदर्शी, नियम-आधारित वित्तपोषण, जवाबदेही तंत्र, प्रौद्योगिकी सक्षम समावेशन तथा कंवर्जेंस आधारित विकास को एकीकृत करता है, ताकि ग्रामीण रोजगार न केवल आय सुरक्षा प्रदान करे, बल्कि टिकाऊ आजीविकाओं, सुदृढ़ परिसंपत्तियों और दीर्घकालिक ग्रामीण समृद्धि में भी योगदान दे।

रोजगार की गारंटी और रोजगार की मांग का अधिकार

यह अधिनियम रोजगार की मांग के अधिकार को कमजोर नहीं करता है। इसके विपरीत, धारा 5 (1) सरकार पर पात्र ग्रामीण परिवारों को कम से कम 125 दिनों के गारंटीकृत मजदूरी रोजगार प्रदान करने का स्पष्ट वैधानिक दायित्व निर्धारित करती है। गारंटीकृत दिनों में की गई यह वृद्धि, सुदृढ़ की गई जवाबदेही और शिकायत निवारण तंत्र के साथ मिलकर, इस अधिकार की प्रवर्तनीयता को और मजबूत करती है।

-ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार

अस्तित्व का अंतहीन तर्क, स्वयंभू कायनात का सृष्टा क्यों नहीं

शाहिद मिर्ज़ा

इंसानी सभ्यता के इतिहास में ईश्वर का अस्तित्व हमेशा से सबसे बड़ी बहस का केंद्र रहा है, लेकिन हाल के वर्षों में आधुनिकता और कथित प्रगतिशीलता की आड़ में इस बहस का स्तर निहायत ही सतही और अतार्किक होता जा रहा है। बीते 20 दिसम्बर को द लल्लनटॉप के मंच पर हुई एक चर्चा के दौरान मशहूर लेखक जावेद अख्तर और मुफ्ती शमाइल नदवी के बीच का संवाद आज सोशल मीडिया और वैचारिक गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है। इस डिबेट में जावेद अख्तर ने एक बार फिर नास्तिकता का पुराना राग अलापते हुए ईश्वर के वजूद को सिरे से नकार दिया और तर्क दिया कि इंसान ने खुदा को बनाया है। वहीं मुफ्ती शमाइल नदवी ने अपने नजरिए से इसका जवाब देने की कोशिश की, लेकिन इस पूरी बहस ने एक ऐसे बुनियादी सवाल को जन्म दे दिया है जिसे अक्सर अनसुना कर दिया जाता है।

तर्क का दोहरा मापदंड

आस्तिक और नास्तिक के बीच तर्क की कसौटी पर देखा जाए तो एक बहुत ही मामूली सा फर्क महसूस होता है। आस्तिक जहां पूरी सृष्टि की शुरुआत को सुपर पॉवर से जोड़ते हैं, वहीं नास्तिक सृष्टि की रचना से इसको जोड़कर देखते हैं। जावेद अख्तर और उनके जैसे तमाम नास्तिक विचारकों का सबसे बड़ा दावा यह होता है कि यह असीम कायनात (ब्रह्मांड) किसी सुपरपावर ने नहीं बनाई, बल्कि यह खुद-ब-खुद वजूद में आई है। वे वैज्ञानिक थ्योरीज का सहारा लेकर यह साबित करने की कोशिश करते हैं कि जीवन और ब्रह्मांड एक आकस्मिक घटना है। अब यहां मेरा एक सीधा और बुनियादी सवाल खड़ा होता है यदि यह अनंत और अविश्वसनीय रूप से जटिल कायनात बिना किसी बाहरी हस्तक्षेप के खुद-ब-खुद वजूद में आ सकती है, तो वह अल्लाह, खुदा या परमेश्वर खुद-ब-खुद वजूद में क्यों नहीं आ सकता? यह खुद ब खुद खुदा ईश्वर गॉड के वजूद में आने को लेकर क्यों स्वीकार नहीं हो सकती?

कायनात बनाम क्रिएटर

यह कितनी अजीब विडंबना है कि जो लोग यह मानते हैं कि खरबों आकाशगंगाएं और मानव शरीर की अद्भुत संरचना बिना किसी प्लानिंग के अचानक शून्य से प्रकट हो गई, वहीं लोग उस

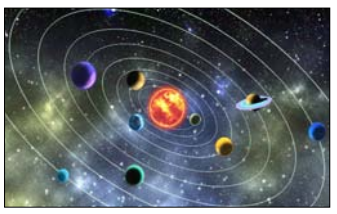

चेतन सत्ता (Conscious Intelligence) के वजूद को मानने में वैज्ञानिक साक्ष्य मांगते हैं। यदि हम विज्ञान के कारण और प्रभाव (Cause and Effect) के नियम को ही आधार मानें, तो बिना कारण के कोई कार्य संभव नहीं। अगर ब्रह्मांड एक प्रभाव है, तो उसका एक महा-कारण (First Cause) होना अनिवार्य है। नास्तिकों की समस्या यह है कि वे प्रकृति को तो स्वयंभू मान लेते हैं, लेकिन प्रकृति के रचयिता को यह दर्जा देने से इनकार करते हैं। आखिर यह दोहरा पैमाना क्यों?

शमाइल नदवी और जावेद अख्तर की बहस का सार

लल्लनटॉप की डिबेट में जिस तरह से जावेद अख्तर ने मुफ्ती शमाइल नदवी के सामने अपनी दलीलें रखीं, वह बौद्धिक चालाकी तो हो सकती है, लेकिन तार्किक सत्य नहीं। यदि प्रकृति को स्वयंभू माना जा सकता है, तो उस प्रकृति को पैदा करने वाली हस्ती को स्वयंभू मानने में क्या आपत्ति है? विज्ञान आज भी उस मकाम पर खामोश है जहां यह पूछा जाता है कि कुछ नहीं से सब कुछ कैसे बना। वहां आकर बड़े से बड़े तर्कशास्त्री मौन हो जाते हैं। क्या हम इतने अंधे हो चुके हैं कि हमें बेहतरीन पेंटिंग तो नजर आती है, लेकिन उसे बनाने वाले कलाकार के हाथ दिखाई नहीं देते?

निष्कर्ष

सच तो यह है कि ईश्वर को नकारना आज एक बौद्धिक फैशन बन गया है। बिना किसी इरादे (Will) और बिना कुन कहो कि हो जा के एक कतरा भी वजूद में नहीं आता। जो लोग कायनात को स्वयंभू मानकर ईश्वर से साक्ष्य मांगते हैं, उन्हें अपने ही तर्क के आईने में झांकना चाहिए। अगर यह दुनिया खुद बन सकती है, तो इसे बनाने वाला भी खुद-ब-खुद वजूद में हो सकता है। मुफ्ती शमाइल नदवी और जावेद अख्तर जैसे लोगों की बहसें अपनी जगह हैं, लेकिन असलियत केवल इतनी है कि उसकी कारीगरी हर तरफ मौजूद है, बस देखने के लिए अक्ल के साथ-साथ सच्चाई को स्वीकार करने का साहस चाहिए। आखिर कहां से आते हैं ये लोग जो अपनी सुविधा के अनुसार सत्य को परिभाषित करते हैं?

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये लेखक के निजी विचार हैं)

कहीं सियासत में गच्चा तो नहीं खा गए थे चौ. चरण सिंह

वीरेश तरार

चौधरी चरण सिंह की राजनीति को आज जब पीछे मुड़कर देखा जाता है, तो एक सवाल लगातार कचोटता है क्या वे सियासत की चालों में गच्चा खा गए थे? यह सवाल यूं ही नहीं उठता। यह उस ऐतिहासिक विडंबना से जन्म लेता है, जहां एक गांधीवादी, किसान पक्षधर और जातिवाद-विरोधी नेता अपने ही समय में पराजित दिखता है और उसके विचारों के ठीक उलट शक्तियां आज भारतीय राजनीति की धुरी बन चुकी हैं।

चौधरी चरण सिंह का कांग्रेस से अलग होना कोई तात्कालिक राजनीतिक निर्णय नहीं था। यह एक वैचारिक विच्छेद था। उनका मानना था कि कांग्रेस स्वतंत्रता आंदोलन की नैतिक पूंजी को छोड़कर सामंती सोच और पूंजीवादी झुकाव की ओर बढ़ रही है। वे बार-बार कहते रहे कि यदि भारत को वास्तविक अर्थों में आगे बढ़ना है, तो जातिवाद को जन्म से अलग करना होगा। उनके लिए जाति सामाजिक अन्याय की जड़ थी, विकास की सबसे बड़ी बाधा थी। उन्होंने यह प्रश्न जवाहरलाल नेहरू के सामने भी रखा, लेकिन यह प्रश्न सत्ता के गलियारों में अनसुना रह गया। इसका अर्थ यही था कि कांग्रेस ब्राह्मणवादी सामाजिक ढांचे से टकराने का साहस नहीं जुटा पा रही थी। चौ. चरण सिंह का गांधीवाद किसी प्रतीकात्मक राजनीति तक सीमित नहीं था। उनके विचारों में ग्राम स्वराज, कुटीर उद्योग, सहकारिता, छोटे किसानों की प्राथमिकता और स्थानीय संसाधनों पर समुदाय का अधिकार केंद्रीय तत्व थे। वे मानते थे कि विकास का पैमाना बदले बिना भारत में गरीबी का उन्मूलन संभव नहीं है। उनका स्पष्ट कहना था कि अमीरों को संरक्षण देकर गरीबी हटाने की बात करना बौद्धिक हास्य है। उनका प्रसिद्ध तर्क था कि यदि नीचे से भरना शुरू किया जाए तो ऊपर वाला स्वयं जीवित रहेगा, लेकिन यदि नीचे वाले को इंतजार में रखा गया तो वह इंतजार में ही समाप्त हो जाएगा। चौधरी चरण सिंह ने उन्नीस सौ चौरासी के अपने चुनावी प्रसारण में 'ट्रिकल डाउन थ्योरी' को सिरे से खारिज किया था। उनका सवाल सीधा था भला अमीर क्यों गरीब के लिए छोड़ेगा? उसकी तो उपभोग करने की क्षमता ही असीम होती है। यह सिद्धांत न भारत में कभी काम आया, न दुनिया में कहीं सफल हुआ। इसके बावजूद आज भारत सहित अधिकांश देश इसी रास्ते पर चल रहे हैं। ऊपर वालों को भरने की होड़ में नीचे वाले के अस्तित्व का प्रश्न ही अप्रासंगिक बना दिया गया है।

उनकी दृष्टि में विकास केवल सड़कों, कारखानों और मुनाफे का नाम नहीं था। स्वच्छ जल, शौचालय, महिलाओं का स्वास्थ्य और छोटे किसानों की सुरक्षा उनके लिए उतने ही जरूरी प्रश्न थे। वे कहते थे कि महिलाओं का स्वास्थ्य ही स्वस्थ समाज की नींव है। यदि माताएं स्वस्थ नहीं होंगी तो आने वाली पीढ़ियां भी अस्वस्थ होंगी। यह सोच अपने समय से बहुत आगे की थी, जिसे आज भी पूरी तरह समझा नहीं गया है। चौधरी चरण सिंह जातिवाद के कट्टर विरोधी थे। उन्हें लगता था कि भारतवर्ष का सबसे बड़ा शत्रु जातिवाद है। आजादी के आठ दशक बाद भी गरीब गरीब ही बना हुआ है, इसका मूल कारण वही जातिगत विभाजन है, जिसने निम्न वर्ग को सत्ता, संसाधन और अवसर से दूर

रखा। तमाम योजनाओं के बावजूद गरीबी का उन्मूलन इसलिए नहीं हो पा रहा क्योंकि उसके सामाजिक कारणों को छुआ ही नहीं गया, लेकिन यहीं पर इतिहास की सबसे बड़ी विडंबना सामने आती है। कांग्रेस से अलग होने के बाद चौधरी चरण सिंह ने अपनी राजनीति के संरक्षण के लिए सांप्रदायिक शक्तियों का सहारा लिया। उत्तर प्रदेश में उन्होंने समाजवादी दलों और जनसंघ के साथ सरकारें बनाईं। यही प्रयोग उन्नीस सौ सतहत्तर में जनता पार्टी के रूप में दोहराया गया। इसका हश्र ढाई साल में ही सामने आ गया। सांप्रदायिकता ने अपने लक्ष्य साधे और सरकार गिरा दी। इससे भी अधिक चौंकाने वाली घटना यह रही कि वही जनसंघ उन्नीस सौ अस्सी में पिछले दरवाजे से इंदिरा गांधी को समर्थन देकर कांग्रेस को सत्ता में ले आया। यह आघात चौधरी चरण सिंह के लिए असहनीय था। जिन ताकतों को उन्होंने सामंतवाद और पूंजीवाद के विरुद्ध एक अस्थाई औजार समझा था, वही ताकतें उनके लिए सबसे बड़ा धोखा बन गईं। माना जाता है कि यही मानसिक आघात उनके पक्षाघात का कारण बना और कुछ ही समय बाद वे दुनिया से विदा हो गए। आज जब हम पीछे देखते हैं, तो साफ दिखाई देता है कि सांप्रदायिकता ने न केवल सत्ता पर कब्जा किया, बल्कि उसने पूंजीवादी शक्तियों से हाथ मिलाकर एक ऐसा गठजोड़ बना लिया है, जिसमें सामंतवाद, सांप्रदायिकता और पूंजीवाद तीनों एक साथ काम कर रहे हैं। भारत जैसे विशाल उपभोक्ता बाजार में वैश्विक पूंजीवाद को जिस स्तर का संरक्षण मिला है, वह अभूतपूर्व है। दूरसंचार से लेकर दवाइयों तक, मोटर कारों से लेकर रसायन उद्योग तककृहर क्षेत्र में कॉरपोरेट का वर्चस्व है। विडंबना यह है कि जिस कुटीर उद्योग, सहकारिता और पंचायत राज के रास्ते को गांधी और चौधरी चरण सिंह ने पूंजीवाद से बचाव का माध्यम माना था, आज उन्हीं शब्दों को मुखौटे की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। सहकारिता की आड़ में भी नीतियां अंततः कॉरपोरेट के हित में ही केंद्रित होती दिख रही हैं। गांधी और चरण सिंह के अनुयाई भी इस छल को समझने में विफल दिखाई देते हैं। चौधरी चरण सिंह की नीतियां आज भी भारत को इस त्रिकोणीय जाल सामंतवाद, सांप्रदायिकता और पूंजीवाद से बाहर निकालने का रास्ता दिखाती हैं, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या उनके अनुयायियों में वह वैचारिक साहस बचा है? क्या वे केवल उनकी स्मृति का उपयोग करेंगे या उनके विचारों को जीवित करेंगे? यह भी कम दुखद नहीं है कि चौ. चरण सिंह की समाधि पर दशकों तक किसी प्रधानमंत्री ने श्रद्धांजलि नहीं दी। सत्ता की जरूरत पड़ने पर उन्हें भारत रत्न दिया गया, लेकिन यह सम्मान भी राजनीति की मजबूरी अधिक और वैचारिक स्वीकार्यता कम लगता है। यदि सच्चे मन से उन्हें सम्मान देना होता, तो यह बहुत पहले हो सकता था। आज जब गांधी के नाम को योजनाओं से हटाया जा रहा है, जब गांधी केवल मुद्रा पर छपे चेहरे तक सीमित कर दिए गए हैं, तब चौधरी चरण सिंह की याद हमें यह सोचने को मजबूर करती है कि क्या लोकतांत्रिक भारत में वे अंतिम सच्चे गांधीवादी थे। शायद हां। और शायद यही कारण है कि उनकी राजनीति अपने समय में हार गई, लेकिन उनके विचार आज भी हमें आईना दिखाते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

जम्मू। पीडीपी कार्यालय में कार्यकर्ताओं की बैठक के दौरान पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष व जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती।

अमेरिकी प्रशासन ने करीब 30 करियर राजनयिकों को वापस बुलाया

वाशिंगटन। अमेरिकी सरकार विदेशों में अमेरिकी मिशनों में राजदूत और अन्य वरिष्ठ पदों पर तैनात विदेश सेवा के करीब 30 अधिकारियों को वापस बुला रही है। एसोसिएटेड प्रेस ने सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी है। एजेंसी के अनुसार कम से कम 29 देशों में राजनयिक मिशनों के प्रमुखों को पिछले हफ्ते सूचित किया गया था कि उनका कार्यकाल जनवरी में समाप्त हो जाएगा। इन सभी ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के कार्यकाल में अपने पद संभाले थे। सबसे ज्यादा अमेरिकी राजदूतों को अफ्रीका से वापस बुलाया गया है।

संसदीय समिति ने शुरू की जेजू एयरलाइन विमान हादसे की जांच

सोल। दक्षिण कोरियाई संसदीय समिति ने पिछले वर्ष दिसम्बर में हुए एक यात्री विमान हादसा मामले की सोमवार को जांच शुरू कर दी। द. कोरिया की योनहाप न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार नेशनल असेंबली की विशेष जांच समिति ने जेजू एयर के यात्री विमान हादसा मामले में अपनी जांच शुरू करने के लिए अपनी पहली बैठक की। यह विमान पिछले 29 दिसम्बर को राजधानी सोल से लगभग 290 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में मुआन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा पर क्रैश हो गया था। जांच लगभग 40 दिनों में पूरी किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। इस हादसे में विमान में सवार चार क्रू मेंबर और 175 यात्रियों की मौत हो गई थी।

सिडनी के हमलावर ने पिता से सीखा बंदूक चलाना

ऑस्ट्रेलियाई पुलिस की जांच में खुलासा

■ पुलिस ने इन उपकरणों को तीन एल्युमिनियम पाइप बम और एक टेनिस बाल बम बताया

सिडनी। सिडनी के बान्डी बीच पर 15 लोगों की हत्या के आरोपी व्यक्ति ने सिडनी के बाहर न्यू साउथ वेल्स राज्य के एक इलाके में अपने पिता के साथ बंदूक चलाने का प्रशिक्षण लिया था। सोमवार को जारी आस्ट्रेलियाई पुलिस एक बयान के अनुसार उन लोगों ने सुनियोजित हमले के औचित्य के बारे में एक वीडियो रिकार्ड किया था।

यह बयान सोमवार को सिडनी के एक अस्पताल से नवीद अकरम की वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत में पेशी के बाद सार्वजनिक किया गया, जहां उसकी पेट की चोट का इलाज चल रहा है। अधिकारियों ने 14 दिसम्बर की गोलीबारी की घटना स्थल पर अकरम को घायल कर दिया और उसके पिता, 50 वर्षीय साजिद अकरम को मार डाला। न्यू साउथ वेल्स राज्य सरकार ने पुष्टि की कि नवीद अकरम को सोमवार को अस्पताल से जेल में स्थानांतरित कर दिया गया। बयान में आरोप लगाया गया है कि 24 वर्षीय युवक और उसके पिता ने बान्डी बीच पर एक वार्षिक यहूदी कार्यक्रम मना रही भीड़ की ओर चार तात्कालिक विस्फोटक उपकरण फेंककर अपना हमला शुरू किया, लेकिन उपकरण फटने में विफल रहे। पुलिस ने इन उपकरणों को तीन एल्युमिनियम पाइप बम और एक टेनिस बाल बम बताया, जिनमें विस्फोटक, काला पाउडर और स्टील बाल बियरिंग भरी हुई थीं। इनमें से कोई भी फटा नहीं, लेकिन पुलिस ने इन्हें सक्रिय आईईडी बताया। अधिकारियों ने अकरम पर 59 अपराधों का आरोप लगाया है, जिनमें हत्या के 15 मामले, घायल बच्चे लोगों के संबंध में हत्या के इरादे से नुकसान पहुंचाने के 40 मामले और एक आतंकवादी कृत्य करने का मामला शामिल है। आठ दिवसीय हनुक्का उत्सव की शुरुआत में हुआ यह यहूदी विरो. धी हमला 1996 में तस्मानिया राज्य में एक अकेले बंदूकधारी द्वारा 35 लोगों की हत्या के बाद से आस्ट्रेलिया में हुई सबसे भीषण सामूहिक गोलीबारी की घटना थी। न्यू साउथ वेल्स सरकार ने सोमवार को संसद में मसौदा कानून पेश किए, जिनके बारे में प्रीमियर क्रिस मिन्स ने कहा कि वे आस्ट्रेलिया में सबसे सख्त कानून बन जाएंगे। नए प्रतिबंधों में बंदूक प्रशिक्षण लाइसेंस के लिए पात्रता की शर्त के रूप में आस्ट्रेलियाई नागरिकता को अनिवार्य बनाना शामिल होगा। इससे साजिद अकरम, जो स्थाई निवास वीजा धारक भारतीय नागरिक थे, लाइसेंस के दायरे से बाहर हो जाते। साजिद अकरम के पास कानूनी तौर पर छह राइफल और शाटगन भी थीं।

भारत से संघर्ष में अल्लाह की मदद मिली: मुनीर

पाक सेना प्रमुख बोले: नहीं तो हालात बिगड़ जाते, मई में भारत ने तबाह किए थे 11 पाक एयरबेस

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने भारत के साथ मई में हुए सैन्य संघर्ष में अल्लाह की मदद मिलने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि हमने इसे महसूस किया, जिसकी वजह से हालात पूरी तरह बिगड़ने से बच गए। मुनीर ने यह बयान 10 दिसम्बर को इस्लामाबाद में हुई नेशनल उलेमा कान्फ्रेंस में दिया। उनके भाषण के वीडियो क्लिप रविवार को लोकल टीवी चैनलों पर दिखाए गए।

भारत ने 7 मई को 'आपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों पर हमले किए थे। यह कार्रवाई 22 अप्रैल को कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में की गई थी, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। इसके बाद दोनों देशों के बीच चार दिन तक भारी गोल. ाबारी और सैन्य टकराव हुआ, जो 10 मई को समझौते के बाद रुका। संघर्ष के दौरान भारत ने पाकिस्तान के 11 एयरबेस तबाह कर दिए थे। अपने भाषण में मुनीर ने धार्मिक बातों पर जोर देते हुए पाकिस्तान की तुलना 1400 साल पहले पैगंबर मोहम्मद द्वारा स्थापित इस्लामी राज्य से की। उन्होंने कुरान की आयतें पढ़ीं और कहा कि इस्लामी दुनिया में पाकिस्तान को खास दर्जा मिला है। मुनीर ने कहा कि दुनिया में 57 इस्लामी देश हैं, लेकिन अल्लाह ने पाकिस्तान को हरमैन शरीफैन यानी मक्का और मदीना की हिफाजत का सम्मान दिया है। मुनीर ने पाकिस्तान की पश्चिमी सीमा पर सुरक्षा हालात पर भी बात की और अफगानिस्तान की तालिबान सरकार से कहा कि वह पाकिस्तान और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) में से किसी एक को चुने। मुनीर का आरोप है कि पाकिस्तान में घुसपैठ करने वाले टीटीपी के आतंकियों में करीब 70 प्रतिशत अफगान हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या पाक नागरिकों के खून के लिए अफगानिस्तान जिम्मेदार नहीं है। मुनीर ने यह भी कहा कि किसी इस्लामी देश में जिहाद का ऐलान करने का अधिकार सिर्फ उस देश को होता है। बिना सरकार की इजाजत कोई फतवा जारी नहीं कर सकता। उन्होंने यह भी दावा किया कि पाकिस्तान की ज्यादातर आंतरिक समस्याओं के लिए अफगानिस्तान से आए हुए लोग जिम्मेदार हैं। आसिम मुनीर पहले भी कई बार कट्टरपंथी बयान दे चुके हैं। उन्होंने इसी साल अप्रैल में कहा था कि पाकिस्तान की नींव कलमे (इस्लाम धर्म का मूल मंत्र) पर रखी गई है। हम हर मामले में हिंदुओं से अलग हैं। हमारा धर्म अलग है, हमारे रीति-रिवाज अलग हैं। हमारी संस्कृति और सोच अलग है। यही टू-नेशन थ्योरी की नींव थी। हमारे पूर्वजों ने सोचा कि हम हिंद. ओं से अलग हैं। हमारी सोच, हमारी महत्वाकांक्षाएं अलग हैं। इसी वजह से हम दो देश हैं, एक देश नहीं हैं। इस देश के लिए हमारे पूर्वजों ने बलिदान दिया है। हम जानते हैं कि इसकी रक्षा कैसे करनी है। जनरल मुनीर ने कहा था-आज तक सिर्फ दो रियासतों की बुनियाद कलमे पर पड़ी। पहली रियासत-ए-तैयबा, क्योंकि तैयबा को हमारे नबी (मोहम्मद साहब) ने नाम दिया था। आज उसे मदीना कहते हैं। वहीं, दूसरी रियासत 1300 साल बाद अल्लाह ने पाकिस्तान बनाई। पाकिस्तान सरकार ने 4 दिसम्बर को आसिम मुनीर को देश का पहला चीफ आफ डिफेंस फोर्सेज (सीडीएफ) और चीफ आफ आर्मी स्टाफ (सीओएएस) नियुक्त किया था। दोनों पदों पर उनका कार्यकाल पांच साल का होगा। मुनीर पाकिस्तान के पहले सैन्य अधिकारी हैं जो एकसाथ सीडीएफ और सीओएएस दोनों पद संभाल रहे हैं। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने नियुक्ति की सिफारिश करते हुए राष्ट्रपति को समरी भेजी थी। मुनीर को इसी साल फील्ड मार्शल के पद पर पदोन्नत किया गया था। पाकिस्तानी संसद ने 12 नवम्बर को सेना की ताकत बढ़ाने वाला 27वां संवैधानिक संशोधन पास किया था।

■ मुनीर ने यह बयान 10 इस्लामाबाद में हुई नेशनल उलेमा कान्फ्रेंस में दिया
■ उनके भाषण के वीडियो क्लिप रविवार को लोकल टीवी चैनलों पर दिखाए गए

आसिम मुनीर को सऊदी अरब सर्वोच्च नागरिक सम्मान

इस्लामाबाद/रियाद। पाकिस्तान के आर्मी चीफ और फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर सऊदी अरब की आधिकारिक यात्रा पर हैं। इस दौरान सऊदी अरब ने मुनीर को अपना सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'किंग अब्दुलअजीज मेडल आफ एक्सीलेंस' से सम्मानित किया गया है। मुनीर को यह सम्मान सऊदी अरब के रक्षा मंत्री प्रिंस खालिद बिन सलमान ने रियाद में दिया है। इसको लेकर सेना ने सोमवार को कहा कि सऊदी अरब के किंग सलमान बिन अब्दुलअजीज अल सऊद ने एक शाही फरमान जारी कर फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को किंग अब्दुलअजीज मेडल आफ एक्सीलेंट क्लास से सम्मानित किया है, जो सऊदी अरब का सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान है। इस दौरान सऊदी नेतृत्व ने फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की व्यावसायिकता और रणनीतिक दृष्टिकोण की सराहना की। उन्होंने दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे भाईचारे के संबंधों को मजबूत करने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का भी उल्लेख किया। इस सम्मान के जरिए सऊदी अरब ने पाकिस्तान के साथ अपने मजबूत संबंधों को और भी मजबूत बनाने की दिशा में एक कदम बढ़ाया है।

हिरोशिमा ने सरकार से परमाणु-मुक्त सिद्धांतों का पालन करने का किया आग्रह

टोक्यो। जापान के हिरोशिमा प्रांत ने सोमवार को सरकार से देश के परमाणु-मुक्त सिद्धांतों का पालन करने का आग्रह किया। क्योटो न्यूज के अनुसार, हिरोशिमा प्रांत की विधानसभा ने सर्वसम्मति से जारी बयान में परमाणु हथियारों के तीन सिद्धांतों की समीक्षा को लेकर स्थानीय चिंताओं का हवाला दिया गया। इन सिद्धांतों के तहत जापान में परमाणु हथियारों के कब्जे, उत्पादन या प्रवेश की अनुमति देने पर रोक हैं। बयान में कहा गया कि परमाणु बमबारी झेलने वाला एकमात्र देश होने के नाते परमाणु हथियारों से मुक्त विश्व की प्राप्ति की दिशा में निरंतर प्रयास करना हमारा कर्तव्य है। यह बयान प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची के नेतृत्व वाली सरकार में सुरक्षा नीति तैयार करने में शामिल एक अधिकारी के हालिया बयान के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि जापान को परमाणु हथियार रखने चाहिए। इस बयान से स्थानीय लोगों, जिनमें परमाणु बम हमले में बचे लोग भी शामिल हैं, की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया हुई। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका द्वारा परमाणु बमों से तबाह हुए हिरो. शिमा और नागासाकी प्रांतों या नगर विधानसभाओं द्वारा देश के परमाणु-विरोधी सिद्धांतों पर पुनर्विचार के संबंध में यह पहली लिखित राय है।

न्याय विभाग ने फिर जारी की राष्ट्रपति ट्रम्प की तस्वीर

वाशिंगटन। अमेरिका के न्याय विभाग ने जेफरी एपस्टीन के हाल ही में जारी दस्तावेजों की एक तस्वीर फिर से जारी की है, जिसमें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प नजर आ रहे हैं। विभाग ने कहा है कि इस तस्वीर में कोई भी एपस्टीन पीड़ित नहीं दिखाया गया है। न्याय विभाग ने दक्षिणी जिला न्यूयार्क की ओर से पीड़ितों की सुरक्षा के लिए उठाए गए कदम के बाद इस तस्वीर को अस्थाई रूप से हटा दिया था।

न्याय विभाग ने एक पोस्ट में कहा, दक्षिणी जिला न्यूयार्क ने पीड़ितों की सुरक्षा के लिए राष्ट्रपति ट्रम्प की एक तस्वीर पर संभावित कार्रवाई के लिए संकेत दिया था। सावधानी के तौर पर, न्याय विभाग ने समीक्षा के लिए तस्वीर को अस्थाई रूप से हटा दिया था। समीक्षा के बाद यह पाया गया कि तस्वीर में कोई एपस्टीन पीड़ित नहीं है, इसलिए इसे बिना किसी बदलाव के फिर से प्रकाशित किया गया है। इसके पहले सीएनएन ने बताया था कि एपस्टीन दस्तावेजों से जुड़ी 16 फाइलें न्याय विभाग की वेबसाइट से हटा दी गई हैं। इनमें से एक हटाई गई फाइल में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की तस्वीर थी। अन्य हटाई गई फाइल में ज्यादातर स्पष्ट चित्र, डाक पेटियों वाले खांचे (स्लाट) टाइल से बना गलिया और नाम व अपार्टमेंट के नंबर वाली नोटबुक के पन्ने शामिल थे। न्याय विभाग ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि वह पारदर्शिता के लिए प्रतिबद्ध है और केवल वैधानिक रूप से आवश्यक जानकारी को ही छिपाएगा। विभाग को कानून के तहत पीड़ितों, नाबालिगों या संभावित पीड़ितों की पहचान और संवेदनशील जानकारी को छिपाना होता है। विभाग ने यह भी कहा कि कोई भी जानकारी प्रसिद्ध लोगों या राजनीतिक रूप से संवेदनशील व्यक्तियों बचाने के लिए छिपाई नहीं गई है और भविष्य में भी नहीं छिपाई जाएगी। न्याय विभाग को पीड़ितों और उनके वकीलों की ओर से कुछ जानकारी हटाने के अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

■ न्याय विभाग ने दक्षिणी जिला न्यूयॉर्क की ओर से पीड़ितों की सुरक्षा के लिए उठाए गए कदम के बाद इस तस्वीर को अस्थायी रूप से हटा दिया था

भारतीय मूल के युवक की धमकी पर चर्च के कार्यक्रम रद्द

सिंगापुर। भारतीय मूल के एक सिंगापुरवासी व्यक्ति पर एक चर्च में झूठी आतंकवादी धमकी देने का आरोप लगाया गया। इस कारण रविवार की सभी प्रार्थना सभाएं रद्द कर दी गईं।

कोकुलानंथन मोहन, जिन पर संयुक्त राष्ट्र (आतंकवाद विरोधी उपाय) विनियमों के विनियमन 8(2)(ए) के तहत अपराध का आरोप लगाया गया है। उन्होंने ऊपरी बुकिट तिमाह क्षेत्र में सेंट जोसेफ चर्च में एक संदिग्ध वस्तु मिलने के बाद गिरफ्तार किया गया था, जिसमें एक पाश आवासीय क्षेत्र शामिल है। चार्जशीट के अनुसार 26 वर्षीय व्यक्ति पर रविवार को सुबह लगभग 7.11 बजे चर्च में तीन कार्डबोर्ड रोल रखने का आरोप है, जो पत्थर के कंकड़ों से भरे हुए थे और जिनमें उभरे हुए लाल तार लगे हुए थे, जिन्हें काले और पीले चिपकने वाले टेपों से एक साथ बांधा गया था। यह कथित तौर पर किसी अन्य व्यक्ति को इस झूठे विश्वास में डालने के इरादे से किया गया था कि वस्तु में विस्फोट या आग लगने की संभावना है और इस प्रकार व्यक्तिगत चोट या संपत्ति को नुकसान हो सकता है। सिंगा. पुर पुलिस बल (एसपीएफ) ने सोमवार को एक बयान में कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि उस व्यक्ति ने कथित तौर पर चर्च परिसर के भीतर एक खुद से बनाई वस्तु रखकर घटना को अंजाम दिया था, जो एक तात्कालिक विस्फोटक उपकरण से मिलती जुलती थी। माना जाता है कि उसने अकेले ही यह काम किया था, और फिलहाल ऐसा कोई सबूत नहीं है. जिससे यह पता चले कि यह धार्मिक रूप से प्रेरित हमला था या आतंकवादी कृत्य था। चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, उन्हें नें आरोपी की मनोरोग संबंधी मूल्यांकन के लिए तीन सप्ताह के लिए हिरासत में लिया गया है और वे 12 जनवरी को अदालत में वापस आएंगे।

■ चार्जशीट के अनुसार 26 वर्षीय व्यक्ति पर सुबह लगभग 7.11 बजे चर्च में तीन कार्डबोर्ड रोल रखने का आरोप

अमेरिकी सांसद ने की बांग्लादेश में हिंदू युवक की हत्या की निंदा

बांग्लादेश सरकार को तेज और संपूर्ण तरीके से पारदर्शी जांच करनी चाहिए

वाशिंगटन। अमेरिका में एक डेमोक्रेट सांसद ने बंगलादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के एक व्यक्ति की भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या करने की निंदा करते हुए बंगलादेश प्रशासन से धार्मिक अल्पसंख्यकों की रक्षा करने का आग्रह किया है।

इलिनॉइस के डेमोक्रेट सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने सोमवार को कहा कि वे बंगलादेश में खतरनाक अस्थिरता के बीच दीपू चंद्र दास की लक्षित हत्या से 'स्तब्ध' हैं। कृष्णमूर्ति ने एक बयान में कहा कि बंगलादेश सरकार को तेज और संपूर्ण तरीके से पारदर्शी जांच करनी चाहिए और इस घटना के जिम्मेदार लोगों को कानूनन सजा देनी चाहिए। इसके अलावा, हिंदू समुदायों और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों को हिंसा से बचाने के लिए तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। बंगलादेशी अधिकारियों ने ईशनिंदा के आरोपों में दीपू चंद्र दास (25) की हत्या से जुड़े 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। यह हमला गुरुवार को मेमन. सिंह शहर में हुआ था। बंगलादेश की रैपिड एक्शन बटालियन ने सात संदिग्धों को गिरफ्तार किया, जबकि पुलिस ने तीन अन्य को हिरासत में लिया है। अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में गिरफ्तारियों की पुष्टि की और पूरी जांच का वादा किया। सरकार ने पूरी जांच का वादा करते हुए सभी अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने की प्रतिबद्धता जताई है। गौरतलब है कि मुस्लिम बहुल बंगलादेश में हिंदू अल्पसंख्यक हैं और वहां साम्प्रदायिक हिंसा का इतिहास रहा है।

■ घटना के जिम्मेदार लोगों को कानूनन सजा देनी चाहिए: कृष्णमूर्ति

ऑस्ट्रेलिया में पीएम अल्बनीज को हटाने की मांग

सिडनी। आस्ट्रेलिया में सिडनी के बॉन्डी बीच पर हुए जानलेवा आतंकवादी हमले के बाद तीन लाख से ज्यादा लोगों ने ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज के इस्तीफे और आप्रवासन नीति में बदलाव की मांग की है। याचिका से जुड़ी वेबसाइट चेंजडॉटऑर्ग के अनुसार, अब तक तीन लाख 10 हज़ार लोग इस याचिका पर हस्ताक्षर कर चुके हैं।

सिडनी बीच आतंकवादी हमले के पीड़ितों को 21 दिसम्बर को श्रद्धांजलि देने पहुंचे अल्बानीज के खिलाफ भीड़ ने नारेबाजी की थी, जिसके बाद सुरक्षाकर्मियों को प्रधानमंत्री और उनकी पत्नी को एक सुरक्षित जगह पर ले जाना पड़ा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार लोगों ने उन्हें कमज़ोर कहा और चिल्लाकर कहा कि उनके हाथ खून से सने हैं। याचिका में लिखा था कि बॉन्डी बीच पर हाल की दुखद घटनाओं और राष्ट्रीय चिंताओं को देखते हुए, अब देश के नेतृत्व पर ध्यान देने का समय आ गया है। कई निर्दोष लोगों की जान लेने वाली बॉन्डी बीच पर हुई गोलीबारी हमारे समाज को सुरक्षित रखने के लिए ज़रूरी कार्रवाई की एक और याद दिलाती है। इस इस्ताक्षर याचिका पर बड़े पैमाने पर आप्रवासन पर चिंता जताई है, जिसका ऑस्ट्रेलिया में विरोध हो रहा है। याचिका में कहा गया कि इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री की नीति जनता की राय से मेल नहीं खाती एवं सरकार और लोगों के बीच खाई बढ़ाती है। याचिका में लिखा है कि हमें ऑस्ट्रेलियाई लोगों को सुरक्षित रखने के लिए उन लोगों के लिए एक बेहतर छानबीन नीति की ज़रूरत है जिन्हें हम इस देश में लाते हैं। उल्लेखनीय है कि 14 दिसम्बर को दो आतंकवादियों ने सिडनी के बॉन्डी बीच पर भीड़ पर गोलियां चलाईं, जिसमें एक हमलावर सहित 16 लोगों की मौत हो गई जबकि 40 अन्य घायल हो गए। न्यू साउथ वेल्स पुलिस ने हमलावरों की पहचान 50 वर्षीय साजिद अकरम और उसके 24 साल के बेटे नावेद अकरम के तौर पर की। यह हमला तब हुआ जब बीच पर यहूदी समुदाय के लोग हनुक्का पर्व मना रहे थे।

■ तीन लाख लोगों ने किए याचिका पर हस्ताक्षर

अल्बानीज ने बॉन्डी बीच आतंकी हमले को लेकर यहूदी समुदाय से माफ़ी मांगी

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने नफरती भाषण से निपटने के लिए नया कानून बनाने का वादा करते हुए बॉन्डी बीच पर यहूदियों पर की गई सामूहिक गोलीबारी के बाद देश के यहूदी समुदाय से माफी मांगी है। अल्बानीज ने कैनबरा में सोमवार दोपहर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि वे सिडनी के बॉन्डी बीच पर यहूदी त्योहार हनुक्का के आयोजन में 15 लोगों की गोलीबारी से मौत के लिए 'जिम्मेदारी का बोझ' महसूस करते हैं।

शेंगेन में रूसी राजनयिकों पर यात्रा प्रतिबंध भेदभावपूर्ण: रूस

मॉस्को। रूस ने कहा है कि यूरोपीय संघ की ओर से शेंगेन क्षेत्र में रूसी राजनयिकों की आवाजाही पर लगाया गया प्रतिबंध स्पष्ट तौर पर भेदभावपूर्ण नीति के तहत लिया गया निर्णय है।

स्विट्जरलैंड में रूसी राजदूत सर्गेई गार्मोनिन ने रूसी न्यूज एजेंसी आरआईए नोवोस्ती से यह बात कही। गौरतलब है कि 23 अक्टूबर को यूरोपीय संघ ने रूस के खिलाफ 19वें प्रतिबंध पैकेज के तहत यूरोपीय संघ में रूसी राजनयिकों की आवाजाही उस देश तक सीमित कर दी थी जहां वे मान्यता प्राप्त हैं। इसके अलावा रूसी राजनयिकों और उच्चायोग के कर्मचारियों को अधिकारियों को सूचित करना होगा यदि वे किसी अन्य यूरोपीय संघ सदस्य देश की यात्रा करने या वहां से गुजरने का इरादा रखते हैं। ये प्रतिबंध 25 जनवरी, 2026 से लागू होने वाले हैं। गार्मोनिन ने कहा कि अब तक बर्न में रूसी दूतावास को स्विस पक्ष से कोई स्पष्टीकरण नहीं मिला है। इससे स्पष्ट हो रहा है कि स्विट्जरलैंड यूरोपीय संघ की ओर से इस बारे में कोई प्रतिक्रिया दिये जाने का इंतजार कर रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं है यह स्पष्ट रूप से एक भेदभावपूर्ण नीति है। उधर, रूसी उप विदेश मंत्री अलेक्जेंडर ग्रुशको ने कहा है कि यूरोपीय संघ द्वारा रूसियों को मल्टी-एंट्री शेंगेन वीजा जारी करने पर प्रतिबंध और रूसी राजनयिकों की आवाजाही पर प्रतिबंध के बाद रूस पहले से ही जवाबी उपायों पर काम कर रहा है।